- युद्धविराम को लेकर संशय सेंसेक्स 931 अंक लुढ़का निफ्टी भी गिरा - 12

- अमेरिका के साथ रक्षा उद्योग प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखला संबंध गहरा करने के प्रयास - 13

- ईरान युद्ध के कारण वैश्विक खाद्य कीमतों में वृद्धि का खतरा - 13

- आरसीबी रॉयल्स मैच में नजरें शीर्षक्रम के बल्लेबाजों पर - 14

आज का मौसम
25.0° अधिकतम तापमान
14.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.52
सूर्यास्त 06.35

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

बैशाख कृष्ण पक्ष अष्टमी 11:15 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2083

शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026, वर्ष 6, अंक 44, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ईरान ने होर्मुज में बिछाईं बारूदी सुरंगें

संकट में युद्धविराम...तेहरान की अर्ध-सरकारी न्यूज एजेंसियों ने जारी किया होर्मुज का नक्शा | अमेरिका और ईरान के बीच समझौतों पर वार्ता आज, जेडी वेंस इस्लामाबाद पहुंचे

- ईरान ने कहा- यूरेनियम संवर्धन हमारा अधिकार, बिना इसके कोई बात नहीं करेंगे

दुबई/इस्लामाबाद, एजेंसी

ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बागेर कालिबाफ ने गुरुवार को चेतावनी दी कि यदि लेबनान में हिजबुल्ला पर इजराइल के हमले जारी रहे तो इसके स्पष्ट नतीजे सामने आएंगे और कड़ा जवाब दिया जाएगा। उन्होंने अन्य ईरानी अधिकारियों की तरह इस बात पर जोर दिया कि दो सप्ताह का युद्धविराम लेबनान में भी लागू होता है, जिसे इजराइल और अमेरिका दोनों ने नकार दिया है। कालिबाफ के नाम पर संभावित वार्ताकार के रूप में चर्चा हो रही है, जो इस्लामाबाद में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से मुलाकात कर सकते हैं।

वहीं, ईरान की अर्धसरकारी समाचार एजेंसियों ने एक चार्ट प्रकाशित किया जिससे संकेत मिला कि देश के अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड ने युद्ध के दौरान होर्मुज में समुद्री सुरंगें बिछाई हैं। यह चार्ट ऐसे समय में प्रकाशित हुआ है जब अमेरिका और इजराइल के साथ हुए दो सप्ताह के युद्धविराम को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। पाकिस्तान शुक्रवार को अमेरिका और ईरान के बीच उच्च-स्तरीय वार्ता की मेजबानी करेगा। पाकिस्तान में ईरान के राजदूत रजा अमीरी मोघादम ने तेहरान के प्रतिनिधिमंडल की भागीदारी की पुष्टि करते हुए इस बात पर जोर दिया कि इजराइल द्वारा युद्धविराम के उल्लंघन के कारण उनके देश में शांति वार्ता को लेकर संदेह बना हुआ है। सूत्रों के हवाले से खबर में कहा गया है 30 सदस्यीय अमेरिकी टीम के बाद उपराष्ट्रपति जेडी वेंस इस्लामाबाद पहुंच चुके हैं। वहीं, होर्मुज में समुद्री सुरंगें बिछाने का चार्ट आईएसएनए और तस्नीम समाचार एजेंसी ने जारी किया है जिसे रिवोल्यूशनरी गार्ड का करीबी माना जाता है। चार्ट में पोतों द्वारा उपयोग किए जाने वाले मार्ग ट्रैफिक सेपरेशन स्कीम पर फारसी भाषा में खतरे का क्षेत्र अंकित करते हुए एक घेरा दिखाया गया है। जहां ईरान ने बारूदी सुरंगें बिछाई गईं।

ईरान की परमाणु एजेंसी के प्रमुख मोहम्मद इस्लामी ने कहा कि यूरेनियम संवर्धन के तेहरान के अधिकार की रक्षा करना अमेरिका से किसी भी युद्धविराम वार्ता के लिए आवश्यक है।

लेबनान के बेरूत शहर में बचाव अभियान के दौरान महिला को बचाते दमकलकर्मी।

लेबनान से सीधी बातचीत को इजराइल तैयार

वाशिंगटन। इजराइल और लेबनान के बीच संघर्ष-विराम को लेकर बातचीत अगले हफ्ते वाशिंगटन में विदेश विभाग के कार्यालय में शुरू होने की उम्मीद है। योजना से वाकिफ एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि बातचीत में अमेरिकी पक्ष का प्रतिनिधित्व लेबनान में अमेरिकी राजदूत मिशेल इस्सा एवं इजराइली पक्ष का प्रतिनिधित्व अमेरिका में इजराइल के राजदूत येचिएल लीटर करेंगे।

लेबनान युद्ध-विराम समझौते में शामिल नहीं : ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि हिजबुल्ला की वजह से लेबनान को युद्ध-विराम समझौते में शामिल नहीं किया गया गया है। उन्होंने लेबनान पर इजराइल के हालिया हमलों के बारे में पूछे जाने पर कहा कि वह एक अलग लड़ाई है। इस बीच, ईरान ने लेबनान पर हमलों को युद्धविराम का उल्लंघन बताया है। उसने इजराइल द्वारा लेबनान में हमले तेज किए जाने के जवाब में होर्मुज को फिर बंद कर दिया जिससे हाल में हुआ युद्धविराम खतरे में पड़ गया है।

ईरान होर्मुज में वसूलेगा 1 डालर प्रति बैरल टोल

ईरान ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले सभी टैंकरों पर 1 डॉलर प्रति बैरल का टोल लगाने की योजना है। वह यह टोल क्रिप्टोकरेंसी में तय करेगा और निरीक्षण पूरा होने के कुछ ही सेकंड के भीतर बिटक्वाइन में भुगतान की मांग करेगा। फाइनेंशियल टाइम्स ने ईरान के तेल, गैस और पेट्रोकेमिकल उत्पाद निर्यातकों के संघ के आधिकारिक प्रवक्ता हामिद होसैनी के हवाले से बताया कि ईरान तेल टैंकरों को प्रति बैरल एक डॉलर के शुल्क पर होर्मुज से गुजरने की अनुमति देने के लिए तैयार है।

काल बना डंपर, 3 युवकों की हादसे में गई जान

- सितारगंज में ठेला गाड़ी को मारी टक्कर, दो की हालत गंभीर

संवाददाता, सितारगंज

अमृत विचार: पीलीभीत हाईवे पर गुरुवार रात सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, गांव गौरीखेड़ा निवासी सुल्तान (24) पुत्र शरीफ अपने भतीजे नाजिम (16) पुत्र शराफत हुसैन और भांजे सैफ (15), शादाब (26) और गुलफाम (20) पुत्र यामीन के साथ सब्जी ढोने वाली ठेला गाड़ी से यूपी स्थित गांव मुंडलिया में अपने रिश्तेदार के घर जा रहे थे। तभी रास्ते में पीलीभीत हाईवे पर गांव मालपुरी में पेट्रोल पंप के पास सामने से आए डंपर ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में पांचों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को उप जिला अस्पताल सितारगंज में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने सुल्तान, नाजिम और शादाब को मृत घोषित कर दिया जबकि गंभीर घायल सैफ और गुलफाम को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने तीनों शवों को मोर्चरी में रखवा दिया। वहीं, मृतकों के परिजनों ने सीओ बीएस धौनी के साथ वार्ता में आरोपी डंपर चालक की गिरफ्तारी न होने तक मोर्चरी से शव उठाने से इनकार कर दिया। सीओ ने बताया कि, डंपर चालक की तलाश की जा रही है।

सीओ से आरोपी डंपर चालक की गिरफ्तारी की मांग करते मृतकों के परिजन।

परिजनों में मचा कोहराम

तीन युवकों की मौत की हृदयविदारक घटना से परिजनों में कोहराम मचा है। वहीं, आरोपी डंपर चालक की तलाश के लिए पुलिस सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है। सीओ बीएस धौनी ने बताया कि जिले में चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। डंपर को जल्द बरामद करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

यहां हाइड्रा ने ले ली जान

जसपुर। काशीपुर से शादी समारोह से लौट रहे बाइक सवार युवक को अफजलगढ़ रोड पर हाइड्रा ने रौंद दिया। हादसे में अंगदपुर निवासी राजीव कुमार (25) की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवा दिया है। युवक राजमिस्त्री था।

ब्रीफ न्यूज

निवेश के नाम 74 लाख रुपये की ठगी के दो मामलों में दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने निवेश पर मोटे मुनाफे का झांसा देकर 74 लाख रुपये की ठगी करने के दो अलग अलग मामलों में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पहले मामले में, ग्रेटर नोएडा निवासी राहुल त्यागी नामक व्यक्ति को 27.82 लाख रुपये की धोखाधड़ी में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता को एक सोशल मीडिया ग्रुप में जोड़ा गया और उसे शेयर बाजार और आईपीओ मंचों में निवेश करने का लालच दिया गया। एक अन्य मामले में, पुलिस ने ग्रेटर नोएडा निवासी रिंकू (36) को 47 लाख रुपये की निवेश धोखाधड़ी में संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया।

नीतीश कुमार शुक्रवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शुक्रवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे। उनके राज्यसभा जाने के साथ बिहार में नई सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त होगा। कुमार गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे और हवाई अड्डे पर जद(यू) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा सहित पार्टी के नेताओं ने उनका स्वागत किया। कुमार ने हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा, मैं यहां शपथ लेने आया हूं। उन्हें राज्यसभा सभापति सी पी राधाकृष्णन के कक्ष में उच्च सदन के सदस्य के रूप में शपथ दिलाई जाएगी।

बाल तस्करी के मामलों को गंभीरता से लें राज्य, समन्वित कार्रवाई करें

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई, कहा- गिरोह देशभर में सक्रिय
- कहा- तत्काल कदम नहीं उठाए तो स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाएगी

उच्चतम न्यायालय ने बाल तस्करी के बढ़ते मामलों पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा है कि ऐसा करने वाले गिरोह देशभर में सक्रिय हैं और यदि राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों ने तत्काल कदम नहीं उठाए तो स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाएगी। कोर्ट ने कहा कि इस संबंध में केवल राज्य सरकार और उसका गृह विभाग ही सतर्कता के साथ कार्रवाई कर सकता है।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने बुधवार को एक याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा, एक न्यायालय के रूप में हम निगरानी कर सकते हैं, लेकिन कार्रवाई अंततः राज्य सरकार, पुलिस और अन्य एजेंसियों को ही करनी है इसलिए यह हमारा विनम्र अनुरोध है। पीठ ने संगठित तस्करी गिरोह को ध्वस्त करने के उद्देश्य से 2025 में सुनाए गए एक फैसले को लागू करने के मामले में कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ढुलमुल रवैये पर नाराजगी जताई।

न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने कहा कि कुछ मामलों में बच्चों को बरामद किया जाना इस बात का प्रमाण है कि इस समस्या से निपटा जा सकता है लेकिन इसके लिए जिस स्तर की राजनीतिक और प्रशासनिक इच्छाशक्ति चाहिए उसका फिलहाल अभाव है। पिछले साल 15 अप्रैल को दिए गए फैसले में कई संस्थागत सुधारों का निर्देश दिया गया था। इनमें तस्करी के मामलों में मुकदमों का निपटारा रोजाना सुनवाई के आधार पर छह महीने के भीतर पूरा करने का निर्देश भी शामिल था।

कई राज्यों ने निर्धारित प्रारूप में नहीं भेजी रिपोर्ट

पीठ ने बुधवार को कहा कि मध्य प्रदेश, गोवा, हरियाणा, लक्षद्वीप, मिजोरम, ओडिशा और पंजाब ने अब भी निर्धारित प्रारूप में रिपोर्ट दाखिल नहीं की। जब मध्य प्रदेश के गृह सचिव ने इस चूक के लिए माफी मांगी तो पीठ ने 'अंतिम अवसर' दिया और चेतावनी भी दी कि बार-बार विफल रहने पर राज्यों को आधिकारिक रूप से 'आदेश का पालन नहीं करने वाला' घोषित कर दिया जाएगा। पीठ ने कहा कि कम से कम 15 राज्य ऐसे हैं जिन्होंने मानव तस्करी की आशंका वाले क्षेत्रों की पहचान और निगरानी के लिए अनिवार्य समीक्षा समितियों का गठन अभी तक नहीं किया है। इस मामले में आगे की सुनवाई 29 अप्रैल को होगी।

जांच के मानकों में सुधार करने का भी निर्देश

फैसले में मानव तस्करी निरोधक इकाइयों (एएचटीयू) को मजबूत करने और जांच के मानकों में सुधार करने का भी निर्देश दिया गया था। इससे पहले पीठ ने कुछ राज्यों की ओर से दाखिल अनुपालन रिपोर्ट को महज आंखों में धूल झोंकना करार दिया था।

असम ने रचा इतिहास, केरलम-पुडुचेरी में रिकॉर्ड मतदान

गुवाहाटी/ तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी, एजेंसी

85.38% वोटिंग असम के इतिहास में सबसे ज्यादा

89.81% मत पड़े पुडुचेरी में 50 साल बाद

78.01% केरलम में 49 साल में दूसरी बार बना रिकॉर्ड

देश के दो राज्यों असम, केरलम और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में गुरुवार को विधानसभा चुनाव के लिए वोट डाले गए। चुनाव आयोग के अनुसार रात 8 बजे तक असम में 85.38% मतदान हुआ।

असम के इतिहास में यह सबसे ज्यादा वोटिंग का आंकड़ा है। वहीं, केरलम में पिछले 49 सालों में दूसरी सबसे ज्यादा वोटिंग हुई, यहां 78.01% वोट डाले गए। 1977 में रिकॉर्ड 79.2% मतदान हुआ था। वहीं पुडुचेरी में 50 साल बाद 89.81% मतदान हुआ। असम में चुनाव संबंधी हिंसा में करीब 30 लोग घायल हो गए और सात लोगों को गिरफ्तार किया गया।

श्रीभूमि जिले के पथारकंडी में कांग्रेस और भाजपा समर्थकों की इस झड़प में करीब 25 लोग घायल हो गए, दो की हालत गंभीर है। असम में 126 सीटों पर 41 पार्टियों के 722 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, केरलम में 2.71 करोड़ वोटर 890 उम्मीदवारों में से अपना नेता चुनेंगे। यहां 140 सीटें हैं। पुडुचेरी में 30 सीटों के लिए वोटिंग हुई।

केरलम में विधानसभा चुनाव के दौरान कतार में खड़ी महिलाएं।

बांग्लादेशी महिला सहित दो गिरफ्तार

देहरादून । फर्जी भारतीय दस्तावेजों के सहारे हरिद्वार में रह रही बांग्लादेशी महिला व उसके साथी को गिरफ्तार किया गया है। एसएसपी हरिद्वार नवनीत सिंह ने गुरुवार को बताया कि 'ऑपरेशन प्रहार' के अंतर्गत कोतवाली ज्वालापुर पुलिस और एलआईयू ने सत्यापन अभियान में वैष्णवी एन्क्लेव से संदिग्ध महिला को हिरासत में लिया। प्रारंभिक पूछताछ में महिला ने अपना नाम स्वीटी बताया लेकिन सख्ती से पूछताछ में उसकी असल पहचान सहेला बेगम निवासी कुमीला (बांग्लादेश) के रूप में सामने आई। यह महिला वर्ष 2023 में सोशल मीडिया के माध्यम से श्यामदास के संपर्क में आई और भारत पहुंची। निर्धारित अवधि समाप्त होने के बाद वह अवैध रूप से दिल्ली और बाद में हरिद्वार में रहने लगी। इस दौरान उसने श्यामदास की मदद से आधार, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, भारतीय पासपोर्ट और विवाह प्रमाण पत्र जैसे फर्जी दस्तावेज तैयार करा लिए। पुलिस ने महिला के कब्जे से बांग्लादेशी पासपोर्ट और नेशनल आईडी कार्ड बरामद किए हैं। फर्जी दस्तावेज तैयार कराने में सहयोगी छत्तीसगढ़ निवासी श्यामदास को भी गिरफ्तार किया है। दोनों पर अभियोग दर्ज कर लिया गया है।

घूस लेते ज्येष्ठ उद्यान निरीक्षक धरा

संवाददाता, किच्छा/हल्द्वानी

- ठेकेदार से पेड़ कटान की अनुमति के एवज में मांगे थे 12 हजार रुपए

अमृत विचार : भ्रष्टाचार के खिलाफ विजिलेंस हल्द्वानी द्वारा लगातार दूसरे दिन कार्रवाई में गुरुवार को किच्छा स्थित उद्यान सचल दल केंद्र से ज्येष्ठ उद्यान निरीक्षक बादल पांडे को शिकायतकर्ता से 12 हजार रुपये रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया।

एसपी विजिलेंस दीपशिखा अग्रवाल के अनुसार, एक लकड़ी ठेकेदार ने टोल फ्री नंबर 1064 पर शिकायत दर्ज कराई थी कि उसने ग्राम गऊघाट में काश्तकारों से आम के पेड़ खरीदे हैं, जिनकी कटाई के लिए विभागीय अनुमति जरूरी है। ठेकेदार ने 26 पेड़ों के लिए आवेदन किया था, जिसमें से 16 पेड़ों की अनुमति दिलाने के एवज में आरोप है कि ज्येष्ठ उद्यान निरीक्षक बादल पांडे 12,000 रुपए की रिश्वत मांग रहा है। शिकायत की प्रारंभिक जांच में आरोप सही पाए जाने पर विजिलेंस हल्द्वानी सेक्टर कार्यालय में अभियोग दर्ज किया गया था।

इससे पहले विजिलेंस टीम ने अल्मोड़ा से ब्लॉक के लेखाकार को 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते दबोचा था।

महिला आरक्षण : प्रस्तावित संशोधन करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब: मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

- सभी सांसदों से इस महत्वपूर्ण संशोधन का समर्थन करने के लिए एकजुट होने का किया आग्रह

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि महिला आरक्षण अधिनियम में प्रस्तावित संशोधन केवल एक विधायी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह देश भर की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। मोदी ने सभी सांसदों से इस महत्वपूर्ण संशोधन का समर्थन करने के लिए एकजुट होने का आग्रह किया।

मोदी ने अपनी वेबसाइट 'नरेन्द्र मोदी डॉट इन' पर प्रकाशित एक लेख में यह भी कहा कि यह पहल उस सिद्धांत की पुष्टि है जिसने लंबे समय से भारत के इस सभ्यतागत लोकाचार का मार्गदर्शन किया है कि समाज तभी प्रगति करता है जब महिलाएं प्रगति करती हैं। कहा कि अब जरूरत है कि 2029 के लोकसभा चुनाव और आने वाले समय में राज्यों के विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ कराए जाएं।

कहा कि देश ऐतिहासिक अवसर की दहलीज पर खड़ा है और यह इसके लोकतंत्र की नींव को मजबूत करने और समानता एवं समावेशन के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता की पुष्टि करने का अवसर है। इन्हीं प्रेरणादायी अवसरों के बीच, 16 अप्रैल को संसद की ऐतिहासिक बैठक होगी तथा विशेष सत्र महिला आरक्षण को लागू करने से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा और उसे पारित करने के लिए बुलाया गया है। प्रधानमंत्री ने बाद में पोस्ट किए गए एक वीडियो संदेश में, महिलाओं से उनके लेख को पढ़ने और अन्य को भी इसे पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने का आग्रह किया। लोगों को राजनीतिक दलों को इस बात के लिए प्रोत्साहित व प्रेरित करना चाहिए कि 16, 17 और 18 अप्रैल को जब संसद की बैठक होगी तो वे इसे पारित करें। कहा, 'इसे सिर्फ एक विधायी प्रक्रिया कहना इसके महत्व को कम करके आंकना होगा। यह भारतवर्ष की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है।'

सौगात | मुख्यमंत्री ने दी खटीमा में पूर्व सैनिकों को सीएसडी कैंटीन व सैनिक मिलन केंद्र की सौगात

हमारी सरकार सैनिकों व किसानों की सरकार : धामी

- स्व. सूबेदार शेर सिंह धामी की छठी पुण्यतिथि पर किया कैंटीन एवं केंद्र का लोकार्पण

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खेतलसंडा स्थित सीएसडी कैंटीन में आयोजित भव्य गौरव सैनिक सम्मान समारोह में कहा कि उनकी सरकार सैनिकों और किसानों की सरकार है और दोनों वर्गों के सम्मान, सुरक्षा व समृद्धि के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री धामी ने गुरुवार को सेवा संकल्प धारिणी फाउंडेशन द्वारा स्वर्गीय सूबेदार शेर सिंह धामी की छठी पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए 715.51 लाख रुपये की लागत से निर्मित सीएसडी कैंटीन एवं 162.26 लाख रुपये से निर्मित सैनिक मिलन केन्द्र का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने 60 वीर नारियों और 80 वीर योद्धाओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्यमंत्री ने अपने पिता स्व. सूबेदार शेर सिंह धामी एवं अन्य शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि एक सैनिक का जीवन अनुशासन, त्याग और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक होता है, और उनके पिता से मिले संस्कार आज भी उनके निर्णयों का मार्गदर्शन करते हैं। कहा कि यह उनके लिए अत्यंत भावुक क्षण है, क्योंकि यह आयोजन उनके पिता की पुण्य स्मृति में आयोजित किया गया है। छह वर्ष पूर्व का यह दिन उनके जीवन का सबसे दुखद दिन था, जब उन्होंने अपने पिता को खो दिया। उनके पिता के विचार, सिद्धांत और संघर्षपूर्ण जीवन आज भी उन्हें प्रेरित करते हैं और हर कदम पर मार्गदर्शन देते हैं। उनके पिता अपनी वर्दी को अत्यंत सम्मान और सलीके से रखते थे। उनसे उन्हें यह सीख मिली कि एक सैनिक के लिए उसकी वर्दी ही उसका सम्मान और जिम्मेदारी होती है।

सीएसडी कैंटीन एवं सैनिक मिलन केन्द्र का लोकार्पण करते सीएम पुष्कर सिंह धामी।

सैनिकों को मानता हूं अपना आदर्श

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके पिता ने 28 वर्षों तक महार रेजिमेंट में सेवा देते हुए 1962 के भारत-चीन युद्ध, 1965 व 1971 के भारत-पाक युद्ध तथा ऑपरेशन ब्लूस्टार और ऑपरेशन रक्षक जैसे महत्वपूर्ण अभियानों में योगदान दिया। बचपन में वे अपने पिता से वीर सैनिकों की कहानियां सुनते थे, जिनसे उन्हें देशभक्ति और बलिदान की प्रेरणा मिली। भले ही वे स्वयं सेना में नहीं हैं, लेकिन सैनिकों को अपना आदर्श मानते हुए राष्ट्र सेवा के लिए कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री की माता बिशना देवी एवं धर्मपत्नी गीता पुष्कर धामी, जीओसी इन चीफ सेंट्रल कमांड लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता, सेना के वरिष्ठ अधिकारी, कैबिनेट मंत्री और जन प्रतिनिधि मौजूद रहे।

स्टेट ब्रीफ

नई कार्यकारिणी का पदभार ग्रहण आज

नैनीताल : जिला बार एसोसिएशन, नैनीताल की नई कार्यकारिणी शुक्रवार को औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण करेगी। निवर्तमान सचिव दीपक रुवाली ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह बार भवन प्रांगण में प्रातः 11 बजे आयोजित किया जाएगा। समारोह में जिला जज नैनीताल नव–निर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाएंगे। मुख्य अतिथि के रूप में सांसद अजय भट्ट और विशिष्ट अतिथि के तौर पर पालिकाध्यक्ष सरस्वती खेतवाल उपस्थित रहेंगी। कार्यक्रम में अध्यक्ष अरुण बिष्ट, उपाध्यक्ष कमल चिलवाल, सचिव संजय सुयाल, संयुक्त सचिव नीरज गोस्वामी के साथ ही कार्यकारिणी सदस्यों के रूप में नीरज कुमार आदि शपथ ग्रहण करेंगे।

डॉ. हरीश गौड़ की मां के निधन पर शोक

देहरादून : उत्तराखंड में बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ की माता धूमा देवी गौड़ का बुधवार को 83 वर्ष की आयु में आकस्मिक निधन होने पर गुरुवार को विभिन्न संगठनों ने शोक व्यक्त किया। जबकि गुरुवार को उनका अन्तिम संस्कार हरिद्वार स्थित खड़खड़ी घाट पर परिजनों की उपस्थिति में कर दिया गया। शोकाकुल परिवार को सांत्वना और दिवंगत आत्मा को श्री बदरीनाथ धाम के रावल अमरनाथ नंबूदरी सहित बीकेटीसी, विभिन्न सामाजिक, मीडिया और कर्मचारी संघ से जुड़े संगठनों ने अपनी संवेदना व्यक्त की है।

चारधाम यात्रा को लेकर अफवाह फैलायी तो तुरंत एफआईआर होगी

सीएम धामी ने चारधाम यात्रा को हर नजर से अधिक सुव्यवस्थित, सुरक्षित बनाने के दिए निर्देश

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस वर्ष उत्तराखंड की जीवन रेखा चारधाम यात्रा को हर नजर से अधिक सुव्यवस्थित, सुरक्षित, स्वच्छ और तकनीकी रूप से सशक्त बनाये जाने के निर्देश दिए हैं, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर अनुभव मिल सके। मुख्यमंत्री धामी ने संबंधी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यात्रा में हर पक्ष विशेषकर हेली सेवाओं के संबंध में व्यावसायिक दृष्टिकोण की अपेक्षा मानवीय संवेदनशीलता को प्राथमिकता दी जाए। देश और दुनिया भर से आने वाले श्रद्धालुओ की सुरक्षा और सुविधा हमारी व्यक्तिगत जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री गुरुवार को सचिवालय स्थित वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली सभागार, विश्वकर्मा भवन में चारधाम यात्रा-2026 की तैयारियों को लेकर एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक ले रहे थे। सीएम धामी ने पिछले वर्ष प्रारंभ की गई 'ग्रीन एवं क्लीन चारधाम यात्रा' मुहिम को इस बार और अधिक प्रभावी रूप में लागू करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

उन्होंने प्लास्टिक मुक्त यात्रा सुनिश्चित करने के लिए यात्रा मार्गों पर पर्याप्त संख्या में कलेक्शन बॉक्स स्थापित करने तथा प्लास्टिक के उपयोग पर सख्ती से नियंत्रण करने को कहा। साथ ही चेतावनी दी कि चारधाम यात्रा को लेकर कोई भी भ्रामक या अफवाह फैलाने का प्रयास करेगा, उसके खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने स्थानीय निकायों, स्वयंसेवी संस्थाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया, ताकि यात्रा को जनआंदोलन का स्वरूप दिया जा सके। हेली सेवाओं के संचालन को लेकर मुख्यमंत्री ने कड़े निर्देश देते हुए कहा कि निर्धारित एसओपी का पूरी सख्ती से पालन किया जाए, सभी हेलीकॉप्टरों की नियमित मेंटेनेंस और फिटनेस जांच अनिवार्य हो तथा ऑपरेशनल ओवरलोडिंग से बचने के लिए समय-समय पर सेवाओं को पर्याप्त विश्राम दिया जाए।

मुख्यमंत्री धामी ने मौसम आधारित रियल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम को और मजबूत बनाने के निर्देश दिए, जिससे किसी भी आपात स्थिति से समय रहते निपटा जा सके। उन्होंने प्रमुख स्थलों पर आकर्षक सेल्फी प्वाइंट और थीम आधारित इंस्टॉलेशन विकसित करने के साथ-साथ यात्रा मार्गों पर स्वच्छता, सौंदर्यीकरण और साइनज को बेहतर बनाने को कहा।

यात्रा मार्ग पर गैस, पेट्रोल, डीजल की कमी न हो

आपूर्ति व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री धामी ने स्पष्ट किया कि यात्रा मार्ग पर गैस, पेट्रोल, डीजल और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कोई कमी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए जिला पूर्ति अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी जाए और अलग से नोडल अधिकारी नियुक्त कर दैनिक मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए।

श्रद्धालुओं की सुविधा को रखें सर्वोपरि

श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोपरि रखते हुए मुख्यमंत्री ने शौचालय, विश्राम स्थल (शेल्टर) और अन्य मूलभूत सुविधाओं के व्यापक विकास के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दर्शन के लिए लंबा इंतजार न हो, इसके लिए स्लॉट मैनेजमेंट और भीड़ नियंत्रण प्रणाली को प्रभावी बनाया जाए तथा रियल–टाइम डिजिटल मॉनिटरिंग सिस्टम का उपयोग किया जाए।

प्रीत कौर।

किसमें कितना है दम में प्रीत कौर सेकेंड रनर अप

कालाढूंगीः आशीष मॉडर्न हायर सेकेंडरी स्कूल, बेलपोखरा की कक्षा 10 की छात्रा प्रीत कौर ने किसमें कितना है दम सीजन 12 के पांचवें राउंड को पार करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर सेकेंड रनर अप का खिताब अपने नाम किया है।

प्रबंधक आशीष सत्यवली ने बताया कि प्रीत कौर ने अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी सफलता हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र और परिवार का नाम रोशन हुआ है। चंडीगढ़ में आयोजित प्रतियोगिता में प्रीत कौर ने अन्य प्रतिभागियों को पीछे छोड़ते हुए शानदार प्रदर्शन किया। रजविंदर सिंह और संदीप कौर की बेटी प्रीत कौर आशीष मॉडर्न हायर सेकेंडरी स्कूल बेलपोखरा की मेधावी छात्रा भी हैं। पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भी उनकी सक्रिय भागीदारी रहती है। विद्यालय की प्रधानाचार्य ज्योति एवं समस्त शिक्षकों उन्हें बधाई दी है।

घर पर प्रसव शून्य करने को चला विशेष अभियान

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः हल्द्वानी ब्लॉक की आशा सुगमकर्ता, एएनएम एवं पीएचएम की बैठक कैंप कार्यालय हल्द्वानी में हुई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. हरीश चंद्र पंत ने जानकारी दी कि जनपद में घर पर प्रसव को पूरी तरह शून्य करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि जिला स्तर के अधिकारी गर्भवती महिलाओं से फोन और घर-घर जाकर संपर्क कर रहे हैं तथा उन्हें संस्थागत प्रसव के लिए काउंसलिंग दी जा रही है। साथ ही परिवार कल्याण, जननी सुरक्षा योजना और ईजा-बोई योजना सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी भी उपलब्ध कराई जा रही है। सीएमओ ने सभी प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए कि दूरस्थ क्षेत्रों में आशा और एएनएम के माध्यम से गर्भवती महिलाओं की नियमित निगरानी की जाए। आगामी महीनों में घर पर प्रसव को शून्य करने के लक्ष्य को युद्ध स्तर पर पूरा करने पर जोर दिया गया। अधिकारियों को स्वयं भी गर्भवती महिलाओं से संपर्क कर उन्हें संस्थागत प्रसव

के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए गए। इसके तहत एसीएमओ डॉ. चंद्रा पंत और डॉ. श्वेता भंडारी ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बैलपड़ाव में एएनएम, आशा, आशा सुगमकर्ता, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर और ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर के साथ बैठक कर रणनीति बनाई।

बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत सभी कार्यक्रम अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे प्रतिदिन गर्भवती महिलाओं से फोन या वीएचएनडी के माध्यम से संपर्क स्थापित कर नियमित सूचना उपलब्ध कराएं। इस अवसर पर जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. अजय शर्मा,एसीएमओ डॉ. संजीव खर्कवाल, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी हल्द्वानी ब्लॉक डॉ. हरीश चंद पांडे, अर्बन हेल्थ ऑफिसर राघवेंद्र रावत रहे।

हाईकोर्ट ने गिरफ्तारी पर रोक बढ़ाई

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः हाईकोर्ट ने काशीपुर निवासी किसान सुखवंत सिंह की आत्महत्या के मामले में दर्ज मुकदमों और नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी पर रोक संबंधी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए गुरुवार को अहम निर्देश जारी किए हैं। न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की एकलपीठ ने याचिकाकर्ताओं को राहत देते हुए उनकी गिरफ्तारी पर लगी रोक को आगे बढ़ा दिया है। साथ ही राज्य सरकार को मामले की जांच की प्रगति रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि मामले में आरोप पत्र तैयार की जा चुकी है और कुल 12 लोग नामजद हैं। इस पर कोर्ट ने सरकार से इस संबंध में अतिरिक्त शपथपत्र दाखिल करने को कहा है। वहीं, याचिकाकर्ताओं को निर्देश दिए गए हैं कि वे सरकार द्वारा दाखिल शपथपत्र पर अपना जवाब प्रस्तुत करें। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 20 अप्रैल की तिथि निर्धारित की है।

हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

नैनीताल : हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने जसपुर तहसील के तीन गांवों को राजस्व ग्राम घोषित करने की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए सरकार से विस्तृत जवाब मांगा है। निर्देश दिए कि अगली सुनवाई से पहले सरकार स्पष्ट करे कि सिंचाई विभाग और वन विभाग के नोडल अधिकारियों की अगुवाई में गठित कमेटी की रिपोर्ट पर क्या निर्णय लिया गया है। यदि संबंधित रिपोर्ट अभी तक शासन तक नहीं पहुंची है, तो इसके कारण भी स्पष्ट किए जाएं।

हाईकोर्ट ने सरकार को दी मोहलत

नैनीताल : हाईकोर्ट ने उत्तरकाशी स्थित नेहरू पर्वतारोहण संस्थान (नीम) में वर्ष 2018 से 2022 के बीच कथित अनियमितताओं की जांच को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र और राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का अतिरिक्त समय दे दिया है। इस मामले में मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ में गुरुवार को सुनवाई हुई। इस मामले में अब चार सप्ताह बाद सुनवाई होगी।

केंद्र ने आदि लक्ष्य संस्थान के लिए दिए 1 करोड़ रुपये

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

- मुख्यमंत्री ने इस संबंध में केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्री से किया था अनुरोध, जताया आभार

अमृत विचारः राज्य में जनजातीय क्षेत्रों के विकास एवं शैक्षिक अवसंरचना में सुधार आदि की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए केंद्र सरकार द्वारा उत्तराखंड आदि लक्ष्य संस्थान की स्थापना के लिए 1 करोड़ रु. की धनराशि स्वीकृत की गई है। इस संबंध में मुख्यमंत्री द्वारा पूर्व में केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्री से अनुरोध किया गया था।

केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम द्वारा मुख्यमंत्री को संबोधित पत्र में अवगत कराया गया है कि केंद्र सरकार द्वारा उत्तराखंड सरकार के प्रस्ताव पर विचार करते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत उत्तराखंड आदि लक्ष्य संस्थान की स्थापना के लिए 1 करोड़ रु. की धनराशि स्वीकृत कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने इस स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इसकी स्थापना से प्रदेश में जनजातीय युवाओं के कौशल विकास, शिक्षा, शोध एवं सशक्तिकरण को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास को प्रतिबद्ध है, इस संस्थान के माध्यम से स्थानीय युवाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध हो सकेंगे।

हर जिले में हो एक मॉडल स्किल सेंटर

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने एडीबी के अधिकारियों से प्रदेश में कौशल विकास से संबंधित प्रोजेक्ट्स पर कार्य किए जाने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि राज्य में प्रत्येक जिले में कम से कम एक मॉडल स्किल सेंटर बनाया जाए। इसमें युवाओं के कौशल विकास के साथ ही सर्टिफिकेशन और 100 प्रतिशत प्लेसमेंट पर फोकस किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को इसके लिए एक होलिस्टिक प्लान तैयार किए जाने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गुरुवार को सचिवालय में एशियन डेवलपमेंट बैंक और उत्तराखण्ड सरकार के निर्माण सम्बन्धी विभागों के मध्य बैठक हुई। बैठक के दौरान

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने विभागों के साथ की बैठक।

एडीबी द्वारा उत्तराखण्ड में विभिन्न विभागों के चल रहे प्रोजेक्ट्स पर चर्चा हुई। इस अवसर पर मुख्य सचिव के निर्देश पर विभागों द्वारा अपने महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स का प्रस्तुतीकरण भी किया गया।

मुख्य सचिव ने लोक निर्माण विभाग के प्रदेश में पुलों के निर्माण और लैंड स्लाइड जोन का ट्रीटमेंट कार्य को भी एडीबी द्वारा वित्तपोषित किए जाने हेतु प्रस्ताव एडीबी को प्रेषित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने टिहरी झील रिंग रोड को एडीबी द्वारा वित्तपोषित किए जाने की बात भी कही। कहा कि इस योजना को प्राथमिकता पर लिया जाए। इस मौके पर प्रमुख सचिव आर मीनाक्षी सुंदरम, सचिव नितेश कुमार झा, डॉ. पंकज कुमार पांडेय, दिलीप जावलकर, एडीबी से अशोक श्रीवास्तव समेत अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी रहे।

वंश व अमनदीप ने बैडमिंटन के फाइनल मैच में बनाई जगह

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचारः ऑप्टिमम टेनिस अकादमी, चूनाखान में ऑल इंडिया टेनिस संघ के तत्वावधान में आयोजित टेनिस बैडमिंटन प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों से खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। टूर्नामेंट डायरेक्टर डीएस रावत ने बताया कि यह प्रतियोगिता स्वर्गीय बीएस रावत की स्मृति में प्रतिवर्ष आयोजित की जाती है।वीरवार को कोर्ट नंबर 1, 2, 3, 4 और 5 पर मुकाबले खेले गए। डबल्स मैचों में जयंत डिंगरा व ईशांत पात्र की जोड़ी ने प्रणब राजेश व मानस तिवारी को 4-6, 7-6, 13-11 से हराया। पिंगल चौर्चो व राहुल यादव ने ओजस भारद्वाज व अनिरुद्ध माहेश्वरी को 6-1, 6-2 से पराजित किया। मोक्षक रेड्डी ने दक्ष सिंह व यशप्रीत सिंह को 4-6, 6-2, 10-4 से हराया। सुमित गोदियाल व अनीश प्रशांत ने प्रणब मिश्रा व वंश यादव को 6-3, 6-2 से पराजित किया। वहीं, अमनदीप सिंह व सूर्यदीप राणा ने आर्यन फोगाट व आर्यन सजल को 3-6, 7-5, 10-7 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

कालाढूंगी में आयोजित टेनिस टेबल में प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ी।

हमारी पहल कार्मिकों को नवाचार की दिशा में प्रोत्साहित करेगी: मनोज

- सूचना विभाग के उपनिदेशक मनोज श्रीवास्तव ने कार्मिकों को प्रदान किए प्रमाणपत्र

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः सूचना एवं लोक संपर्क विभाग के उपनिदेशक एवं नोडल अधिकारी आई गॉट कर्मयोगी भारत, मनोज कुमार श्रीवास्तव ने फंडामेंटल ऑफ कंप्यूटर सिस्टम एंड इंटरनेट टेक्नोलॉजी पर आधारित कोर्स के कार्मिकों संजय कुमार, (अनुवादक), राजेंद्र सिंह कलूड़ा, (कनिष्ठ सहायक) और यमनेश सिंह चौहान, (कंप्यूटर ऑपरेटर) को प्रमाणपत्र प्रदान किए।

उपनिदेशक श्रीवास्तव ने कहा कि, यह प्रमाणपत्र विभागीय कार्यों में दक्षता लाने के साथ ही कार्मिकों को अपने दायित्वों के कुशलता से निर्वहन करने में निश्चित रूप से मददगार होगा तथा यह पहल कार्मिकों को नवाचार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेगी। उन्होंने बताया कि, मिशन कर्मयोगी भारत सरकार का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, जिसे सरकारी कर्मचारियों को अधिक सक्षम, जिम्मेदार और आधुनिक बनाने के लिए शुरू किया गया है। नेशनल प्रोग्राम फॉर सिविल सर्विसेस कैपिसिटी बिल्डिंग (एनपीसीएससीबी) यानी मिशन कर्मयोगी का उद्देश्य, सरकारी कर्मचारियों की स्किल (कौशल) बढ़ाना, काम करने की सोच बदलना और प्रशासन को अधिक प्रोफेशनल और परिणाम आधारित बनाना है। उप निदेशक श्रीवास्तव ने बताया कि, इसका मुख्य उद्देश्य रूल बेस्ड से रोल बेस्ड प्रशासन बनाना, कर्मचारियों को लगातार ट्रेनिंग देना, नई टेक्नोलॉजी और डिजिटल स्किल सिखाना और जनता के लिए बेहतर सेवाएं देना है।

उप निदेशक मनोज कुमार श्रीवास्तव।

जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

रामनगरः भारत सरकार की 2027 की जनगणना की तैयारियों के अंतर्गत द्वितीय बैच के तीन दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ उपजिलाधिकारी गोपाल सिंह चौहान, विधायक प्रतिनिधि गणेश रावत और ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी ने किया। प्रशिक्षण में कुल 100 प्रशिक्षणार्थी भाग ले रहे हैं। तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में डिजिटल जनगणना प्रक्रिया, मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग, डेटा संकलन की विधि और गोपनीयता के नियमों पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया जाएगा। उपजिलाधिकारी गोपाल सिंह चौहान ने कहा कि जनगणना देश की विकास योजनाओं का आधार है, इसलिए सभी प्रशिक्षणार्थी पूर्ण निष्ठा और सतर्कता के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करें। विधायक प्रतिनिधि गणेश रावत ने भी डिजिटल माध्यम से होने वाली इस ऐतिहासिक जनगणना में स्थानीय स्तर पर पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

विद्यार्थियों को सिखाए आपदा प्रबंधन के गुर

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचारः पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामनगर में आपदा प्रबंधन पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने एसडीआरएफ की टीम से आपदा प्रबंधन के गुर सीखे।

महाविद्यालय के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ, भूगोल विभाग एवं एनसीसी इकाई द्वारा आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ प्राचार्य प्रोफेसर एमसी पांडे ने किया। आयोजक सचिव एवं एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डीएन जोशी ने विद्यार्थियों से कहा कि आपदा के दौरान धैर्य, साहस और सूझबूझ की आवश्यकता होती है। मुख्य वक्ता, जनपद नैनीताल की एसडीआरएफ टीम के उपनिरीक्षक मनीष भाकुनी ने छात्र-छात्राओं को आपदा, आपदा न्यूनीकरण तथा भूकंप के समय क्या करें और क्या न करें, इस विषय में विस्तार से जानकारी दी। एसडीआरएफ ने रेस्क्यू ऑपरेशन, सीपीआर, अग्निशमन, मैनुअल स्ट्रेचर, लिफ्टिंग आदि का डेमो देकर विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया। कैडेट्स को इमरजेंसी रिस्पॉन्स किट का वितरण प्राचार्य प्रो. एमसी पांडे द्वारा किया गया। कार्यक्रम में चीफ प्रॉक्टर प्रो. एसएस मौर्य, प्रो. अनीता जोशी, प्रो. जेएस नेगी, डॉ. लवकुश कुमार, आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के सदस्य, डॉ. पीसी पालीवाल, डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, 24 यूके बटालियन की एएनओ लेफ्टिनेंट कृष्णा भारती, डॉ. नीमा राणा, एसडीआरएफ से एसआई भावना बिष्ट, महेंद्र भंडारी, सतीश पांडे, जगदीश बिष्ट, नितेश खेतवाल रहे।

सुनवाई | एनजीटी ने उत्तराखंड को तीर्थयात्रा मार्गों को लेकर रिपोर्ट जल्द प्रस्तुत करने का दिया निर्देश

पर्यावरण मानदंडों के उल्लंघन पर एनजीटी सख्त

प्रमुख संवाददाता, देहरादून/नई दिल्ली

अमृत विचारः राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने उत्तराखंड सरकार को केदारनाथ धाम, हेमकुंड साहिब, यमुनोत्री और गोमुख के तीर्थयात्रा मार्गों की वहन क्षमता पर अपनी रिपोर्ट जल्द से जल्द प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

पीठ फरवरी 2023 के उस आदेश को लागू करने के अनुरोध वाली एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें इन तीर्थ स्थलों के रास्तों की वहन क्षमता का अध्ययन करने का निर्देश दिया गया था ताकि मार्गों के साथ पर्यावरण मानदंडों के बड़े पैमाने पर उल्लंघन को रोका जा सके।

इससे पहले, अधिकरण ने राज्य के अधिकारियों को पारिस्थितिकी रूप से संवेदनशील इन क्षेत्रों की वहन क्षमता के अनुरूप आगंतुकों, खच्चरों और वाहनों की संख्या के आकलन सहित एक कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया था।

राज्य सरकार ने एनजीटी को सूचित किया था कि भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) वहन क्षमता रिपोर्ट तैयार कर रहा है, जिसे फरवरी 2026 तक प्रस्तुत किये जाने की बात कही गई थी।

सात अप्रैल को, एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य अफरोज अहमद की पीठ ने गौर किया कि राज्य ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिए गए कुछ महत्वपूर्ण निर्णयों के संबंध में दो अप्रैल को एक हलफनामा प्रस्तुत किया था।

इसमें मंदिर समितियों, होटल संगठनों, परिवहन संचालकों, घोड़ा-खच्चर संगठनों और अन्य स्थानीय समूहों जैसे हितधारकों के साथ परामर्श करना, विभिन्न विभागों से सुझाव प्राप्त करने के लिए डब्ल्यूआईआई रिपोर्ट का वितरण करना और रिपोर्ट का सारांश प्रकाशित करना शामिल था। पीठ ने गौर किया कि हलफनामे में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए अतिरिक्त छह महीने का समय भी मांगा गया है।

उचित प्रगति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश

पीठ ने कहा, ''इस रिपोर्ट (हलफनामे) में उत्तराखंड की ओर से आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के लिए छह महीने का समय देने का अनुरोध किया गया है, लेकिन हमारा मानना है कि छह महीने उचित नहीं है और प्रक्रिया में तेजी लाई जानी चाहिए।'' एनजीटी ने राज्य को अगली सुनवाई की तारीख 21 जुलाई से कम से कम एक सप्ताह पहले एक ''उचित प्रगति रिपोर्ट'' दाखिल करने का निर्देश दिया।

एनएसयूआई ने जिला अस्पताल में फल बांटे

नैनीतालः भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के स्थापना दिवस के अवसर पर गुरुवार को नगर अध्यक्ष आयुष आर्या और जिलाध्यक्ष शार्दूल नेगी के नेतृत्व में बीडी पांडे जिला चिकित्सालय में मरीजों को फल वितरित किए गए। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने अस्पताल में भर्ती मरीजों का हालचाल जाना और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। कार्यक्रम में पूर्व प्रदेश महामंत्री धीरज बिष्ट, यूथ कांग्रेस नगर अध्यक्ष बंटू आर्या, विधानसभा अध्यक्ष अभिषेक कुमार, छात्र महासंघ अध्यक्ष आशीष कबड़वाल, सभासद अंकित चंद्रा, ब्लॉक अध्यक्ष संदीप जलाल, कैलाश अधिकारी, सचिन कुमार, अभिषेक कुमार, प्रियांशु बेलवाल, शांतोष बिष्ट, मनीष जलाल, अमन कुमार आदि रहे।

सनसनाती सर्दी के साथ हुई नैनीताल की सुबह, आज सुहावना रहेगा मौसम

- सुबह शीत लहर चली तो लोगों ने गर्म ऊनी कपड़े निकाल लिए दोपहर में निकली धूप तो मिली राहत

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : बीते दिनों हुई बारिश से सरोवर नगरी कड़ाके की ठंड की चपेट में है। गुरुवार का दिन कंपकपाने वाली ठंड महसूस हुई। दोपहर बाद सुधार आ गया है।

नगर में सुबह घने बादल छाए थे और सताने वाली शीत लहर चल रही थी। सुबह के समय हुई हल्की बूंदाबांदी ने ठंड में अधिक इजाफा कर दिया। लोग गर्म ऊनी कपड़े पहनने को मजबूर हो गए। अपरान्ह तीन बजे तक असमान घने बादलों से ढका हुआ था। इसके मौसम पूरी तरह साफ हो गया और धूप निकल आई। इसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार मौसम सुहावना रहेगा। हालांकि बादलों और सर्द हवाएं चलती रहेगी। इधर गत दिवस हुई बारिश से नैनी झील के जल स्तर में चार इंच सुधार आया है, जो 80.7 फीट जा पहुंचा है। जीआईसी मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अधिकतम तापमान 18 व न्यूनतम 8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। आद्रता अधिकतम 90 व न्यूनतम 60 प्रतिशत रही।

कुछ ऐसा नजर आया गुरुवार को नैनीताल का नजारा।

सिटी इंवेंट्स

- गौलापार स्थित अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में क्रिकेट मैच सुबह 7 बजे
- जिला प्रशासन एवं राजस्व विभाग की टीमें बनभूलपुरा में पीएम आवास फार्म की स्क्रूटनी करेंगी 10 बजे

सिटी ब्रीफ

नगर निगम का विशेष सफाई अभियान

हल्द्वानी : नगर निगम की ओर से 7 से 14 अप्रैल तक चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत गुरुवार को शहर के प्रमुख स्थलों की सफाई की गई। रोडवेज, केएमओ, रेलवे स्टेशन और पोस्ट ऑफिस में सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान लोगों को डस्टबिन और कूड़ा वाहन में कचरा डालने के लिए जागरूक किया। वरिष्ठ नगर आयुक्त डॉ. सीएस टोलिया, अमोल अस्वाल, चतर सिंह रहे।

डिप्लोमा इंजीनियरों की हड़ताल

हल्द्वानी : डिप्लोमा इंजीनियरों ने हड़ताल करते हुए हल्दूचौड़ में जमरानी परियोजना से जुड़े कार्यों को रोक दिया। जल संस्थान खंड हल्द्वानी के कार्यस्थल पर बड़ी संख्या में इंजीनियर एकत्र हुए और विरोध दर्ज कराया। इंजीनियरों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इसके बाद सिंचाई संघ भवन में आयोजित बैठक में विभिन्न विभागों के डिप्लोमा इंजीनियर शामिल हुए। बैठक में डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ की 27 सूत्रीय मांगों जैसे लंबे समय से वेतन विसंगतियां, पदोन्नति, सेवा शर्तों और विभागीय संरचना आदि को पूरा करने की मांग उठाई गई।

पूरे राज्य में सामान्य से कम रहा पारा

हल्द्वानी : पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता की वजह से बुधवार को पूरे राज्य में बारिश हुई और ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हुई। इसका असर गुरुवार को भी रहा और शीतलहर चली, जिससे पारे में गिरावट रही। राजधानी देहरादून में अधिकतम तापमान 27.4 डिग्री रहा जो सामान्य से चार डिग्री कम है। यहां न्यूनतम तापमान 11.5 डिग्री रहा जो सामान्य से पांच डिग्री कम है। हल्द्वानी में धूप निकली लेकिन ठंडी हवा भी चली। शाम को फिर से मौसम ठंडा हो गया। अधिकतम तापमान 28.4 और न्यूनतम 9.8 डिग्री रहा, दोनों ही सामान्य से पांच डिग्री कम हैं। मुक्तेश्वर में रात के समय कड़ाके की ठंड पड़ रही है।

कई राज्यों की खाक छानकर पुलिस ने बरामद किए साढ़े 37 लाख के मोबाइल, पिछले तीन माह से इन मोबाइल फोन की थी तलाश

गुम मोबाइल पाकर किसी की आंखें नम हुईं तो कुछ उछल पड़े

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: गुम हुए मोबाइल फोन मिलने की खुशी इस कदर दिखी मानो कोई पुराना साथी अचानक मिल गया हो। यह दृश्य गुरुवार को पुलिस बहुउद्देशीय भवन में उस वक्त दिखा जबकि एसएसपी ने बीते तीन माह के दौरान गुम मोबाइल फोन को उनके असली मालिकों के हाथों पर रखा। इनमें से मोबाइल पाकर कुछ भावुक हो उठे, कुछ की खुशी का ठिकाना न रहा तो कुछ आंखों में आंसू लिए बस हाथ जोड़ कर खड़े हो गए।

आखिरकार खोए हुए मोबाइल में किसी की यादगार यात्रा या इवेंट की फोटोज थीं तो किसी के कीमती डॉक्यूमेंट सेव (फार्मेट न किए जाने की स्थिति में) थे। किसी के लिए तो मोबाइल उसके प्रिय से मिला बेशकीमती गिफ्ट था जो उसे वापस मिल गया। इनमें कुछ के आईफोन भी रहे जिसे पाकर लगा एक बड़ी पूंजी वापस मिल गई हो।

बहरहाल, पुलिस ने खोए हुए मोबाइल फोन बरामद करने के अभियान में बड़ी सफलता हासिल करते हुए तीन माह में 200 मोबाइल फोन उनके असली मालिकों तक पहुंचाए हैं। इन फोन की कुल अनुमानित कीमत करीब 37.48 लाख रुपये आंकी गई है।

खोए मोबाइल वापस पाकर खुश लोग, साथ में एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी।

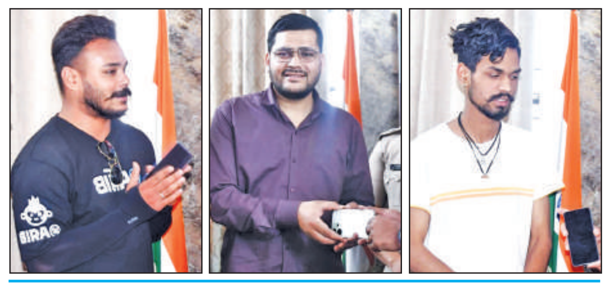

मोबाइल फोंस की नौ राज्यों से ली खोज-खबर

टीम ने शिकायतकर्ताओं द्वारा उपलब्ध कराए गए आईएमईआई नंबरों को सीईआईआर पोर्टल पर ट्रैक कर उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, मध्य प्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड से 200 मोबाइल फोन बरामद किए। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक मीनू गौतम, कांस्टेबल किशन सिंह कुंवर व रामचन्द्र प्रजापति थे। एसएसपी ने पुलिस टीम को 1500 रुपये नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है।

पोर्टल पर मोबाइल गुम होने की दर्ज हुईं थीं शिकायतें

पुलिस के अनुसार, जनवरी से मार्च के बीच मोबाइल ऐप और सीईआईआर पोर्टल के जरिए बड़ी संख्या में मोबाइल गुम होने की शिकायतें दर्ज हुई थीं। मामले का संज्ञान लेते हुए एसएसपी डॉ. मंजुनाथ टीसी ने जनपद स्तर पर गठित मोबाइल रिकवरी सेल को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस बहुउद्देशीय भवन में लोगों को उनके मोबाइल सौंपते हुए एसएसपी ने बताया कि साइबर सेल टीम ने उपनिरीक्षक मीनू गौतम के नेतृत्व में अभियान चलाया।

काठगोदाम में छह घंटे गुल रही बिजली

हल्द्वानी : काठगोदाम क्षेत्र में गुरुवार को जमरानी नहर के पुनर्निर्माण कार्य के तहत उगे पेड़ों का कटान किया गया। इस दौरान सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक बिजली सप्लाई बाधित रही। नहर के पुनर्निर्माण और नए बांध निर्माण के दौरान नहर किनारे खड़े पेड़ों को हटाया गया। खतरा होने के कारण बिजली आपूर्ति बंद रखी गई। इस वजह से गायत्री नगर फीडर से जुड़े उपभोक्ताओं को बिजली कटौती का सामना करना पड़ा। गौलापार क्षेत्र में लाइन मेंटेनेंस के कारण दानीबंगर फीडर से सप्लाई प्रभावित रही। ऊर्जा निगम के ईई प्रदीप कुमार ने बताया कि काम निर्धारित रोस्टर के अनुसार किया गया और उपभोक्ताओं को पहले ही इसकी सूचना दी गई थी। प्रभावित क्षेत्रों में छह घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही।

चौराहे-नुक्कड़, रेल-बस में कांग्रेस का पक्ष मजबूती से रखें

पहली बार हल्द्वानी पहुंची कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश, मिशन-2027 में जुटने का आह्वान

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : कांग्रेस ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए हुंकार भर दी है। पहली बार हल्द्वानी पहुंची प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा ने गुरुवार को स्वराज आश्रम में कार्यकर्ताओं में जोश भरा।

कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा ने कहा कि भाजपा राज में युवा, किसान, महिलाएं और व्यापारी सभी परेशान हैं। रसोई गैस की किल्लत से जनता त्रस्त है। हर जगह भाजपा के खिलाफ माहौल बन रहा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने तक नहीं दिया जाता। देश तानाशाही की ओर बढ़ रहा है, जबकि विपक्ष की आवाज़ ही जनता की आवाज होती है। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से कहा कि चौराहों, नुक्कड़ों, रेल और बस, हर जगह जहां भी राजनीतिक चर्चा हो, वहां कांग्रेस का पक्ष पूरे तर्क के साथ रखें। इस राज्य में अंकिता भंडारी के साथ अन्याय हुआ है। कांग्रेस प्रत्याशियों की जिम्मेदारी अब केवल चुनाव लड़ने तक ही सीमित नहीं रह गई है। उन्होंने चुनाव से पहले हो रही एसआईआर प्रक्रिया पर पूरा ध्यान देने को कहा। कांग्रेस समर्थित लोगों के वोट के अधिकार को निशाना बनाया जा रहा है। पहले 15 लाख का लालच दिया और बाद में बोल दिया कि यह चुनावी जुमला था। साथ ही अब राज्य में धर्म और जाति के नाम पर लोगों को लड़ाया जा रहा है। हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश ने कहा कि सड़क से लेकर हर चौराहे तक कांग्रेस के लिए लड़ाई लड़नी है। कहा कि अगले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत हर हाल में पक्की होगी। इस दौरान गोविंद कुंजवाल, हरीश दुर्गापाल, महेंद्र पाल, प्रकाश जोशी, नारायण पाल, ललित जोशी, लाखन सिंह नेगी, जिलाध्यक्ष राहुल छिम्वाल रहे।

स्वराज आश्रम में प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा का स्वागत करते नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, विधायक सुमित हृदयेश व अन्य।

गुरु रह जाता है गुड़, चेला बन जाता है शक्कर: हरक

पूर्व मंत्री और अपने चुटीले अंदाज के लिए प्रसिद्ध हरक सिंह रावत ने मंच से सबको गुदगुदाया। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के साथ के अपने पुराने संस्मरणों को याद किया। साथ ही उप नेता सदन भुवन कापड़ी के लिए कहा कि इनको राजनीति में आगे बढ़ने के लिए उन्होंने काफी मदद की। तब उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि राजनीति में ऐसा ही होता है कि गुरु केवल गुड़ रह जाता है और चेला, शक्कर हो जाता है।

"आज अमेरिका के राष्ट्रपति हमारे पीएम के लिए कहते हैं कि मैं तुम्हारा राजनीतिक भविष्य बर्बाद कर दूंगा और पीएम चुप रहते हैं जबकि इंदिरा गांधी ने अमेरिका में जाकर वहां के राष्ट्रपति के किए गए अपमान का बदला लिया था और पूरी दुनिया देखती रही। – **गणेश गोदियाल**, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष

"जनता भी कह रही है कि अब बहुत हो चुका है। हमें भाजपा से टकराना है। हमें जनता की आवाज बनना है। आपस में एकता बनाई रखनी है। कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। मेरी विधानसभा क्षेत्र में ही कई लोगों की लगातार मौत हो गई है। – **यशपाल आर्य**, नेता प्रतिपक्ष

"सरकार का कहना है कि सख्त नकल विरोधी कानून बना दिया गया है, इसके बाद भी नकल हो रही है। सरकार नकल रोकने में विफल रही है और युवा बेरोजगारों के साथ लगातार छल किया जा रहा है। – **प्रीतम सिंह**, प्रदेश चुनाव संचालन समिति के अध्यक्ष

"सीएम पुष्कर सिंह धामी अपराधियों को रोजगार दे रहे हैं। हमारे राज्य में महिलाएं सुरक्षित नहीं है। अगर कोई महिला अपनी सुरक्षा के लिए बंदूक का आवेदन करती है तो उसको सरकार लाइसेंस नहीं देगी लेकिन अपराधियों को खुलेआम लाइसेंस दिए जा रहे हैं। – **करन माहरा**, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस

"अग्निवीर का पहला बैच साल 2027 में रिटायर हो जाएगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था कि एक्स अग्निवीर को नौकरी देंगे जबकि देश में 28 लाख एक्स सर्विस मैन रजिस्टर्ड हैं और इनमें से 10 लाख लोगों ने नौकरी के लिए पंजीकरण किया है। जिनमें से केवल 2916 लोगों को नौकरी मिली है और इनमें से भी 85 प्रतिशत लोग केवल सिक्युरिटी गार्ड हैं। – **गुरदीप सिंह सब्बल**, कांग्रेस महासचिव

असंतुष्ट आए लेकिन अंदर नहीं गए

कांग्रेस में दूसरे दलों के नेता को शामिल किए जाने की वजह से पार्टी के कुछ नेता नाराज भी चल रहे हैं। ऐसे ही दो से चार नेता वहां पहुंचे भी लेकिन वह कार्यक्रम के दौरान बाहर ही टहलते रहे। लाखन सिंह नेगी ने हाथ थाम लिया है जो पंक्ति में आगे थे, इसी को लेकर भीमताल के एक नेता अंदर नहीं गए। इसी तरह कांग्रेस के मेयर प्रत्याशी ललित जोशी पहुंचे और वह मंच पर भी बैठे। ललित जोशी, हरीश रावत के नजदीक हैं जो आजकल नाराज चल रहे हैं। बाद में ललित जोशी के समर्थकों ने फेसबुक पर कार्यक्रम के दौरान उनको सम्मान नहीं दिए जाने संबंधी पोस्ट की है।

इंदिरा हृदयेश को हर किसी ने किया याद

कार्यक्रम में हर किसी ने पूर्व कैबिनेट मंत्री इंदिरा हृदयेश को याद किया। वर्तमान में उनके बेटे सुमित हृदयेश हल्द्वानी से विधायक हैं। इस मौके पर कुमारी शैलजा ने कहा कि सुमित का नाम लें तो स्वयं ही स्व. इंदिरा की याद आ जाती है। उत्तराखंड के विकास में उनका बहुत योगदान है। प्रीतम सिंह ने कहा कि उनका संसदीय ज्ञान अद्भुत था और उनसे हम भी बहुत कुछ सीखते थे। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि मैंने प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा को बताया कि सिडकुल में टाटा, अशोक लेलैंड जैसी तमाम कंपनियां हैं और यह सब पूर्व मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी के समय की हैं। तब इंदिरा हृदयेश भी कैबिनेट मंत्री थीं।

अभिभावकों पर विशेष सेलर्स से किताबें खरीदने का दबाव नहीं

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : इंस्पिरेशन स्कूल के प्रबंधक दीपक बल्यूटिया ने अभिभावकों पर निर्धारित बुक सेलर्स से किताबें खरीदने के आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन व शिक्षा विभाग की जांच रिपोर्ट पूरी तरह निराधार हैं, इसकी कोई प्रमाणिकता नहीं है।

प्रबंधक बल्यूटिया ने कहा कि हाईकोर्ट के निर्देशानुसार किताबों की सूची तय की गई है जिसे स्कूल की अधिकारिक वेबसाइट पर सत्र शुरू होने से पूर्व ही अपलोड कर दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तराखंड में प्रकाशित एनसीईआरटी की पुस्तकों का दाम दिल्ली की अपेक्षा दोगुने से ज्यादा है, जो खुद ब खुद किसी घालमेल की ओर इशारा करता है। दिल्ली से छपी एनसीईआरटी की किसी पुस्तक का मूल्य 65 रुपये है तो उत्तराखंड में इससे कहीं ज्यादा है। जो किताबों के दामों में अंतर है, इसका लाभ किसको पहुंचाया जा रहा है। राज्य की स भी किताबों का यह अंतर करोड़ों से ज्यादा का है। इससे राजस्व की हानि के साथ- साथ गलत संदेश जा रहा है। एससीईआरटी ने एनसीईआरटी से सरकारी विद्यालयों के नामांकित विद्यार्थियों में किताबें बंटवाने तथा 25 प्रतिशत मान्यता प्राप्त विद्यालयों में नामांकित विद्यार्थियों की आपूर्ति के लिए प्रकाशन की अनुमति ली गई है। अब ऐसे में सरकार को जवाब देना चाहिए कि क्या राज्य सरकार की ओर से राज्य में प्रकाशित पुस्तकों को निजी स्कूलों की आपूर्ति के लिए खुले बाजार में बिक्री के लिए एनसीईआरटी से अनुमति ली गई है यदि नहीं तो फिर पुस्तकें खुले बाजार में क्यों व कैसे बिक रही हैं। जिला प्रशासन, शिक्षा विभाग जबरन निजी स्कूलों पर इन पुस्तकों को खरीदने का दबाव बनाकर किसे लाभ पहुंचाना चाह रही है, इसकी जांच होनी चाहिए यह गंभीर मसला है।

प्रेस वार्ता में बोलते दीपक बल्यूटिया।

न्यूरोसर्जन डॉ. अभिषेक ने एसटीएच से दिया इस्तीफा

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय अस्पताल में फिर से एक ही न्यूरोसर्जन रह गए हैं। यहां सीनियर न्यूरोसर्जन डॉ. अभिषेक राज ने अपनी सेवाएं छोड़ दी हैं और अब वह मुखानी चौराहा स्थित साईं अस्पताल में अपनी सेवाएं देंगे।

दो माह पूर्व स्वास्थ्य विभाग के न्यूरोसर्जन डॉ. अमित देवल ने नौकरी छोड़ी थी। इसके बाद अस्पताल में न्यूरोर्सन डॉ. अखिलेश जोशी ने ज्वाइनिंग कर ली। तभी पिछले नौ मार्च को डॉ. अभिषेक ने नौकरी छोड़ने के लिए नोटिस दिया था। गुरुवार को उन्होंने नौकरी छोड़ दी है। उनके नौकरी छोड़ने के बाद अब एसटीएच में न्यूरोसर्जरी की ओपीडी सप्ताह में केवल दो दिन मंगलवार और शनिवार को ही होगी और साथ ही ऑपरेशन होने में भी दिक्कत हो जाएगी। स्वयं डॉ. अभिषेक ने बताया कि उन्होंने विधिवत तौर पर एक माह पूर्व नोटिस देने के बाद इस्तीफा दिया है। इधर एमएस डॉ. अरुण जोशी ने बताया कि फिलहाल एसटीएच में एक न्यूरोसर्जन हैं। जैसे ही अन्य न्यूरोसर्जन मिलेंगे, उनकी ज्वानिंग करा दी जाएगी।

लापता छात्रा की खेत में मिली ड्रेस

संवाददाता, लालकुआं

अमृत विचार: राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोटाहल्दू में पढ़ने वाली कक्षा 10 की एक छात्रा लापता हो गई। उसकी स्कूल ड्रेस खेत में झाड़ियों में पड़ी मिली। पुलिस ने क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज भी खंगालना शुरू कर दिया है। साथ ही जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों के अनुसार महावीर औद्योगिक संस्थान, मोटाहल्दू निवासी सतीश उपाध्याय की पुत्री स्कूल की छुट्टी के बाद घर लौट रही थी इस बीच वह अचानक लापता हो गई। उसकी स्कूल ड्रेस वहीं झाड़ियों के बीच मिली। छात्रा के घर नहीं पहुंचने पर परिजनों में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही एसपी सिटी क्राइम डॉ. जगदीश चंद्र, पुलिस क्षेत्राधिकारी हल्द्वानी अमित कुमार सैनी, लालकुआं कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक बृजमोहन सिंह राणा और हल्दूचौड़ पुलिस चौकी प्रभारी शंकर सिंह नयाल दलबल सहित मौके पर पहुंचे और खोज अभियान शुरू कर दिया।

पुलिस ने फोरेंसिक विभाग की टीम और डॉग स्क्वॉड को भी मौके पर बुलाया। डॉग स्क्वॉड ने घटनास्थल से मोटाहल्दू तक जांच की। वहीं, कोतवाली पुलिस क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरों की भी जांच कर रही है। कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक बृजमोहन सिंह राणा ने बताया कि पुलिस, एसओजी, फोरेंसिक विभाग और डॉग स्क्वॉड मिलकर खोज में जुटे हैं। बालिका के घर के मोबाइल की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) भी निकाली जा रही है, ताकि जल्द से जल्द छात्रा को बरामद किया जा सके।

छात्रा की तलाश में जुटे पुलिस अधिकारी व ग्रामीण। ● अमृत विचार

दिक्कत | हल्द्वानी उप कारागार में सबसे अधिक संख्या ऊधमसिंह नगर से स्थानांतरित कैदियों की

कारागार कैदियों से ओवरलोड, जेल की व्यवस्थाएं रहीं डोल

- क्षमता से दोगुने कैदी फिर भी जेल प्रशासन दिखा रहा दरियादिली
- क्षमता 675 और संख्या 1000 पार, सुरक्षा पर सवाल

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: हल्द्वानी स्थित उप कारागार बंदियों और कैदियों की संख्या से ओवरलोड है। यही वजह है कि जेल में अकसर सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े होते हैं। उप कारागार हल्द्वानी में कैदियों की बढ़ती संख्या अब प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बनती जा रही है। जेल अपनी निर्धारित क्षमता से करीब डेढ़ गुना अधिक बंदियों को समेटे हुए है, जिससे व्यवस्थाओं और सुरक्षा पर अतिरिक्त दबाव साफ दिखाई दे रहा है।

हालात यह हैं कि इस असामान्य भार का असर जेल की आंतरिक व्यवस्था पर भी पड़ रहा है। बैरकों में तय सीमा से अधिक कैदी होने के चलते सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो गया है, जिसके लिए पुलिस और जेल प्रशासन को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी पड़ रही है। इतना ही नहीं जेल प्रशासन इन कैदियों को बीमारी से बचाने समेत उनके खाने, सोने की पर्याप्त व्यवस्था बनाने की दरियादिली से पीछे नहीं हट रहा।

दरअसल, जिले के सितारगंज में सेंट्रल जेल है। इसके अलावा कहीं जेल नहीं होने के कारण अपराधियों को हल्द्वानी कारागार भेजा जाता है। इसको देखते हुए किच्छा के रजपुरा गांव में अत्याधुनिक जेल बनाने का फैसला किया गया था। सिंचाई विभाग ने 26 जुलाई 2021 को निर्माण शुरू किया, जिसे बाद में बंद करना पड़ा।

जानकारी के अनुसार, नैनीताल जनपद के लिए निर्मित इस उप कारागार की कुल क्षमता 675 बंदियों की है, लेकिन वर्तमान में यहां डेढ़ हजार कैदी व बंदी रखे गए हैं। इसमें सबसे अधिक संख्या ऊधमसिंह नगर से स्थानांतरित कैदियों की है। बताया जा रहा है कि नैनीताल जनपद के लगभग 256 बंदी यहां निरुद्ध हैं, क्षमता के अनुरूप हैं, लेकिन ऊधमसिंह नगर से आए करीब 800 से अधिक कैदियों के कारण जेल पूरी तरह भर चुकी है। ऊधमसिंह नगर में सितारगंज स्थित केंद्रीय और खुली जेल होने के बावजूद कुमाऊं क्षेत्र में कोई और बड़ी जेल न होने से वहां के बंदियों को हल्द्वानी भेजा जा रहा है। जेल अधीक्षक प्रमोद कुमार का कहना है कि क्षमता से अधिक कैदियों के कारण कुछ दिक्कतें जरूर आती हैं, लेकिन उपलब्ध संसाधनों के भीतर रहते हुए जेल मैनुअल के अनुसार सभी बंदियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

किच्छा के रजपुरा इलाके में बनाई जा थी ये जेल। ● अमृत विचार

30 करोड़ से ज्यादा फूंकने के बाद रोका जेल का काम

हल्द्वानी : किच्छा के रजपुरा गांव में 40 एकड़ जमीन पर 2580 कैदियों और बंदियों के लिए हाईटेक जेल का निर्माण किया जा रहा था, लेकिन शासन के सितंबर 2023 में जेल का निर्माण रोक दिया गया। यह जेल लगभग आधे से अधिक बनकर तैयार हो चुकी थी और इस पर 30 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किया जा चुका था। अधिकारिक रूप से निर्माण कार्य रोके जाने की वजह साफ नहीं की गई, लेकिन इतना तो साफ है कि अगर इस जेल का निर्माण पूरा होता और जेल हैंडओवर कर दी जाती तो कई जेलों का बोझ कम हो जाता।

महिला बैरक में मासूमों की मौजूदगी

हल्द्वानी : जेल में इस समय 38 महिला बंदी हैं, जिनके साथ चार छोटे बच्चे भी रह रहे हैं। ये सभी बच्चे तीन वर्ष से कम आयु के हैं, जिनमें दो बालक और दो बालिकाएं शामिल हैं। दिसंबर माह में एक महिला बंदी ने जेल में ही बच्चे को जन्म दिया था।

झील में कूदे युवक को नाव चालकों ने बचाया

नैनीताल : एक युवक ने नैनी झील में कूदकर जान देने की कोशिश की, लेकिन नाव चालकों की सतर्कता से उसकी जान बचा गई।

पुलिस के अनुसार, मृदुल कृष्ण पांडे (28) निवासी तल्ला गोरखपुर बिना बताए घर से नैनीताल आया था। बताया जा रहा है कि मृदुल को चक्कर आने की समस्या पीड़ित है। सुबह के समय तल्लीताल बोट स्टैंड के पास पहुंचकर उन्होंने अचानक झील में छलांग लगा दी। घटना को देख आसपास मौजूद लोगों और नाव चालकों ने तुरंत युवक को पानी से बाहर निकाला। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और युवक को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया। एएसआई सुनील कुमार ने बताया कि समय रहते स्थानीय लोगों की मदद से युवक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। फिलहाल उसकी हालत स्थिर है और आवश्यक पूछताछ की जा रही है।

बारापत्थर पर चुंगी को लेकर पर्यटकों का हंगामा

संवाददाता, नैनीताल

- पुलिस ने दो पर्यटकों का पुलिस एक्ट में किया चालान

अमृत विचार: बारापत्थर चुंगी पर शुल्क को लेकर पर्यटकों द्वारा अभद्रता करने का मामला सामने आया है। टोल पर तैनात महिला कर्मियों से बदसलूकी कर पर्यटक बिना शुल्क दिए वाहन लेकर फरार हो गए, हालांकि पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए वाहन को पकड़ लिया और दो लोगों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की है।

जानकारी के अनुसार गुरुवार शाम बारापत्थर चुंगी पर पालिका कर्मचारी शुल्क वसूली कर रहे थे। इसी दौरान यूपी नंबर के एक वाहन चालक से शुल्क मांगा गया, जिस पर वह बहस करने लगा। आरोप है कि चालक ने वहां तैनात महिला कर्मियों से अभद्रता की और बैरिकेडिंग हटाकर वाहन लेकर शहर की ओर भाग गया। मौके के पास स्थित पुलिस चौकी से तुरंत वायरलेस पर सूचना प्रसारित की गई। इसके बाद पुलिस ने पुराना घोड़ा स्टैंड के पास बैरिकेडिंग लगाकर वाहन को रोक लिया और पर्यटकों को कोतवाली ले जाया गया।

कोतवाली में पर्यटक नियमों की जानकारी नहीं होने की बात कहते हुए माफी मांगने लगे। इस दौरान पालिका कर्मचारी भी वहां पहुंच गए। बाद में पर्यटकों ने शुल्क का भुगतान किया, जिसके बाद मामला शांत हुआ। एसआई दीपक कार्की ने बताया कि फरीदपुर अमरोहा निवासी प्रदीप चौधरी और चिंटू चौधरी के खिलाफ पुलिस एक्ट में चालानी कार्रवाई की गई है।

अमृत विचार

हल्द्वानी , शुक्रवार,10 अप्रैल 2026 नैनीताल

सिटी ब्रीफ

मल्लीताल क्षेत्र से युवक लापता

नैनीताल : मल्लीताल क्षेत्र से एक युवक के लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों ने युवक की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए पुलिस से गुहार लगाई है। जानकारी के अनुसार, मल्लीताल निवासी द्रौपदी देवी ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उनका पुत्र नरेंद्र कुमार 7 अप्रैल को बिना किसी सूचना के घर से चला गया और देर शाम तक वापस नहीं लौटा। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं लग पाया है। परिजनों के अनुसार, बच्चे की मानसिक रूप से अस्वस्थ है जिससे उनकी चिंता और बढ़ गई है। मां ने पुलिस से युवक की तलाश कर सकुशल बरामदगी की मांग की है। एसआई मो. युनुश ने बताया कि गुमशुदगी दर्ज कर ली गई है।

मजदूरों में मारपीट में तीन के खिलाफ कार्रवाई

नैनीताल। मल्लीताल स्थित डीएसए मैदान में गुरुवार सुबह टहलने के दौरान नेपाली मजदूरों के बीच आपसी विवाद हिंसक हो गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि मामला हाथापाई तक पहुंच गया। मारपीट के दौरान नवीन बहादुर घायल हो गया। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। घटना के बाद घायल की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को कोतवाली लाया। एसआई दीपक कार्की ने बताया कि मामले में अयारपाटा निवासी अर्जुन, जगदीश बहादुर और धामपुर क्षेत्र निवासी नेत्र सिंह के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई है।

भोटिया मार्केट से जैकेट चोरी का वीडियो वायरल

नैनीताल : मल्लीताल स्थित भोटिया मार्केट में युवकों पर जैकेट चोरी करने का आरोप लगा है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। बुधवार देर शाम भोटिया मार्केट में कुछ युवकों पर जैकेट चोरी का आरोप लगा। मौके पर मौजूद लोगों ने एक युवक को पकड़ लिया, जबकि अन्य युवक वहां से फरार हो गए। घटना के दौरान आसपास लोगों की भीड़ जुट गई। किसी ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिसके बाद मामला सुर्खियों में आ गया। हालांकि, अभी तक इस मामले में पुलिस को कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। एसआई मो. यूनुस ने बताया कि मामले में फिलहाल कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। शिकायत मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा आयोजित पांच दिवसीय भगवान शिव कथा में भजनों पर झूमे श्रद्धालु

कथा श्रवण से मिलता है शिव का आशीर्वाद :साध्वी सोमा

संवाददाता, लालकुआं

कथा प्रवचन करती साध्वी सोमा भारती।

लालकुआं में शिव कथा में भजनों पर झूमते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

अमृत विचारः दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा आयोजित पांच दिवसीय भगवान शिव कथा के तीसरे दिन व्यास साध्वी सोमा भारती ने कहा कि 'शिव' नाम ही चराचर जगत का आधार है और इसकी महिमा अपरंपार है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति शिव कथा सुनता है, वह प्रेत योनि में जाने के बाद भी उससे मुक्त हो जाता है। शिव कथा श्रवण करने वाले को भगवान शिव का आशीर्वाद मिलता है।

साध्वी सोमा भारती ने कहा कि भगवान शिव को 'आशुतोष' भी कहा जाता है, जो सभी दुखों को दूर कर भक्तों का कल्याण करते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान शिव का गुणगान ही समस्त जगत के कल्याण का मार्ग है, इसलिए शिव नाम का निरंतर जप करना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम एवं मां भगवती के जीवन चरित्र पर भी प्रकाश डाला और उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने की अपील की। साथ ही युवाओं से नशे की लत से दूर रहने का आह्वान किया और नशा विरोधी अभियान का प्रसंग भी साझा किया। कथा के दौरान बीच-बीच में भजनों की प्रस्तुति से श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। कथा का आयोजन प्रतिदिन शाम साढ़े तीन बजे से लेकर शाम सात बजे तक किया जा रहा है। अंत में महाआरती के साथ प्रसाद वितरण किया गया। इस मौके पर कथा के आयोजक पूर्व चेयरमैन पवन कुमार चौहान एवं समाजसेवी राजकुमार सेतिया ने श्रद्धालुओं से सपरिवार कथा में शामिल होने का आग्रह किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेसी हरेंद्र सिंह बोरा, प्रमोद कालोनी, रवि शंकर तिवारी, कमलेश यादव, नगर कांग्रेस अध्यक्ष भुवन पांडेय, हेमंत पांडेय, वरिष्ठ भाजपा नेता हेमंत नरूला, बीना जोशी, मीना रावत, राजलक्ष्मी पंडित, दीप लोहानी, डॉ. आर.के. सेतिया, नरेश चौधरी, रामपाल शर्मा, नारायण रहे।

सांसद को सोलर लाइट के लिए ज्ञापन देते हुए। ● अमृत विचार

सोलर लाइट के लिए सांसद को ज्ञापन सौंपा

भीमताल : भीमताल विकासखंड के ग्राम सभा पांडे में वन्य जीवों की संख्या बढ़ने से ग्रामीणों में भय का माहौल है। कई स्थानों पर सोलर लाइट की कमी के कारण लोगों को पैदल रास्तों से आने-जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता नितेश बिष्ट ने सोलर लाइट की मांग को लेकर सांसद अजय भट्ट को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान उन्होंने बताया कि ग्रामीण शहर में कारोबार करते हैं और प्रतिदिन की दिनचर्या के लिए शहर आना-जाना करना पड़ता है। शहर से दूर होने के कारण देर भी हो जाती है और जंगल में तेंदुए और बाघ का खतरा बना रहता है। इसी कारण ग्रामीणों ने सोलर लाइट लगाने की जरूरत बताई। सांसद अजय भट्ट ने इस मांग पर सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

एसडीएम ने किताबों की दुकानों पर की छापेमारी

बिना मूल्य अंकन और मोनोग्राम के मिली विद्यालय की पोशाक

संवाददाता, कालाढूंगी

कालाढूंगी में स्टेशनरी की दुकान पर जांच-पड़ताल करते एसडीएम बिपिन चंद्र पंत।

अमृत विचारः डीएम ललित मोहर रयाल के निर्देश पर एसडीएम बिपिन चंद्र पंत ने शिक्षा, पुलिस व राजस्व विभाग की टीम के साथ नगर की स्टेशनरी दुकानों एवं एक निजी स्कूल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान विद्यालयों द्वारा अभिभावकों को निश्चित दुकानों से निजी प्रकाशकों की किताबें खरीदने के लिए बाध्य करने, एनसीईआरटी पुस्तकों की उपलब्धता तथा दुकानदारों द्वारा पक्का बिल न दिए जाने जैसे पहलुओं की जांच की गई।मंगलवार को नगर में प्रशासनिक निरीक्षण के दौरान स्टेशनरी दुकानों में हड़कंप मच गया। एसडीएम पंत व अधिकारियों ने किताबें खरीद रहे अभिभावकों से बातचीत कर जानकारी ली। अभिभावकों ने बताया कि दुकानदार कक्षाओं के अनुसार पैकेट बनाकर बिना रेट लिस्ट के कच्चा बिल थमा रहे हैं। निरीक्षण के दौरान अजंता बुक डिपो में बिना मोनोग्राम के स्कूल ड्रेस पाई गई। भंडारी बुक डिपो तथा आनंद बुक डिपो पर स्कूल के मोनोग्राम वाली ड्रेस उपलब्ध मिली। सुमसन क्लॉथ हाउस पर पांच निजी स्कूलों के मोनोग्राम वाली ड्रेस बिकती पाई गई, लेकिन विद्यालय के नाम से ड्रेस बेचने संबंधी कोई भी दस्तावेज दुकानदार द्वारा प्रस्तुत नहीं किया गया। इसके साथ ही स्कूल ड्रेस पर निर्धारित मूल्य भी अंकित नहीं पाया गया।

कालाढूंगी बंदोबस्ती स्थित कैमरेड्री पब्लिक स्कूल का भी निरीक्षण किया गया। इस स्कूल में एनसीईआरटी के अतिरिक्त कोई अन्य पुस्तक नहीं पाई गई। एसडीएम बिपिन चंद्र पंत ने बताया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। किसी भी अभिभावक की शिकायत मिलने पर संबंधित बुक सेलर या विद्यालय के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान कोतवाल अरुण कुमार सैनी, शिक्षा विभाग से अशोक कुमार सिंह, पूजा सूठा एवं विदुषी रजवार मौजूद रहे।

लापता उपनल कर्मी का शव बरामद हुआ

नैनीतालः नैना वन क्षेत्र से लापता चल रहे उपनल कर्मी दयाल सिंह का शव किलबरी वन विश्राम भवन में संदिग्ध अवस्था में मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगा।

वन विभाग की जानकारी के अनुसार दयाल सिंह किलबरी वन विश्राम भवन में चौकीदार के पद पर तैनात थे। 5 अप्रैल को ड्यूटी के दौरान वह अचानक लापता हो गए थे। काफी तलाशने के बाद भी उनका कोई सुराग नहीं लग पाया। विभागीय कर्मचारियों ने किलबरी और आसपास के वन क्षेत्रों में खोजबीन की, लेकिन सफलता नहीं मिली। मामले को गंभीरता से लेते हुए वन विभाग ने मल्लीताल कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू की थी। इसी बीच किलबरी गेस्ट हाउस में ही उनका शव मिलने की सूचना मिली। एसआई मो. यूनुस ने बताया कि दयाल सिंह का शव वन विभाग के किलबरी गेस्ट हाउस में मृत अवस्था में मिला है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद वन विभाग और पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

ग्राम प्रधान संगठन की बैठक में मौजूद पदाधिकारी। ● अमृत विचार

विकास योजनाओं में भुगतान नहीं होने से ग्राम प्रधान नाराज

संवाददाता, हल्द्वानी/भीमताल

अमृत विचारः जिला प्रधान संगठन की कार्यकारिणी बैठक में विकास योजनाओं के भुगतान में हो रहे विलंब का मुद्दा उठा। साथ ही जर्जर पंचायत भवनों पर नाराजगी जताई गई।

ब्लॉक अध्यक्षों ने कहा कि नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के बावजूद ग्राम पंचायतों में चल रहे विकास कार्यों का भुगतान नहीं हो पा रहा है। जिससे विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। मांग की कि ग्राम पंचायतों के खातों को शीघ्र अपडेट कर भुगतान किया जाए। इसके अलावा, मनरेगा के अंतर्गत श्रमिकों और निर्माण सामग्री का भुगतान लंबित होने का मुद्दा भी उठाया गया। पदाधिकारियों ने कहा कि समय पर भुगतान न होने से श्रमिकों और कार्यदायी संस्थाओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पंचायत भवनों की जर्जर स्थिति पर चिंता जताई गई। बताया जिले के करीब 80 फीसदी पंचायत भवन मरम्मत की स्थिति में हैं। पंचायत भवन की मरम्मत को जिला योजना में 6 लाख रुपये स्वीकृत किए जाएं। जिलाध्यक्ष गोपाल अधिकारी, जेडी कत्यूरा (बेतालघाट), सुरेन्द्र सिंह (कोटाबाग), लक्ष्मण गंगोला (भीमताल), मदन परगाई (ओखलकांडा), नवीन सती (रामनगर) व नंदन बिष्ट (रामगढ़) आदि मौजूद रहे।

भाषण में अनंत बिष्ट ने जीता खिताब

रामनगर : पीरुमदारा क्षेत्र के होनहार छात्र अनंत बिष्ट ने अपनी ओजस्वी वाणी और प्रभावशाली प्रस्तुति के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उन्होंने किसमें कितना है दम सीजन-12 के ग्रांड फिनाले में जीत हासिल कर उत्तराखंड का नाम रोशन किया।

चंडीगढ़ स्थित रयात-बाहरा यूनिवर्सिटी में हुई प्रतियोगिता में अनंत ने सात राज्यों से आए प्रतिभागियों को पीछे छोड़ते हुए खिताब अपने नाम किया। अपने भाषण के दौरान उन्होंने दमदार अंदाज में कहा हम उस देश के वाशिंदे हैं, जहां के युवा अगर कलम उठा सकते हैं, तो देश की सुरक्षा के लिए बंदूक भी उठा सकते हैं, क्योंकि मेरा भारत बदल रहा है। उनकी इस प्रस्तुति ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। शांतिकुंज प्रथम, रोड नंबर-5 निवासी अनंत बिष्ट, त्रिलोक सिंह बिष्ट व नर्मदा बिष्ट के पुत्र हैं। वह सेंट जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल के छात्र हैं। अनंत की इस उपलब्धि से पूरे पीरुमदारा क्षेत्र में खुशी का माहौल है। लोगों ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

चोरगलिया में निर्माणाधीन पुल के निरीक्षण को पहुंचे सांसद अजय भट्ट व अन्य।

सांसद भट्ट ने निर्माणाधीन पुल का किया निरीक्षण

संवाददाता, चोरगलिया

अमृत विचारः सांसद अजय भट्ट ने स्टेट हाईवे पर शेर नाले पर बन रहे निर्माणाधीन पुल का निरीक्षण किया। उन्होंने पुल निर्माण कर रही संस्था और संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्माण दो माह के भीतर काम पूर्ण करने के निर्देश दिए। सांसद ने स्पष्ट किया कि निर्माण में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सांसद ने अधिकारियों को सूर्यनाला पर भी पुल निर्माण कार्य जल्द धरातल पर उतारने के निर्देश दिए। मंडल अध्यक्ष पान सिंह मेवाड़ी ने बाढ़ सुरक्षा के कार्य बरसात से पहले पूर्ण करने और धनराशि स्वीकृत करने की मांग रखी। यहां महापौर गजराज सिंह बिष्ट, पान सिंह मेवाड़ी, एसडीएम प्रमोद कुमार, ईई बबीता सक्सेना, लोनिवि के प्रत्यूष कुमार, डॉ. मुकेश बेलवाल, त्रिलोक नैला, नवीन जोशी, गजेंद्र टम्टा, दीपक चौसली, कमलेश संभल, राहुल पानू, राकेश मेलकानी, योगेश आर्य, भूपेंद्र बिष्ट, हेमू परगांई रहे।

चेकिंग के दौरान पुलिस से अभद्रता, टैक्सी सीज

नैनीतालः मल्लीताल क्षेत्र में चेकिंग के दौरान पुलिस कर्मी से अभद्रता करना एक टैक्सी चालक को महंगा पड़ गया। पुलिस ने वाहन सीज कर चालक के खिलाफ चालानी कार्रवाई की है।

जानकारी के अनुसार, मल्लीताल कोतवाली पुलिस द्वारा कोतवाली के समीप चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान मस्जिद की ओर से आ रहे एक टैक्सी वाहन को पुलिस ने जांच के लिए रोका। वाहन रोकने के बाद पुलिस ने चालक से दस्तावेज दिखाने को कहा, जिस पर वह भड़क गया और एक पुलिस कर्मी से उलझने लगा। आरोप है कि चालक ने पुलिस पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए अभद्र व्यवहार किया और मारपीट की बात करने लगा। पुलिस के समझाने के बावजूद वह शांत नहीं हुआ, जिसके बाद उसे कोतवाली ले जाया गया। एसआई दीपक कार्की ने बताया कि बेतालघाट निवासी चालक ललित मोहन सिंह के खिलाफ चालानी कार्रवाई करते हुए वाहन को सीज कर दिया गया है।

तल्लीताल शराब की दुकान पर एसडीएम ने जांचे दाम

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः तल्लीताल स्थित अंग्रेजी शराब की दुकान पर ओवर रेटिंग की लगातार शिकायतों के बाद प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। बुधवार को एसडीएम नवाजिश खलिक के नेतृत्व में टीम ने दुकान पर छापेमारी की, जिससे दुकान संचालकों में हड़कंप मच गया। जांच के दौरान कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। जिसकी रिपोर्ट डीएम को भेज दी गई है।

जानकारी के अनुसार तल्लीताल मॉलरोड में अंग्रेजी शराब की दुकान में एसडीएम ने अचानक छापेमारी की। इस दौरान एसडीएम को देख दुकान में काम करने वालों में हड़कंप मच गया। इस दौरान दुकान में निर्धारित रेट लिस्ट प्रदर्शित नहीं पाई गई, वहीं स्वाइप मशीन की जांच में भी तय कीमत से अधिक वसूली की पुष्टि हुई। लंबे समय से चल रही इस गड़बड़ी के चलते हजारों पर्यटकों से अतिरिक्त दाम वसूले गए। स्थानीय लोगों और पर्यटकों द्वारा कई बार ओवर रेटिंग की शिकायतें प्रशासन तक पहुंचाई गई थीं, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। एसडीएम ने बताया कि पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर जिलाधिकारी को भेज दी गई है और रिपोर्ट के आधार पर संबंधित दुकान संचालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद अन्य शराब दुकानों में भी खलबली मच गई है।

जांच करते एसडीएम नवाजिश खलिक।

नशे के खिलाफ सड़कों पर उतरे युवा, मैराथन में दिखाया उत्साह

- एनएसयूआई का 56वां स्थापना दिवस उत्साह के साथ संपन्न

संवाददाता, रामनगर

रामनगर में मैराथन में प्रतिभाग करते युवक। ● अमृत विचार

अमृत विचारः भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के 56वें स्थापना दिवस के अवसर पर रामनगर में युवाओं की ऊर्जा और जागरुकता का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। नगर अध्यक्ष चेतन पंत के नेतृत्व में नशे के बढ़ते प्रभाव के खिलाफ जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

नशे को कहें ना, खेल को कहें हाँ संदेश के साथ आयोजित इस मैराथन का उद्देश्य युवाओं को नशे की गर्त से निकालकर खेल, अनुशासन और स्वस्थ जीवनशैली की ओर प्रेरित करना था। दौड़ के दौरान युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था और उन्होंने पूरे जोश के साथ मैराथन दौड़ में प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ कांग्रेस नेता बृजेश अग्रवाल, हेम भट्ट, राज्य आंदोलनकारी प्रभात ध्यानी और प्रणय श्रीवास्तव मौजूद रहे। अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन को रवाना किया और युवाओं का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि युवा ही राष्ट्र की असली ताकत हैं और उनका स्वस्थ व जागरूक रहना देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ यह लड़ाई एक दिन की नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाला अभियान है। कार्यक्रम में एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव अमितपाल सिंह रावत, भारतीय युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव सुमित लोहनी, युवक कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष विकास कुमार, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष अमित कुमार, योगेश सिंह रावत, दीपक सिंह रावत, विजय बिष्ट तथा पूर्व छात्र महासंघ कोषाध्यक्ष (एनएसयूआई) पीयूष रावत सहित कई लोग मौजूद रहे।

नजीर | सरकारी शिक्षक ने पेश की मिसाल, बेटे ने विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में जनपद में मारी बाजी

निजी स्कूल से नाम कटाकर सरकारी में कराया दाखिला

संवाददाता, भीमताल

शिक्षक सत्येंद्र नाथ तिवारी अपने पुत्र सार्थक के साथ।

- 'इंस्पायर अवार्ड' जीतकर बढ़ाया विद्यालय का मान

अमृत विचारः जहां एक ओर सरकारी शिक्षकों पर अपने ही बच्चों को सरकारी स्कूलों में न पढ़ाने के आरोप लगते रहते हैं, वहीं पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज, पतलोट के अर्थशास्त्र प्रवक्ता सत्येंद्र नाथ तिवारी ने इस धारणा को तोड़ते हुए एक प्रेरक उदाहरण पेश किया है। उन्होंने अपने इकलौते पुत्र सार्थक का निजी विद्यालय से नाम कटवाकर अपने ही सरकारी विद्यालय में प्रवेश दिलाया और समाज को सकारात्मक संदेश दिया।

मूल रूप से गाजीपुर (उत्तर प्रदेश) निवासी सत्येंद्र नाथ तिवारी ने सुविधा और प्रतिष्ठा के बजाय विश्वास और मूल्य को प्राथमिकता दी। वे प्रतिदिन अपने पुत्र को साथ लेकर विद्यालय आते-जाते हैं और घर पर भी अन्य बच्चों को अतिरिक्त पढ़ाई कराते हैं, जिससे शिक्षा का माहौल और मजबूत हो रहा है। शिक्षक तिवारी की इस पहल का असर भी साफ दिखाई दे रहा है। उनके पुत्र सार्थक ने कक्षा 6 में ही विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में जनपद स्तर पर प्रथम स्थान हासिल किया है। इसके साथ ही उसने भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित 'इंस्पायर अवार्ड' जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। इससे स्कूल में पढ़ाई का माहौल और अधिक प्रेरणादायक बन गया है।

सत्येंद्र नाथ तिवारी का कहना है कि सरकारी विद्यालयों में योग्य शिक्षक होते हैं, जरूरत सिर्फ समाज की सोच बदलने की है। उनका मानना है कि बच्चों को अपने साथ पढ़ाने से न केवल उनकी बेहतर परवरिश होती है, बल्कि वे अनावश्यक प्रतिस्पर्धा और भागदौड़ से भी दूर रहते हैं। उन्होंने पहाड़ी क्षेत्रों में घटती छात्र संख्या पर चिंता जताते हुए कहा कि यदि हर शिक्षक इस तरह की पहल करे, तो न केवल विद्यालयों में छात्र संख्या बढ़ेगी, बल्कि सरकारी शिक्षा व्यवस्था का सम्मान भी बढ़ेगा।

बच्चीधर्मा में हाथियों ने गेहूं की फसल रौंदी, ग्रामीणों में दहशत

संवाददाता, लालकुआं

- अचानक हाथी को सामने देख दंपती के हाथ-पांव फूले, बमुश्किल बचाई जान

अमृत विचारः निकटवर्ती क्षेत्र बच्चीधर्मा हल्दूचौड़ गांव में बीती रात दो जंगली हाथियों के घुसने से हड़कंप मच गया। इन हाथियों ने पूरे गांव में गेंहू की फसल को रौंदा। अंधेरे में अचानक हाथी के सामने आने से एक दंपती के हाथ-पांव फूल गए। दोनों ने घर की दीवार का सहारा लेकर अपनी जान बचाई।

बच्चीधर्मा में बीती रात लगभग एक बजे दो हाथी खेतों में घुस आए और फसल रौंदनी शुरू कर दी। ग्राम दुम्का बंगर निवासी गोपाल दत्त भट्ट के अनुसार रात को लगभग एक बजे उनके आंगन से तेज आवाज आई। जैसे ही वह और उनकी पत्नी कमरे से बाहर आए तो अंधेरे में हाथी उनके ठीक सामने खड़ा था। अचानक हाथी को देखकर दोनों दंपती के होश उड़ गए। आनन-फानन में उन्होंने घर की दीवार का सहारा लेकर धीरे-धीरे पीछे खिसक अपनी जान बचाई। गोपाल भट्ट ने बताया, अंधेरे में हाथी को देखकर एक बार तो उनको मौत नजर आने लगी थी, लेकिन सौभाग्य से हाथी ने उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचाया। जंगली हाथियों ने गांव में कई ग्रामीणों की फसलों को नुकसान पहुंचाया। पता चला है कि हाथी रेल पटरी के रास्ते गांव में घुसे। मामले की सूचना पर गौला रेंज के वन क्षेत्राधिकारी चंदन सिंह अधिकारी ने कई वनकर्मियों को मौके पर भेजा। उन्होंने नुकसान का जायजा लिया। इस दौरान वन क्षेत्राधिकारी ने बताया कि वन विभाग द्वारा गांव में फेंसिंग कराई गई है, लेकिन ग्रामीणों द्वारा तार-बाड़ की उचित देखभाल नहीं की जा रही, जिसके चलते हाथी गांव में घुस रहे हैं।

फर्जी आय प्रमाण पत्र बनाने पर कारावास

नैनीतालः न्यायिक मजिस्ट्रेट सिविल जज जूनियर डिविजन उर्वशी रावत की कोर्ट ने फर्जी आय प्रमाण पत्र बनाने में बेतालघाट निवासी दीपक गोस्वामी को दोषी करार देते हुए एक वर्ष के कारावास और तीन हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना अदा न करने पर आरोपी को एक माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। अभियोजन पक्ष के अनुसार, एक नाबालिग की ओर से नंदा गौरा योजना के तहत अनुचित लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से अपने पिता के आय प्रमाण पत्र में हेरफेर किया गया। मूल प्रमाण पत्र में पिता की वार्षिक आय 75,000 रुपये को घटाकर 72,000 रुपये कर फर्जी प्रमाण पत्र तैयार कराया गया, ताकि योजना का लाभ लिया जा सके।

सिटी ब्रीफ

मां चार साल के बेटे के साथ लापता

हल्द्वानी : प्रेमपुर लोश्ज्ञानी स्थित श्याम विहार कॉलोनी से एक महिला अपने चार वर्षीय बेटे के साथ लापता हो गई। पति ने मुखानी थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई है। तुषार विश्वास पुत्र आशु विश्वास निवासी श्याम विहार ने बताया कि उनकी पत्नी रीतु विश्वास (24 वर्ष) 28 मार्च की सुबह करीब 10 बजे घर से निकली थी और फिर वह लौटी नहीं। जब वह घर से गई तो तुषार घर पर नहीं थे। थानाध्यक्ष सुशील जोशी ने बताया कि गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू कर दी गई है।

युवती 8 दिन से लापता

हल्द्वानी : नारायण नगर कुसुमखेड़ा निवासी अमर सिंह पुत्र नोनीराम ने पुलिस को बताया कि उनकी पुत्री मिथलेश 5 मार्च की शाम घर से दुकान से सामान लेने की बात कहकर निकली थी, लेकिन इसके बाद वापस घर नहीं लौटी। थानाध्यक्ष सुशील जोशी ने बताया, गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू कर दी गई है।

उत्तराखंड में इन दिनों रामलीला मंचन के माध्यम से भी महिला सशक्तीकरण का संदेश दिया जा रहा है। इस संदेश को और व्यापक बनाने के उद्देश्य से गढ़वाल हो या कुमाऊं क्षेत्र, रामलीला में राम से लेकर रावण हर एक किरदार महिलाएं निभा रही हैं। खास बात है कि यह सभी महिलाएं गृहिणी हैं जो सुबह घर का कामकाज निबटाने के बाद दोपहर से शाम तक मंचन करती हैं। यहां तक कि कई मंच पर तो कई महिलाएं पर्दे के पीछे साज-सज्जा व मंचन की अन्य तैयारियों में अपनी भूमिका निभा रही हैं।

महिला रामलीला के आठवें दिन हुआ लंका दहन व राम सेतु निर्माण का शानदार मंचन

भावना ने सुग्रीव, रंजना ने जामवंत बन लूटी प्रशंसा

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः पुनर्नवा महिला समिति की ओर से पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच, हीरानगर में आयोजित महिला रामलीला के आठवें दिन भव्य मंचन किया गया। इस अवसर पर हनुमान का लंका गमन, सीता-रावण संवाद, लंका दहन एवं राम सेतु निर्माण जैसे महत्वपूर्ण प्रसंगों का प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया, जिसने दर्शकों को भावविभोर किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि गोपाल पाल, मनोज पाठक, नरेंद्र तोलिया व मदन सिंह बिष्ट सहित संस्था के पदाधिकारियों की ओर से दीप प्रज्वलित कर किया गया। मंचन के दौरान ''रघुवर की अंगूठी को लाया हूं मैं'' प्रसंग ने विशेष रूप से दर्शकों का मन मोह लिया। रामलीला में सभी पात्रों की भूमिका महिला कलाकारों द्वारा निभाई गई, जो इस आयोजन की विशेषता रही। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अतिथियों व दर्शकों ने कलाकारों के अभिनय की प्रशंसा करते हुए समिति के इस प्रयास को सांस्कृतिक संरक्षण की दिशा में सराहनीय पहल बताया।

पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच, हीरानगर में आयोजित महिला रामलीला का मंचन।

इन महिला कलाकारों ने निभायी प्रमुख भूमिकाएं

राम की भूमिका में सुप्रभा, लक्ष्मण के रूप में लक्षिता, हनुमान के रूप में ममता, विभीषण के रूप में मेघा, रावण में गीता तथा सीता के रूप में सौम्या ने उत्कृष्ट अभिनय किया। अक्षय कुमार के रूप में अलका टंडन, मेघनाथ के रूप में सुमन, मंदोदरी के रूप में सोना तिवारी, सुग्रीव में भावना, समुद्र के रूप में सौम्या, जामवंत के रूप में रंजना जोशी, बाल हनुमान के रूप में निवेदिता, बाल अंगद के रूप में कनिका तिवारी तथा त्रिजटा के रूप में नीता गुप्ता ने सुंदर प्रस्तुति दी। राक्षस सेना में नीतू, भावना, शीला व तारा, वानर सेना में अक्षिता, मैत्री, मनस्वी और आन्या रहे। जोकर की भूमिका में रितु ने खूब मनोरंजन किया।

श्रीमद देवी भागवत कथा श्रवण करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

देवी भागवत कथा में भक्ति और संगीत का संगम

हल्द्वानी, अमृत विचार : बिठौरिया नंबर-1 स्थित शिवकाली धाम मंदिर में गुरुवार को श्रीमद देवी भागवत कथा का दूसरा दिन संपन्न हुआ। कथा में व्यास कृष्णानंद शास्त्री ने राजा जन्मेजय के सर्प यज्ञ और पितृ मोक्ष के बारे में बताया। मुख्य यजमान सुरेन्द्र सिंह बिष्ट और गौरव बिष्ट रहे। पूजन हरि ओम जोशी, दीप चन्द्र जोशी और धीरज पाण्डे ने किया। संगीत मंडली के मोहित, दीपक, नीरज और रमेश ने भजनों से माहौल को मंत्रमुग्ध किया। इस दौरान मंदिर में दीपक बिष्ट, केसी त्रिपाठी, रमेश चन्द्र पाण्डे, मनोज रावत, ललित तिवारी, रमेश तिवारी, कानू बिष्ट, बंशीधर कफल्टिया, प्रकाश कांडपाल, दीप जोशी, अनिल जोशी, चन्द्र बल्लभ शर्मा, नवीन जोशी, बालम सिंह और पीसी बिष्ट सहित कई लोग मौजूद रहे।

65 वर्ष पुराना आयकर अधिनियम-1961 हुआ विदा

नए वित्तीय वर्ष एक अप्रैल से लागू होगा नया आयकर अधिनियम-2025, इसमें नहीं होगी धारा 80-डी और 80-सी

- एक अप्रैल के बाद सभी लेन-देन पर नये अधिनियम से होंगे मान्य
- नये अधिनियम में धाराओं की संख्या कम होने की चर्चा

अंकुर शर्मा, हल्द्वानी

अमृत विचार : आखिरकार देश का 65 वर्ष पुराना आयकर अधिनियम-1961 अलविदा हो गया है। अब देश में आयकर अधिनियम-2025 लागू हो गया है। यह प्रावधान एक अप्रैल 2026 से लागू हो गया है। अब सभी करदाताओं पर इस तिथि के बाद सभी लेन-देन पर नया आयकर अधिनियम ही मान्य होगा।

आयकर पेशेवरों के मुताबिक, 1 अप्रैल 2026 से लागू हुआ नया आयकर अधिनियम वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रभावी होगा। हालांकि अभी वित्तीय वर्ष 2025-26 यानी 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक पुराना आयकर अधिनियम-1961 ही प्रभावी माना जाएगा। पेशेवरों की मानें तो नए अधिनियम में पुराने अधिनियम की अपेक्षा धाराओं की संख्या 700 से घटाकर 536 की गई है। इसी के साथ ही नए अधिनियम में सभी खंडों को क्रमानुसार क्रमांकित किया है। साथ ही किसी भी अनुभाग संख्या में अक्षरों का उपयोग नहीं किया गया है। जैसे पुराने अधिनियम में धारा 80-डी, 80-सी आदि अंकित होता है जो कि नए अधिनियम में नहीं होगा।

नए अधिनियम में अनावश्यक प्रावधानों को हटा दिया गया है। इसके अलावा पुराने अधिनियम में पूर्व वर्ष व कर निर्धारण वर्ष का प्रावधान था, जिसमें आय अर्जित की जाती है, उसको पूर्व वर्ष कहते हैं जबकि निर्धारण वर्ष वह वर्ष है जिसमें आय पर कर लगाया जाता है। पिछले वर्ष में अर्जित आय के लिए मूल्यांकन वर्ष में आय विवरण दाखिल करना आवश्यक है। इन संदर्भों ने कर प्रावधानों के लागू होने की अवधि निर्धारित करने में जटिलताएं और चुनौतियां पैदा कर दीं इसलिए, नए अधिनियम में कर वर्ष की अवधारणा को शामिल किया गया है। सामान्य तौर पर, कर वर्ष 1 अप्रैल से 31 मार्च तक का वित्तीय वर्ष होता है।

एआई जनित प्रतीकात्मक फोटो।

सूची

विवरण	1961 अधिनियम	2025 अधिनियम
अनुभागों की संख्या	700 से ज्यादा	536
अध्यायों की संख्या	23	23
अनुसूचियों की संख्या	14	16
विषयवस्तु - पृष्ठों में	823	622

ये हैं विशेषताएं

- नए आयकर अधिनियम में नई कर व्यवस्था से बाहर निकलने का विकल्प भी उपलब्ध कराया गया है। नई व्यवस्था अभी भी डिफॉल्ट कर व्यवस्था है।
- वर्तमान अधिनियम में टीडीएस की सभी धाराओं (192 से 194 टी) को अब एक ही धारा-393 में निहीत कर दिया है।

डिजिटल परिसंपत्तियों, आय और लेन-देन का समावेश

हल्द्वानी : नोटबंदी और कोविड-19 महामारी के बाद डिजिटल लेनदेन में हैरानीजनक वृद्धि हुई है। परिणामस्वरूप डिजिटल संपत्तियों और ऑनलाइन अर्जित आय में वृद्धि हुई है। इसी को देखते हुए डिजिटल आय और संपत्तियों को शामिल किया गया है ताकि कराधान में डिजिटल आय और संपत्तियों पर भी विचार हो सके।

केंद्र की ओर से नया इनकम टैक्स एक्ट-2025 लाया गया है लेकिन वर्तमान टैक्स फाइलिंग पर इसका तुरंत कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। यानी जो भी आय 31 मार्च 2026 तक हुई है उस पर पुराना और 1 अप्रैल 2026 से होने वाली आय पर नया अधिनियम लागू होगा। हालांकि जब करदाता जुलाई-2026 में आयकर रिटर्न दाखिल करेंगे, तो उन्हें पुराने नियमों और पुरानी धाराओं के हिसाब से ही अपना हिसाब देना होगा। उन्हें नए कानून की पेचीदगियों से घबराने की जरूरत नहीं है। **- मजहर अली**, आयकर अधिवक्ता

1 अप्रैल 2026 को लगभग 65 वर्ष पुराना आयकर एक्ट-1961 विदा हो गया है, अब आयकर एक्ट-2025 पूरी तरह लागू हो गया है। इस बदलाव में सबसे बड़ा भ्रम नौकरीपेशा लोगों को है, जिनकी मार्च माह का वेतन 31 मार्च के बजाय 1 अप्रैल को आया है। यदि 1 अप्रैल को वेतन आया है तो नया एक्ट लागू होगा वहीं 31 मार्च को वेतन मिलने पर पुराना ही नियम मान्य माना जाएगा।
-अमन साह, सीए

20 से अधिक टैंकर तैनात जीपीएस से होगी निगरानी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : शहर में बढ़ती गर्मी और जल संकट को देखते हुए जल संस्थान ने इस बार पहले से ही व्यापक तैयारी शुरू कर दी है। जल संस्थान ने 20 से अधिक पानी के टैंकर तैनात किए गए हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर शहर के विभिन्न इलाकों में तुरंत पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इनमें से 10 से अधिक टैंकर जल संस्थान के अपने हैं, जबकि 10 से ज्यादा टैंकर निजी स्तर पर भी लगाए गए हैं। इससे शहर में पानी की सप्लाई व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया गया है।

इस बार खास बात यह है कि सभी टैंकरों में जीपीएस सिस्टम लगाया गया है। इसके जरिए जल संस्थान के कर्मचारी कार्यालय से ही टैंकरों की लोकेशन पर नजर रख सकेंगे। इससे टैंकरों की निगरानी आसान होगी और जरूरत वाले क्षेत्रों में समय पर पानी पहुंचाया जा सकेगा।

जल संस्थान के ईई आरस लोशाली ने बताया कि गर्मी के मौसम में किसी भी क्षेत्र में पानी की कमी न हो, इसके लिए यह व्यवस्था की गई है। आवश्यकता पड़ने पर टैंकरों की संख्या और बढ़ाई भी जाएगी।

आखिरी छोर वाले घरों क्षेत्रों में होता है प्रेशर कम

गर्मी बढ़ने के साथ-साथ जलस्तर कम होने से बैराज से मिलने वाले पानी का प्रेशर भी कम हो जाता है जिससे शहर के आखिरी छोर वाले घरों व ऊंचाई पर स्थित घरों में पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पाता है। दमुवाढूंगा, बजूनियाहल्दू, गौजाजाली, तल्ली हल्द्वानी, इंद्रानगर, राजपुरा आदि क्षेत्रों में पानी की सबसे अधिक दिक्कत होती है।

गर्मी के मौसम को देखते हुए पहले से ही सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। 20 से अधिक टैंकर तैनात किए गए हैं और सभी में जीपीएस सिस्टम लगाया गया है, जिससे उनकी लगातार निगरानी की जा सके। उन्होंने कहा कि जहां भी पानी की कमी की सूचना मिलेगी, वहां तुरंत टैंकर भेजकर आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। जरूरत पड़ने पर टैंकरों की संख्या और बढ़ाई जाएगी, ताकि शहर में कहीं भी पानी की समस्या न हो।
-आरस लोशाली, ईई जल संस्थान

शिविर में मेधावियों को दिए प्रशस्ति पत्र

हल्द्वानी : वैश्य महिला समिति की ओर से हुए बहुउद्देशीय निशुल्क शिविर का समापन व प्रशस्ति पत्र वितरण समारोह गुरुवार को संपन्न हुआ। रामपुर रोड स्थित सावित्री कॉलोनी में हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रेनू अधिकारी अध्यक्ष, राज्य महिला उद्यमिता परिषद ने बच्चों को प्रमाण पत्र प्रदान किए।

अध्यक्ष रामबाबू जायसवाल ने समिति के सामाजिक प्रयासों की सराहना की। शिविर में प्रियंका वार्ष्णेय व पूजा गुप्ता ने मेहंदी, रश्मि गुप्ता ने ऐपण और खुशबू गुप्ता ने मेकअप की बारीकियां सिखाईं। प्रतियोगिता के परिणामों में जूनियर मेहंदी में कल्पना कुमारी प्रथम रहीं। सीनियर मेहंदी में अंजलि गुप्ता पहले, काव्य गुप्ता दूसरे व अंशिका वार्ष्णेय तीसरे स्थान पर रहीं। ऐपण में वंशिका वार्ष्णेय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि नैंसी, परिधि व सृष्टि भी पुरस्कृत हुई।

समिति की अध्यक्ष मंजू वार्ष्णेय, महामंत्री स्नेहलता गुप्ता व कोषाध्यक्ष मनोरमा खंडेलवाल ने सभी का आभार जताया। इस दौरान महामंत्री तनुज गुप्ता, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र अग्रवाल, अतुल जायसवाल, कपिल अग्रहरि, सहित सोनी, अन्नपूर्णा, ज्योति, कमलेश और संगीता गुप्ता मौजूद रहे।

जीत के बाद हरिद्वार और चंपावत टीम के खिलाड़ी। ● अमृत विचार

चंपावत ने बागेश्वर को 104 रनों से हराया

हल्द्वानी, अमृत विचार : नैनीताल क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से आयोजित सीनियर पुरुष वर्ग की अंतर जिला क्रिकेट लीग में आज दो रोमांचक मुकाबले खेले गए। पहला मैच जीएनजी क्रिकेट अरेना में हरिद्वार और टिहरी के बीच हुआ। खराब आउटफील्ड के कारण खेल देरी से शुरू हुआ और 25-25 ओवर का मुकाबला खेला गया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टिहरी ने 25 ओवर में 7 विकेट खोकर 169 रन बनाए। हरिद्वार ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 25वें ओवर में 7 विकेट खोकर 173 रन बनाकर 3 विकेट से जीत दर्ज की। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार आयुष चौहान को मिला। दूसरा मुकाबला एमएस क्रिकेट ग्राउंड में बागेश्वर और चंपावत के बीच खेला गया। गेंदबाजी करने उतरी बागेश्वर के सामने चंपावत ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 191 रन बनाए। हर्ष राणा ने 84, शितिज रावत ने 30 और विजय जेठी ने 25 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बागेश्वर की टीम ने 19वें ओवर में 87 रन पर ऑल आउट हो गई, जिससे चंपावत ने 104 रनों से जीत दर्ज की। मैन ऑफ द मैच हर्षित पालीवाल रहे। अंपायर की भूमिका राहुल गुप्ता, शेनावाज, रजत धीमान और अमित कुमार ने निभाई, जबकि स्कोरर सचिन, हेमंत और मनीष रहे।

मालिक की स्कूटी से तस्करी, कर्मी गिरफ्तार

हल्द्वानी : पुलिस के अनुसार, 8 अप्रैल को एसआई वीरेंद्र चंद टीम के साथ गश्त पर थे। गैस गोदाम रोड से सेंट्रल अस्पताल की ओर जाते समय सिटी मार्ट के पास एक युवक सफेद स्कूटी पर दिखाई दिया। रुकने का इशारा करने पर युवक नहीं रुका। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे रोक लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम हरीश सिंह (24 वर्ष) निवासी लबाड़ डोबा, थाना खन्स्यू और हाल निवासी रामपुर रोड, हल्द्वानी बताया। तलाशी लेने पर स्कूटी में रखी पेटियों से 192 टेट्रा पैक देसी शराब बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह रामपुर रोड स्थित एक बार में काम करता है और यह स्कूटी बार मालिक की है। बरामद शराब को वह कुसुमखेड़ा पहुंचाने जा रहा था। मुखानी थानाध्यक्ष सुशील जोशी ने बताया कि आरोपी कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया गया है।

टांडा जंगल में एई से लूट, बदमाश फरार

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : टांडा जंगल में बुधवार रात सनसनीखेज वारदात सामने आई, जहां पेयजल निगम के एक सहायक अभियंता को कार सवार बदमाशों ने घेरकर बुरी तरह पीटा और सोने की चेन लूटकर फरार हो गए। घायल सहायक अभियंता को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मूल रूप से बागेश्वर निवासी और वर्तमान में रामपुर रोड, हल्द्वानी में रहने वाले उमेश जोशी, जो पेयजल निगम में सहायक अभियंता के पद पर रुद्रपुर में तैनात हैं, रोजाना की तरह ड्यूटी के बाद अपनी ऑल्टो कार से घर लौट रहे थे। रात करीब साढ़े 9 बजे टांडा जंगल क्षेत्र में अचानक दो कारों में सवार बदमाशों ने पहले पीछे से टक्कर मारकर कार को रोका, आगे-पीछे गाड़ियां लगाकर घेर लिया। 8-10 युवकों ने उमेश जोशी से मारपीट की, मोबाइल फोन भी तोड़ दिया और गले से करीब दो तोले की सोने की चेन लूट ली। घटना के दौरान किसी तरह घायल अभियंता ने अपनी पत्नी को फोन कर जानकारी दी। सूचना मिलते ही उनकी पत्नी और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। टीपी नगर चौकी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए एक स्कॉर्पियो वाहन सहित एक संदिग्ध युवक को हिरासत में ले लिया है। घायल अभियंता की पत्नी लता जोशी ने आरोपियों के खिलाफ कोतवाली में तहरीर दी है। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि पकड़े गए आरोपी से पूछताछ कर अन्य की पहचान की जा रही है।

बिड़ला स्कूल का स्थापना दिवस मनाया

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः आर्यमान विक्रम बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ लर्निंग, हल्द्वानी में 23 वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित विशेष प्रार्थना सभा में विद्यालय परिसर सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रेरणादायक प्रस्तुतियों से गूंज उठा।

कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तराखंड की पारंपरिक लोक धरोहर 'मंगल गीत' से हुआ, जिसने वातावरण को भक्तिमय और उल्लासपूर्ण बना दिया। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने 'बसंत के रंग' शीर्षक से मनमोहक नृत्य प्रस्तुति दी, जिसमें ऋतु परिवर्तन की सुंदरता और उल्लास को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम की विशेष प्रस्तुति नुक्कड़ नाटक 'इंटरनेट हमारे लिए, हम इंटरनेट के लिए नहीं' रही। इस नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने डिजिटल युग में संतुलित और विवेकपूर्ण उपयोग का संदेश प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रवेश मेहरा ने सभी को बधाई देते हुए अपने संबोधन में संस्थान की स्थापना में योगदान देने वाले महान व्यक्तित्वों—स्वर्गीय मंजू श्री खेतान, बीके बिड़ला, सरला बिड़ला एवं अन्य सभी संस्थापक सदस्यों के योगदान को स्मरण किया। उन्होंने विद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों की देश-विदेश में उल्लेखनीय उपलब्धियों की सराहना करते हुए वर्तमान विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे भी संस्थान के मूल्यों को अपनाकर उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करें। उप प्रधानाचार्य प्रकाश कुमार समेत सभी शिक्षक रहे।

स्थापना दिवस पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करते विद्यार्थी। ● अमृत विचार

डिजिटल क्राइम

साइबर ठगी के तेजी से बढ़ते मामलों के बीच भारी पड़ सकती है लापरवाही, मोबाइल पर आयी एपीके फाइल को डाउनलोड करने से पहले सौ बार सोचें

छोटी सी लापरवाही पड़ेगी भारी, माल भी जाएगा और राज भी

सर्वेश तिवारी, हल्द्वानी

अमृत विचार : डिजिटल दुनिया में सबसे बड़ा राजदार हमारा ही मोबाइल फोन है। मोबाइल में इतने राज कैद होते हैं, जिन्हें कैद करने की स्वतंत्रता हमने ही दी। जेब में रुपए भले न हों, लेकिन अगर जेब में मोबाइल है तो लेनदेन की चिंता भी नहीं रहती। ऐसे में अगर आपने अपने मोबाइल पर मजबूत लॉक नहीं लगाया है तो गोपनीयता और जमा पूंजी हमेशा खतरे में रहती है।

हाल में कुछ ऐसे मामले भी देखने को मिले, जिसमें जेब से मोबाइल गिरने के बाद बैंक खाता पल भर में खाली हो गया। अब सबसे अहम बात ये कि अगर आपके मोबाइल फोन पर कोई एपीके फाइल आती है तो उसे डाउनलोड करने से पहले सौ बार सोचें। अभी कुछ दिन पहले हल्द्वानी बस अड्डे के पास एक व्यक्ति को भूखों को खाना खिलाना भारी पड़ गया। खाना खाने के बाद शातिर युवक मददगार का मोबाइल लेकर भाग गए और कुछ ही देर बाद बैंक खाते से 45 हजार रुपए साफ हो गए। ऐसा इसलिए हुआ कि मददगार ने अपने मोबाइल फोन पर लॉक नहीं लगाया था। हालांकि बाद में पुलिस ने शातिरों को गिरफ्तार कर लिया। इसी से मिलता-जुलता एक मामला काठगोदाम से सामने आया था। चौफुला निवासी राजेंद्र कुमार पेशे से ठेकेदार हैं। छह फरवरी को उनका मोबाइल कहीं गुम हो गया। उन्हें मोबाइल गुम होने का पता लगा तो काफी देर हो चुकी थी। मोबाइल में आधार कार्ड, बैंक खाता और पैन कार्ड की डिटेल्स थी। कुछ दिन बाद जब वह बैंक पहुंचे तो उन्हें छह से 11 फरवरी तक के बीच में विभिन्न ट्रांजेक्शन के जरिए खाते से 7 लाख रुपये निकलने की जानकारी मिली।

मोबाइल को सुरक्षित रखने के लिए क्या करें?

- मोबाइल में मौजूद हर अकाउंट के लिए अलग और मजबूत पासवर्ड रखें
- समय-समय पर पासवर्ड बदलते रहें
- टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन का उपयोग करें
- कभी भी व्हाट्सएप, टेलीग्राम से एपीके डाउनलोड न करें
- अननोन सोर्स से ऐप इंस्टॉल न करें
- केवल गूगल प्ले स्टोर से ही ऐप डाउनलोड करें
- किसी भी ऐप को बिना सोचे-समझे परमिशन न दें
- ओटीपी, पिन, पासवर्ड किसी से शेयर न करें
- फोन में एंटीवायरस या प्ले प्रोटेक्ट ऑन रखें

एपीके फाइल क्या है और इससे कैसे हो रही है ठगी?

एपीके यानी एंड्राइड पैकेज किट एक फाइल फॉर्मेट है, जिसका इस्तेमाल एंड्राइड में ऐप्स को इंस्टॉल करने के लिए किया जाता है। जैसे कंप्यूटर में .exe फाइल होती है, वैसे ही मोबाइल में .apk फाइल होती है। गूगल प्ले स्टोर से जब आप ऐप डाउनलोड करते हैं, तो असल में एपीके ही इंस्टॉल होती है, लेकिन एपीके को बाहरी वेबसाइट, व्हाट्सएप, टेलीग्राम या लिंक के जरिए भी डाउनलोड किया जा सकता है। यही जगह ज्यादा खतरनाक होती है। अपराधी फर्जी एपीके फाइल बनाकर लोगों को ठग रहे हैं। ठग बैंक, कोरियर, बिजली बिल या सरकारी योजना के नाम पर एपीके भेजते हैं। जैसे वॉर अपडेट, केवाईसी अपडेट करें, पार्सल अटका है, बिजली कट जाएगी आदि।

तुरंत किए जाने वाले उपाय

- साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर तुरंत कॉल करके फ्रॉड की सूचना दें।
- अपने बैंक को कॉल करके सभी बैंकिंग ऐप्स, यूपीआई और नेट बैंकिंग को ब्लॉक कराएं।
- टेलीकॉम ऑपरेटर को कॉल करके सिम कार्ड ब्लॉक कराएं ताकि ओटीपी न आए।
- नजदीकी पुलिस स्टेशन या ऑनलाइन पोर्टल पर चोरी/गुम होने की रिपोर्ट दर्ज कराएं।

मां की अंगुली तोड़ी, बेटे को गिरा-गिरा कर पीटा

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : टीपीनगर में बेटे के साथ रहने वाली एक महिला के घर कुछ दबंग जबरन घुस गए। दबंगों ने बुरी तरह मारपीट की।

देवलचौड़ खाम में महर्षि स्कूल के पास रहने वाली गीता पंत पत्नी एनबी पंत ने पुलिस को बताया कि वह यहां अपने बड़े बेटे नितिन के साथ रहती है। बीती 24 फरवरी की रात करीब साढ़े 9 बजे गिरीश पांडे, कीर्ति पांडे, कृष्णा कांडपाल, हिमांशु जोशी, मोनिका जोशी सहित कुछ अन्य लोग जबरन उनके घर में घुस आए। सभी ने गीता पंत और उनके बड़े बेटे नितिन के साथ गाली-गलौच करते हुए अभद्र भाषा का प्रयोग किया और जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद आरोपियों ने दोनों के साथ मारपीट शुरू कर दी। पीड़िता के अनुसार, मारपीट के दौरान गिरीश पांडे ने उनके बाएं हाथ की छोटी उंगली को तोड़ डाला। अंगुली का मांस भी फट गया। जबकि बेटे नितिन को जमीन पर गिराकर लात-घूसों से बुरी तरह पीटा। मौका मिलते ही पीड़ित ने इसकी सूचना 112 पर दी गई, लेकिन पुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले ही आरोपी फरार हो गए। घायल अवस्था में पीड़िता ने उसी रात एसटीएच में भर्ती कराया। कोतवाल विजय कुमार मेहता ने बताया कि तहरीर के आधार पर सभी आरोपियों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

असलहों के जखीरे के साथ दो तस्कर दबोचे

एसओजी और पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई, कार से 5 अवैध असलहे, 222 कारतूस और 129 खोखे बरामद किए

संवाददाता, रुद्रपुर/सितारगंज

अमृत विचार: वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अजय गणपति के निर्देशन में सितारगंज पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने अवैध हथियारों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एक अंतरराज्यीय गिरोह पर 'सर्जिकल स्ट्राइक' करते हुए दो शातिर तस्करों को दबोच लिया। इनके कब्जे से 5 अवैध असलहे, 222 कारतूस और 129 खोखे बरामद हुए हैं।

पुलिस को 8 अप्रैल को मुखबिर से सूचना मिली थी कि सिडकुल क्षेत्र में बिना नंबर प्लेट की एक कार में संदिग्ध युवक भारी मात्रा में हथियार लेकर गुजरने वाले हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीओ बीएस धौनी और कोतवाल सुंदरम शर्मा के नेतृत्व में टीम ने सिडकुल फेज-2 के पास घेराबंदी की। संदिग्ध कार के पहुंचते ही पुलिस ने उसे रोक लिया और मौके से हरेंद्र सिंह उर्फ हनी (निवासी बिरिया फार्म) व निखिल वर्मा उर्फ रानू (निवासी केशव नगर) को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने चौंकाने वाला खुलासा किया। उन्होंने बताया कि पुलिस की बढ़ती सक्रियता और पूर्व में घर पर हुई दबिश से वे घबरा गए थे। इसी डर से वे इन हथियारों और कारतूसों को सुरक्षित ठिकाने पर पहुंचाने के लिए चोरगलिया के जंगलों में छिपाने जा रहे थे, लेकिन उससे पहले ही पुलिस के हत्थे चढ़ गए। एसएसपी अजय गणपति ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया है। पुलिस अब इस बात की गहनता से तफ्तीश कर रही है कि हथियारों की यह बड़ी खेप कहां से लाई गई थी और इसका इस्तेमाल किन वारदातों को अंजाम देने के लिए होना था। इस सफल ऑपरेशन में एसपी क्राइम जितेंद्र चौधरी और पूरी एसओजी टीम की मुख्य भूमिका रही। एसएसपी ने स्पष्ट किया कि ऊधमसिंह नगर पुलिस अब जम्मू-कश्मीर और दिल्ली पुलिस के साथ निरंतर संपर्क में है। इस मामले के तार राष्ट्र विरोधी गतिविधियों से जुड़ने के कारण अब दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने भी जांच शुरू कर दी है।

सितारगंज में अवैध हथियारों के मामले का खुलासा करते एसएसपी अजय गणपति।

आतंकी संगठन 'अल बदर' का ओजीडब्ल्यू शामिल

पड़ताल में सामने आया है कि रेहान मीर (निवासी : टुलरन सोफिया, जम्मू-कश्मीर) इस नेटवर्क का मुख्य मोहरा है। रेहान प्रतिबंधित आतंकी संगठन 'अल बदर' का ओवर ग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) है। वह लगातार सितारगंज निवासी अभियुक्त 'हनी' के खाते में पैसे ट्रांसफर कर रहा था।

आतंकी संगठनों से जुड़े हैं आरोपियों के तार

- 'अल बदर' से निकले दोनों आरोपियों के संबंध
- ऊधमसिंह नगर पुलिस ने किया बड़ा खुलासा

संवाददाता, रुद्रपुर/सितारगंज

अमृत विचार: एसएसपी अजय गणपति के कुशल निर्देशन में सितारगंज पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम को एक ऐसी सफलता हाथ लगी है, जिसने सुरक्षा एजेंसियों के होश उड़ा दिए हैं। अवैध हथियारों के साथ पकड़े गए अभियुक्तों की जब तकनीकी जांच और बैंक खातों को खंगाला गया, तो इसके तार सीधे प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन 'अल बदर' से जुड़े पाए गए हैं।

पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त के मोबाइल और बैंक खातों की गहनता से पड़ताल की गई। जांच में पाया गया कि अभियुक्त के खाते से जम्मू-कश्मीर के विभिन्न संदिग्ध बैंक खातों में भारी लेनदेन किया जा रहा है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए जब जम्मू-कश्मीर पुलिस से तालमेल बैठाया गया, तो एक खतरनाक नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ।

हथियार सप्लाई की जांच में जुटी दिल्ली स्पेशल सेल

इस पूरे मामले में अब दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने भी मोर्चा संभाल लिया है। दिल्ली में इस संबंध में अभियोग पंजीकृत किया जा चुका है। अब इस बात की विस्तृत जांच की जा रही है कि रेहान मीर द्वारा हनी के खाते में जो बड़ी धनराशि भेजी गई थी, क्या उसके बदले में यहां से आतंकी नेटवर्क को हथियारों की सप्लाई की गई थी?

अग्रिम कार्रवाई जारी

एसएसपी अजय गणपति ने बताया कि राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में संलिप्त किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा। ऊधमसिंह नगर पुलिस अब जम्मू-कश्मीर और दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर इस नेटवर्क के हर सदस्य तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। जल्द ही इस मामले में कुछ और गिरफ्तारियां और बड़े खुलासे होने की संभावना है।

दिहाड़ी मांगने पर किया लहूलुहान

रुद्रपुर, अमृत विचार: थाना ट्रांजिट कैंप इलाके में एक मजदूर को अपनी दिहाड़ी मांगना महंगा पड़ गया। आवेश में आए ठेकेदार के बेटे ने मजदूर से अभद्रता की और खंभे पर सिर पटक कर लहूलुहान कर दिया। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार संजय नगर खेड़ा की रहने वाली आरती मंडल ने बताया कि डेढ़ माह पहले उनके बेटे रोहित मंडल ने ठेकेदार भरत अधिकारी के अधीन दिहाड़ी मजदूरी की थी और दो हजार रुपये परिश्रम लेना था। कई बार तगादा करने पर ठेकेदार टालमटोल करने लगा। आठ अप्रैल की सुबह साढ़े आठ बजे पति गणेश मंडल ठेकेदार के घर ग या। तो ठेकेदार के बेटे सूरज अधिकारी ने धक्का देकर बाहर निकाल दिया। थोड़ी देर बाद ठेकेदार भरत अधिकारी, उसके बेटे सूरज अधिकारी और शिवम अधिकारी ने पति को घेर लिया और हाथापाई करनी शुरू कर दी। इस दौरान बिजली के खंभे पर पति का सिर पटक कर लहूलुहान कर दिया। आनन फानन में जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने बताया कि पति के कान का पर्दा फट गया है और सिर में गंभीर चोट भी आई है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एक दिन की बारिश से रिंग रोड हुई क्षतिग्रस्त

ध्वस्त रिंग रोड का निरीक्षण करते पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल। ● अमृत विचार

- सोशल मीडिया में वीडियो वायरल होने के बाद पहुंचे पूर्व विधायक ठुकराल, भ्रष्टाचार का आरोप

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: तराई में विगत दिवस हुई बारिश से रिंग रोड के क्षतिग्रस्त होने का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद पूर्व विधायक व कांग्रेस नेता राजकुमार ठुकराल रिंग रोड का भ्रमण करते हुए दिख रहे हैं। साथ ही आरोप लगा रहे हैं कि रिंग रोड भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है।

गुरुवार की सायं बिलासपुर के पास कौशलगंज के स्थानीय निवासी गुरजीत गोठिया ने उनके खेत में रिंक की मिट्टी बहकर उनके खेत में जाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया। इसके बाद पूर्व विधायक व कांग्रेस नेता ठुकराल ने कौशलगंज पहुंचे और रिंग रोड का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 में उनके विधायक रहते इस रिंग रोड का नोटिफिकेशन हुआ है।

उन्होंने आरोप लगाया कि उद्घाटन की लालसा में नेताओं और ठेकेदार ने इसे भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया। उन्होंने कहा कि रिंग पूरी तरीके से ध्वस्त हुआ है। रिंग रोड की सपोर्ट बह गयी है और प्लेटों में दरार आ गयी है। उन्होंने आरोप लगाया कि अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए इस जमीन पर मिट्टी डाल दी गयी है ताकि वहां से भारी वाहन न गुजर सकें। उन्होंने कहा कि इसको लेकर अधिकारियों से भी मिलेंगे। यहां बता दें विगत दिनों इस रिंग रोड का सांसद अजय भट्ट, विधायक शिव अरोरा और महापौर विकास शर्मा ने निरीक्षण किया था।

60 महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण

- नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया

संवाददाता, पंतनगर

अमृत विचार: जीबी पंत विश्वविद्यालय के महिला क्लब पंतनगर की ओर से विश्वविद्यालय परिसर स्थित लैंबर्ट स्क्वायर अतिथि गृह में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन हुआ। इस दौरान विश्वविद्यालय फार्म एवं गार्डन सेक्शन की 45 श्रमिक महिलाओं और विभिन्न संकायों की 15 महिलाओं सहित कुल 60 महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

गुरुवार को कार्यक्रम का आयोजन महिला क्लब पंतनगर की अध्यक्ष वीना चौहान के नेतृत्व में किया गया। शिविर में विश्वविद्यालय चिकित्सालय के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ.दुर्गेश यादव और उनकी टीम मौजूद रही। इस दौरान महिलाओं का ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, मधुमेह परीक्षण, नेत्र परीक्षण, दंत परीक्षण, लेडीज हेल्थ चेकअप एवं सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण निःशुल्क किया गया। महिला क्लब की अध्यक्ष और सचिव विजया सिंह ने विश्वविद्यालय की महिला कर्मचारियों को उपहार भी भेंट किए।

शिविर में महिलाओं को उपहार देतीं महिला क्लब की अध्यक्ष वीना चौहान।

प्रोफेसर की कार ने महिला लेखाकार को मारी टक्कर

रुद्रपुर: पंतनगर विश्वविद्यालय में तैनात महिला लेखाकार प्रिया रावत कार की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना 27 मार्च की है, जब वह स्कूटी से दफ्तर जा रही थीं। आरोप है कि विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. श्रीराम के चालक ने तेज रफ्तार कार से उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में महिला काफी दूर तक घिसटने के कारण गंभीर रूप से चोटिल हो गईं। उन्हें जिला अस्पताल से हायर सेंटर रेफर किया गया, जहां एक निजी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने पति दीपक रावत की तहरीर पर आरोपी चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

चिकित्सालय में दो अल्ट्रासाउंड मशीन सील

- स्वास्थ्य विभाग की पीसीपीएनडीटी टीम ने की कार्रवाई
- टीम ने 9 अल्ट्रासाउंड केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. केके अग्रवाल के निर्देश पर जनपद के रुद्रपुर ब्लॉक में स्वास्थ्य विभाग की पीसीपीएनडीटी टीम ने एक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सघन चेकिंग अभियान चलाया। टीम ने 9 अल्ट्रासाउंड केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान महाराजा अग्रसेन चिकित्सालय में दो अल्ट्रासाउंड मशीन को सील किया गया।

गुरुवार को निरीक्षण दल में प्रशासनिक और चिकित्सा विशेषज्ञों की इस संयुक्त टीम का नेतृत्व नोडल अधिकारी पीएनडीटी डॉ.एसपी सिंह और प्रभारी नायब तहसीलदार राधे श्याम राणा के साथ राजस्व विभाग के लेखपाल अमित पांडे, सामाजिक क्षेत्र आईएसडी के विशेषज्ञ बिंदु वासिनी, जिला समन्वयक प्रदीप महर और अधिशासी सहायक गोपाल आर्य ने किया। इस दौरान टीम ने नौ प्रमुख अल्ट्रासाउंड और डायग्नोस्टिक केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसमें गौतम चिकित्सालय, अहलावत अल्ट्रासाउंड सेंटर, केएमसी हॉस्पिटल, चीमा हॉस्पिटल, मेडिसिटी हॉस्पिटल, छाबड़ा आईवीएफ सेंटर, एसबीआर अल्ट्रासाउंड सेंटर, श्रीराम नर्सिंग होम, महाराजा अग्रसेन चिकित्सालय शामिल हैं। टीम ने केंद्रों के अभिलेखों और कार्यप्रणाली की बारीकी से जांच की। साथ ही फॉर्म-एफ का रख-रखाव, अभिलेखों का मिलान और अनिवार्य सूचनाओं की जांच की। जांच के दौरान टीम महाराजा अग्रसेन चिकित्सालय में दो अल्ट्रासाउंड मशीन थी जो रेडियोलॉजिस्ट के न होने के कारण उपयोग में नहीं थी जिसको देखते हुए टीम ने दो अल्ट्रासाउंड मशीन को सील कर दिया। साथ ही निर्देश दिए गए की भविष्य में डॉक्टर के उपलब्ध होने पर ही पुनः अनुमति प्रदान की जाएगी।

महाराजा अग्रसेन अस्पताल में अल्ट्रासाउंड मशीन सील करती पीसीपीएनडीटी टीम।

अखंड महानाम संकीर्तन में मौजूद पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल। ● अमृत विचार

पूर्व विधायक ने महानाम संकीर्तन में किया प्रतिभाग

रुद्रपुर : पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने आनंदखेड़ा नंबर एक में आयोजित श्री श्री अखंड महानाम संकीर्तन महोत्सव में प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्होंने भक्तिमय वातावरण में संकीर्तन सुना और महामंत्र का जाप करते हुए क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान आयोजन समिति ने पूर्व विधायक का गर्मजोशी से स्वागत कर अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। संकीर्तन महोत्सव में विभिन्न क्षेत्रों से आई कीर्तन मंडलियों ने अपनी प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। इसमें मानमुक्ति संप्रदाय, जय जगन्नाथ संप्रदाय, कृष्णदासी संप्रदाय, ब्रजेश्वरी संप्रदाय और गोपी कृष्ण संप्रदाय की मंडलियों ने भावपूर्ण कीर्तन कर उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 9 मई को

- जिला न्यायालय समेत सभी बाह्य दीवानी न्यायालयों में लगेगी अदालत
- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव ने दी जानकारी

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव योगेंद्र कुमार सागर ने बताया कि उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर 9 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह अदालत सुबह 10 बजे से सायं 5 बजे तक रुद्रपुर स्थित जिला न्यायालय सहित वाह्य स्थित दीवानी न्यायालयों काशीपुर, खटीमा, बाजपुर, जसपुर, सितारगंज एवं किच्छा में आयोजित होगी।

गुरुवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने बताया कि 9 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में प्री-लिटिगेशन के वादों का निस्तारण किया जाएगा। इसमें भरण पोषण, धन वसूली, श्रम विवाद, विद्युत एवं जल कर बिलों के मामले, धारा 138 एनआई एक्ट के मामले, आपराधिक शमनीय व सिविल मामले इसके अतिरिक्त न्यायालयों में लंबित शमनीय प्राकृतिक के आपराधिक वाद व अपराध, धारा 138 एनआई एक्ट, धन वसूली, मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद आदि शामिल हैं।

इसके अलावा श्रम विवाद, विद्युत व जल कर बिल संबंधित, वैवाहिक मामले तलाक को छोड़कर, भूमि अधिग्रहण, भुगतान व भत्तों से संबंधित सर्विस के मामले, जिला न्यायालय में लंबित राजस्व वाद, मोटर वाहन अधिनियम के शमनीय अपराधों के चालान, सिविल मामले आदि का निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि जो भी व्यक्ति अपने वादों व मामलों को राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारण करवाना चाहते हैं वे संबंधित न्यायालय में किसी भी कार्य दिवस में स्वयं प्रार्थना पत्र दे सकते हैं।

इसके अलावा अपने अधिवक्ता के माध्यम से संबंधित न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर अपने वादों को नियत करवा सकते हैं या जिला न्यायालय परिसर में स्थित एडीआर केंद्र रुद्रपुर में स्वयं अथवा अधिवक्ता के जरिये अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

उन्होंने कहा है कि अधिक जानकारी के लिए नालसा हेल्पलाइन नंबर-15100 सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला न्यायालय परिसर एडीआर केंद्र रुद्रपुर के हेल्प डेस्क नंबर-9411531449, ई-मेल- dlsausnagar@gmail.com, फोन नंबर-05944-250682 पर संपर्क कर सकते हैं।

खटीमा में प्रभारी मंत्री प्रदीप बत्रा का स्वागत करते पंजाबी महासभा के लोग।

पंजाबी महासभा ने जिला प्रभारी मंत्री का स्वागत

खटीमा : कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा के जिला प्रभारी मंत्री बनने के बाद पहली बार खटीमा आगमन पर उत्तरांचल पंजाबी महासभा ने जोरदार स्वागत किया। महासभा के सदस्य मानस बत्रा के आवास पर महासभा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस अवसर पर महासभा अध्यक्ष विजय अरोरा, महामंत्री हरीश बत्रा, कोषाध्यक्ष जितिन ग्रोवर, संरक्षक अनिल बत्रा, सोनिया सुनेजा, मानस बत्रा, नीता बत्रा, जतिन बत्रा आदि उपस्थित रहे।

कार्यालय सहायक महाप्रबन्धक (संचालन)
उत्तराखण्ड परिवहन निगम, टनकपुर

पत्रांक : 74 टनक/स०म०प्र०सचा०/कैन्टीन/निविदा/2026 दिनांक : 09.04.2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उत्तराखंड परिवहन निगम टनकपुर डिपो के अन्तर्गत सितारगंज बस स्टेशन में स्टॉलो हेतु निम्न निविदा आमंत्रित की जाती है, जिसका विवरण निम्न प्रकार है-

1-जलपान गृह
2-जनरल मर्चेन्ट
3-फल स्टॉल

टनकपुर डिपो के सितारगंज बस स्टेशन बावत इच्छुक ठेकेदारो से सील बन्द निविदा डॉक / स्पीड पोस्ट / कार्यालय काउन्टर पर दिनांक 10.04.2026 से दिनांक 15.04.2026 समय मध्याह्न 14:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। दिनांक 15.04.2026 समय 15:00 बजे गठीत समिति एवं उपस्थित रहने वाले निविदाकर्ताओ के समक्ष प्राप्त निविदा खोली जायेगी। इस हेतु शर्तें एवं निविदा फार्म दिनांक 10.04.2026 से किसी भी कार्य दिवस में धनराशि 100/- में प्राप्त किया जा सकता है। भविष्य में निर्धारित तिथि को अकस्मात् सार्वजनिक अवकाश घोषित किये जाने पर निविदा कार्यालय खुलने के कार्य दिवस पर खोली जायेगी।

(के०एस० सैंणा)
सहायक महाप्रबन्धक
उत्तराखण्ड परिवहन निगम टनकपुर

साक्षरता शिविर में छात्रों को बताए कानूनी अधिकार

बाजपुर : राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रेंहटा में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। सचिव योगेंद्र कुमार सागर के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नि:शुल्क विधिक सहायता और नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 की जानकारी दी गई।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9532374039 8077909468

सूचना

मेरी पुत्री के जन्म प्रमाणपत्र में मेरी पत्नी का नाम SIYA AGARWAL गलत अंकित है, जबकि सही नाम RAAZIYA KHAN है। कुलदीप अग्रवाल पुत्र अमरनाथ अग्रवाल आवास विकास कालोनी खटीमा (ऊधम सिंह नगर)

पहल | चार राज्यों से आए 54 लोगों ने किया प्रतिभाग, निदेशक संचार ने दी जानकारी

बटन व दूधिया मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण दिया

संवाददाता, पंतनगर

अमृत विचार: जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मशरूम अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र में सशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम योजना के तहत मशरूम उत्पादन तकनीकी एवं मूल्य संवर्धन विषय पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस दौरान प्रतिभागियों को बटन, ढिंगरी (ऑयस्टर) और दूधिया मशरूम के उत्पादन की आधुनिक विधियों के बारे में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने जानकारी दी। प्रशिक्षण में देश के चार राज्यों से आए 54 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रतिभाग किया।

गुरुवार को कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि निदेशक संचार प्रोफेसर जेपी जायसवाल ने वेजिटेरियन डाइट में मशरूम की महत्ता पर प्रकाश डाला। साथ ही बताया कि जिस प्रकार समुद्री क्षेत्रों में मछली भोजन का मुख्य अंग होती है। प्रोटीन का प्रमुख स्रोत मानी जाती है, उसी प्रकार पर्वतीय एवं मैदानी क्षेत्रों में मशरूम को भी आहार का अभिन्न हिस्सा बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्व स्तर पर वर्तमान में 440 लाख टन से अधिक मशरूम का उत्पादन हो रहा है, जिसकी वार्षिक वृद्धि दर लगभग 8 प्रतिशत है। वहीं भारत में मशरूम उत्पादन 3.3 लाख टन से अधिक है जो देश की जनसंख्या के अनुपात में अभी भी कम है। उन्होंने कहा कि लोगों में मशरूम उत्पादन के प्रति जागरूकता बढ़ी है, लेकिन इसमें निरंतर वृद्धि की आवश्यकता है। इस दृष्टि से ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने मशरूम आधारित मूल्य संवर्धित उत्पादों की अपार संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। संयुक्त निदेशक (शोध) डॉ.पीके सिंह ने विश्वविद्यालय के मशरूम प्रशिक्षण केंद्र के महत्व की जानकारी दी और मशरूम की विभिन्न प्रजातियों और उनके उत्पादन की संभावनाओं के बारे में विस्तार से बताया। मशरूम अनुसंधान केंद्र के संयुक्त निदेशक डॉ.एसके मिश्र ने कम्पोस्ट निर्माण, बीज उत्पादन (स्पॉन), फसल कक्ष का रखरखाव और मशरूम आधारित मूल्य संवर्धित उत्पादों के निर्माण से संबंधित व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। अंत में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-प्राप्त देते अतिथि। ● अमृत विचार

रेलवे ट्रैक पर महिला का शव मिला

रुद्रपुर: छतरपुर रोड स्थित रेलवे ट्रैक के किनारे एक महिला की कटी हुई लाश मिलने से सनसनी फैल गयी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हालांकि पुलिस शव की शिनाख्त नहीं कर पाई है। गुरुवार दोपहर छतरपुर रोड स्थित रेलवे ट्रैक के किनारे एक 40 वर्षीय महिला की कटी हुई लाश पड़ी हुई मिली। इसे देखकर वहां लोगों का जमावड़ा लग गया। इस बीच किसी ने पुलिस के 112 कंट्रोल रूम में दी। सूचना पर एसआई प्रियांशु जोशी पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे और जानकारी ली। तलाशी के दौरान मृतका के पास मिले थैले में एक टिफिन में दाल, चावल और पानी की बोतल मिली। जबकि उसके पास से किसी प्रकार का कोई पहचान पत्र नहीं मिला। पुलिस ने लोगों ने मृतका की पहचान करने का प्रयास किया।

ब्रीफ न्यूज

दिनदहाड़े चोरी के मामले में मुकदमा दर्ज

सितारगंज : शक्तिगढ़ (आजाद वार्ड) में दिनदहाड़े चोरी के मामले में मुकदमा दर्ज हो गया है। पीड़ित निशीकांत के अनुसार, 6 अप्रैल को जब उनका परिवार मंदिर गया था, तब चोरों ने सूने घर को निशाना बनाया। चोरों ने घर का ताला खोलकर अलमारी में रखी 12 लाख रुपये की नकदी और लाखों के सोने-चांदी के जेवरात (कुंडल, अंगूठी और 6 जोड़ी पायल) पार कर दिए। पीड़ित ने बताया कि नकदी प्लॉटिंग के काम के लिए जमा की गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस ने चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर चोरों की तलाश कर रही है।

विकास भवन निर्माण और संगठन विस्तार पर चर्चा

सितारगंज : संगठन मंत्री सोप्रीत बॉबी भाटिया के कार्यालय में मंगलवार को पंजाबी महासभा की बैठक आयोजित की गई। इसमें सर्वसम्मति से पंजाबी विकास भवन के निर्माण की मांग उठाई गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य पंजाबी समाज को एकजुट करना और पंजाबी संस्कृति के संरक्षण के लिए सामाजिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करना रहा। पदाधिकारियों ने युवाओं को संगठन से जोड़ने और सामाजिक कार्यों में तेजी लाने पर जोर दिया। इस मौके पर राजेश शैली, मनोज झाम, राकेश दल, सर्वजीत माटा, रिकी अरोड़ा, यश अरोरा, चंद्र मदान, मक्खन सिंह, सौरभ अरोरा, सोनी सिंह, राजेश बजाज आदि मौजूद रहे।

विधिक शिविर में बच्चों को दी गई कानूनी जानकारी

खटीमा : राजकीय इंटर कॉलेज श्रीपुर बिछुआ में प्रधानाचार्य डॉ. संजय त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित विधिक शिविर में नालसा (जागृति) न्याय जागरूकता पहल योजना पर जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। विमल कुमार ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मिलने वाली निशुल्क विधिक सेवाओं की जानकारी दी। जिसमें स्थायी लोक अदालत, राष्ट्रीय लोक अदालत, नशे की लत के दुष्परिणाम के बारे में विस्तार से बताया। भगवती राणा ने नालसा टोल फ्री नंबर 15100 राष्ट्रीय सायबर हेल्प लाइन नंबर 1930 के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर प्रमोद कुमार सक्सेना, विशेष कुमार सक्सेना, अजय कुमार सिंह, भगवान किराना, महावती राणा सहित बच्चे उपस्थित रहे। संचालन पीएलवी मीरा देवी ने किया।

युवक की मौत मामले में चालक पर मुकदमा दर्ज

बाजपुर : राष्ट्रीय राजमार्ग-74 पर केलाखेड़ा के पास हुए सड़क हादसे में स्कूटी सवार युवक लवकुश की मौत के मामले में पुलिस ने पिकअप चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। आगरा निवासी पीड़ित पिता मुन्ना लाल के अनुसार, 25 फरवरी की रात लवकुश अपने दोस्त के साथ शादी समारोह में जा रहा था, तभी गणेशपुर चौराहे के पास पिकअप ने उन्हें टक्कर मार दी। गंभीर हालत में लवकुश को काशीपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 26 फरवरी को उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

दो भट्टियां ध्वस्त, 4000 लीटर लहन किया नष्ट

बाजपुर : आबकारी विभाग ने गुरुवार को रम्पुरा काजी, सरकड़ी और केलाखेड़ा क्षेत्र में सघन छापेमारी कर अवैध शराब के अड्डों को नष्ट किया। आबकारी निरीक्षक महेंद्र सिंह बिष्ट के नेतृत्व में टीम ने नाले किनारे चल रही दो अवैध भट्टियों को ध्वस्त कर करीब 4000 लीटर लहन मौके पर ही नष्ट कर दिया। कार्रवाई के दौरान 55 लीटर कच्ची शराब बरामद की गई और आबकारी अधिनियम की धारा 60 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

अमित को अध्यक्ष व मनीष को सचिव की जिम्मेदारी

संवाददाता, सितारगंज

अमृत विचारः भारत विकास परिषद (भाविप) शाखा सितारगंज के वार्षिक चुनाव नगर स्थित निजी रेस्टोरेंट में चुनाव प्रभारी वीरेंद्र सुखीजा के नेतृत्व में संपन्न हुए। चुनाव प्रक्रिया में सभी पदों पर सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चयन किया गया।

अध्यक्ष पद पर अमित गोयल और सचिव पद पर मनीष मित्तल को जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं, कोषाध्यक्ष पद पर अविनाश जिंदल तथा महिला संयोजिका पद पर सीमा सिंघल निर्विरोध चुनी गईं।

नवनियुक्त पदाधिकारियों ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए परिषद के कार्यों को और अधिक गति देने तथा समाज में उत्कृष्ट सेवा कार्यों के माध्यम से संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

अमित गोयल।

मनीष मित्तल।

इस मौके पर पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष नरेश कंसल, प्रांतीय प्रकल्प संयोजक (संपर्क) महेश मित्तल, अजीत सिंह जोशन, पवन बड़सीवाल, अनंत प्रकाश शुक्ला, दुर्गेश मोहन गोयल, मुनेश्वर मंडल, शिवपाल चौहान, राकेश त्यागी, राजू हरियाणवी, हिमांशु सिंघल, सुरेश जैन मौजूद रहे।

चैत्र माह भर हजारों संन्यासी करते हैं कठोर साधना, कठिन और अद्भुत कर्मकांड कर रहा आश्चर्यचकित

तप और श्रद्धा का संगम सुरेंद्रनगर का तारकेश्वर धाम

संवाददाता, शक्तिफार्म

अमृत विचार : ग्राम सुरेंद्रनगर स्थित बाबा तारकेश्वर धाम आस्था, श्रद्धा और कठोर तप का जीवंत प्रतीक बनकर उभर रहा है। चैत्र माह की शुरुआत होते ही पूरा धाम भक्तिमय वातावरण में डूब जाता है। इस दौरान भगवा वस्त्र धारण किए संन्यासी पूरे माह भगवान शिव की आराधना में लीन रहते हैं। मंदिर परिसर में संन्यासियों द्वारा किए जाने वाले कठिन और अद्भुत कर्मकांड श्रद्धालुओं को आश्चर्यचकित कर देते हैं। मान्यता है कि ऐसी कठोर तपस्या भगवान शिव की विशेष कृपा के बिना संभव नहीं है।

जानकारी के अनुसार, करीब पांच दशक पूर्व गांव के मुकुंद बाबा ने इस धाम की नींव रखी थी। उसी समय दुखीराम जो असाध्य रोग से पीड़ित थे, पश्चिम बंगाल के हुगली स्थित तारकेश्वर धाम में कठोर साधना कर रोगमुक्त हुए। इसके बाद उन्होंने सुरेंद्रनगर में शिव भक्ति को समर्पित जीवन शुरू किया। तभी से यह परंपरा चली आ रही है कि जिनकी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं, वे चैत्र माह में संन्यास लेकर कठिन तपस्या करते हैं। चैत्र माह के अंतिम चार दिन विशेष रूप से कठिन माने जाते हैं। पहले दिन संन्यासी मिट्टी के बर्तन में चार दाने चावल पकाकर मात्र एक दाना ग्रहण करते हैं। दूसरे दिन निर्जला व्रत रखकर विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। तीसरे दिन कांटा झाप की परंपरा निभाते हुए संन्यासी नंगे पैर और नंगे बदन कांटों पर चलकर ढोल-मृदंग की धुन पर नृत्य करते हैं। हैरानी की बात यह है कि इस दौरान उन्हें किसी प्रकार की चोट या पीड़ा महसूस नहीं होती।

चौथे दिन भगवान शिव-पार्वती विवाह की रस्म के बाद संन्यासी जल ग्रहण करते हैं, जिसके उपरांत चड़क पूजा का आयोजन होता है। यह पूरी परंपरा आस्था, तप और समर्पण का अद्भुत संगम प्रस्तुत करती है। आज सुरेंद्रनगर का तारकेश्वर धाम केवल बंगाली समाज ही नहीं, बल्कि सर्व समाज के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र बन चुका है, जहां दूर-दराज से श्रद्धालु दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं।

विशेष धार्मिक अनुष्ठान में लीन भगवाधारी संन्यासी। ● अमृत विचार

चड़क पूजा और कांटा झाप का विशेष महत्व

शक्तिफार्म : तारकेश्वर धाम में आयोजित चड़क पूजा और कांटा झाप का विशेष धार्मिक महत्व है। कांटा झाप में संन्यासी नंगे पैर कांटों पर चलकर अपनी अटूट आस्था का प्रदर्शन करते हैं, जबकि चड़क पूजा तप और त्याग का प्रतीक मानी जाती है। इन अनूठी परंपराओं को देखने के लिए हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु धाम पहुंचते हैं।

पीएम के नेतृत्व में रक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति

मुख्यमंत्री धामी का खटीमा में रोड शो, जनता व जनप्रतिनिधियों ने पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचारः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के रक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। आज भारत रक्षा उत्पादन और निर्यात के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

गुरुवार को खेतलसंडा स्थित सीएसडी कैंटीन में सेवा संकल्प धारिणी फाउंडेशन द्वारा स्व. सूबेदार शेर सिंह धामी की छठी पुण्यतिथि पर आयोजित गौरव सैनिक सम्मान समारोह को मुख्यमंत्री धामी ने संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2014-15 में देश का रक्षा उत्पादन लगभग 46 हजार करोड़ रुपये था, जो बढ़कर 2024-25 में 1.54 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। वहीं, रक्षा निर्यात भी बढ़कर 38 हजार करोड़ रुपये हो गया है। आज भारत 80 से अधिक देशों को रक्षा सामग्री उपलब्ध करा रहा है, जो देश की बढ़ती सामरिक शक्ति का प्रतीक है। कहा कि राज्य सरकार सैनिकों, शहीदों और उनके परिजनों के कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। शहीदों के परिजनों को मिलने वाली अनुग्रह राशि में वृद्धि की गई है तथा आश्रितों को सरकारी नौकरी दी जा रही है। इसके साथ ही वीरता पुरस्कार प्राप्त सैनिकों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता में भी उल्लेखनीय वृद्धि की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि परमवीर चक्र से सम्मानित सैनिकों को दी जाने वाली राशि को 50 लाख रुपये से बढ़ाकर डेढ़ करोड़ रुपये किया गया है। इसके अतिरिक्त देहरादून में भव्य सैन्य धाम का निर्माण किया जा रहा है, जिससे आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति की प्रेरणा मिलेगी। राज्य सरकार द्वारा बलिदानियों के परिवारों को सरकारी नौकरी के लिए आवेदन अवधि 2 वर्ष से बढ़ाकर 5 वर्ष कर दी गई है। कार्यक्रम में सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने भी अपने संबोधन में कहा कि सैनिकों का सम्मान करना हम सभी के लिए गौरव की बात है। राज्य सरकार सैनिकों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है और भविष्य में भी इस दिशा में और प्रयास किए जाएंगे। वहीं, मुख्यमंत्री धामी का कार्यक्रम से पूर्व रोड शो में जनता एवं जनप्रतिनिधियों ने पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया।

अपने पिता स्व. सूबेदार शेर सिंह धामी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी। ● अमृत विचार

नोजगे स्कूल के हॉकी कोच को किया सम्मानित

खटीमा : सैनिक सम्मान समारोह और सीएसडी कैंटीन के लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नोजगे पब्लिक स्कूल के हॉकी कोच सेना मेडल विजेता ललित चन्द को सम्मानित किया। यह सम्मान उनके उत्कृष्ट योगदान और अनुकरणीय सेवाओं के लिए प्रदान किया गया। कार्यक्रम में स्कूल के एनसीसी कैडेट्स द्वारा समारोह में प्वाइंट ड्यूटी, बैग वितरण और भोजन वितरण जैसे कार्यों में सक्रिय सहयोग प्रदान किया गया। संचालन लेफ्टिनेंट दीपेंद्र गुरुंग ने किया। इस अवसर पर विद्यालय की मैनेजिंग डायरेक्टर सुरेंद्र कौर, प्रधानाचार्य एचसी पंत ने कोच ललित चन्द को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

डिजिटल भुगतान को दिया बढ़ावा

खटीमा : मुख्यमंत्री धामी ने अपने पिता स्व. शेर सिंह धामी की पुण्यतिथि पर आयोजित 'सैनिक सम्मान समारोह' कार्यक्रम में मां भारती की सेवा में अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले रणबांकुरों के परिजनों, वीर नारियों एवं वीर जवानों को सम्मानित किया। इस दौरान सीएसडी कैंटीन और सैनिक कल्याण केंद्र के लोकार्पण के दौरान डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्वयं खरीददारी कर यूपीआई के माध्यम से भुगतान भी किया।

इनकी रही मौजूदगी

इस अवसर पर सांसद अजय भट्ट, सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी, प्रदीप बत्रा, राम सिंह कैड़ा, विधायक शिव अरोरा, त्रिलोक सिंह चीमा, राजस्थान के विराटनगर से विधायक कुलदीप धनखड़, पूर्व विधायक प्रेम सिंह राणा, जिलाध्यक्ष भाजपा कमल कुमार जिंदल सहित गणमान्य जन उपस्थित रहे।

लोटस स्कूल ने द्वितीय स्थापना दिवस मनाया

लोटस पब्लिक स्कूल में आशा वर्कर को सम्मानित करतीं अतिथि। ● अमृत विचार

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचारः नगर के सुनहरी वार्ड स्थित लोटस पब्लिक स्कूल का द्वितीय स्थापना दिवस गुरुवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों ने शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल डेवलपमेंट की परियोजना निदेशक बिंदुवासिनी और प्रधानाचार्य रेहाना अंसारी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

मुख्य अतिथि बिंदुवासिनी ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बच्चों को संस्कारवान बनाने में शिक्षकों की अहम भूमिका होती है। उन्होंने बच्चों को पूरी निष्ठा के साथ शिक्षा ग्रहण कर भविष्य उज्ज्वल बनाने के लिए प्रेरित किया। इस विशेष अवसर पर समाज हित में कार्य कर रही करीब तीन दर्जन आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

प्रधानाचार्य रेहाना अंसारी ने बताया कि विद्यालय पिछले दो वर्षों से बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम में प्रबंधक फारूक अंसारी, भारती थापा, सना खान, प्रियंका गंगवार, फरहीन, हिमांशी, कविता, रश्मि त्रिपाठी, नाजिया, फरजाना सैफी, प्रवीन, शाहजहां, अनुराधा सक्सेना, जोया आदि मौजूद रहे।

गदरपुर की जनता के हक की लड़ाई रहेगी जारी

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचारः युवा किसान नेता बलविंदर साहू ने 65 विधान सभा गदरपुर से मिशन 2027 के तहत निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ने की घोषणा की है।

गुरुवार को नेतानगर कार्यालय में पत्रकारों से वार्ता करते हुए युवा किसान नेता बलविंदर साहू ने अपने चुनावी अभियान में प्रमुखता से कई प्रमुख मुद्दों को उठाया। उन्होंने कहा क्षेत्र में बढ़ती बेरोजगारी की समस्या का समाधान, गांवों और शहरों की जर्जर सड़कों की मरम्मत, किसानों को फसलों का उचित मूल्य व समय पर भुगतान, सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी को दूर करना, जिन बच्चों के मां-बाप नहीं हैं, उन बच्चों की शिक्षा की जिम्मेदारी लेना, गरीब परिवारों के मेडिकल व स्वास्थ्य संबंधित जिम्मेदारी उठाना, गरीब परिवारों की बेटियों की शिक्षण और शादी की जिम्मेदारी लेने का वादा किया। युवा किसान नेता साहू ने कहा कि सभी मुद्दों पर गदरपुर की जनता के साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे और गदरपुर को भ्रष्टाचार मुक्त बनाना है। इस मौके पर परमानंद गंगवार, राजेश राजपूत, मुकुल कुशवाह, राजेश आदि मौजूद रहे।

म्यूल खाताधारक होने लगे चिह्नित, शिकंजा कस रही पुलिस

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः ऑपरेशन साइबर प्रहार अभियान को अंतिम अंजाम तक पहुंचाने के लिए पुलिस ने अब म्यूल खाताधारकों को चिह्नित करना शुरू कर दिया है। जिसके चलते जांच अधिकारियों ने दो ऐसे खातों को चिह्नित किया है। जिसके माध्यम से साइबर ठगी की रकम को ठिकाने लगाया जाता है। जांच अधिकारियों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस खाताधारक की तस्दीक करने में जुट गई है और शिकंजा कसने की तैयारी शुरू कर दी है।

गुरुवार को कोतवाली के एसएसपी केसी आर्या ने मुकदमा दर्ज करवाते हुए बताया कि सूची क्रमांक छह में एक खाता संख्या 913020019600966 है।

जो कि काशीपुर बाईपास स्थित बैंक में खोला गया है। प्रारंभिक तफ्तीश में एनसीआरपी पोर्टल में पता चला कि यह खाता कई राज्यों के थानों में दर्ज 63 शिकायतों में सम्मिलित है। जिससे यह प्रतीत होता है कि खाता वास्तविक उपभोग के लिए नहीं, बल्कि साइबर क्राइम की ठगी की रकम को ठिकाने लगाने के लिए प्रयोग किया जाता है।

म्यूल खाता में जमा दस्तावेज भी फर्जी प्रतीत हो रहे हैं। ऐसे में म्यूल खाता खोलना बीएनएसएस की धारा 318/4 के तहत आता है। दूसरे प्रकरण में थाना ट्रांजिट कैंप के दरोगा एवं जांच अधिकारी महेश कांडपाल ने बताया कि एनसीआरपी पोर्टल से पता चला कि आवास विकास चौकी क्षेत्र स्थित एक बैंक खाता संख्या 201035776601 खोला गया है। खातों से होने वाली नकद निकासी और स्थानांतरित पूर्णतया संदिग्ध है।

खाता धारक द्वारा जिस प्रकार एक ही खाते से बार-बार मोटी रकम का आहरण कर दूसरे खातों में भेजा जा रहा है। वह साइबर अपराध की गतिविधियों में इस्तेमाल होता है। जिसके आधार पर एसएसआई केसी आर्या और दरोगा महेश कांडपाल की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर अपनी तफ्तीश को तेज कर दिया है। साथ ही ठाना है कि जल्द ही म्यूल खाताधारक को चिह्नित कर कार्रवाई की जाएगी।

बैंक अधिकारियों की भूमिका भी संदिग्ध

रुद्रपुर : दरोगा केसी आर्या और महेश कांडपाल ने कराए मुकदमे में यह भी आशंका जताई कि म्यूल खाता प्रकरण में जिस प्रकार साइबर ठगी की रकम को ठिकाने लगाया जा रहा है, लेकिन संबंधित बैंक अधिकारी की भूमिका भी संदेहास्पद है। कारण खातों में दस्तावेज की तस्दीक और पैसों का ट्रांजेक्शन होने के बाद भी बैंक कोई सुध नहीं लगा रहा है। जिसको लेकर अब खाताधारक के दस्तावेजों की तस्दीक कर बैंक अधिकारी की भूमिका की भी तफ्तीश होगी और दोषी पाए जाने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जिले के बैंकों में खुले हैं फर्जी खाते

रुद्रपुर : साइबर अपराध की रोकथाम को लेकर जिस प्रकार पुलिस ने ऑपरेशन साइबर प्रहार अभियान चलाकर ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है। उससे साफ है कि साइबर ठगी का पैसा खपाने के लिए नेटवर्क के मेंबर बैंकों में अपने फर्जी खाते खोल चुके हैं। पुलिस का मानना है कि म्यूल खातों को लेकर बैंकों को भी अलर्ट होना चाहिए था और जल्द ही बैंक प्रबंधकों की एक बैठक कर गाइडलाइन जारी की जाएगी। म्यूल खातों की हड़ताल का आदेश दिया जाएगा। इसका परिणाम यह होगा कि जल्द ही फर्जी खातों की सूची मिल जाएगी और खाताधारक भी तस्दीक कर कार्रवाई भी होगी।

हालात | किसानों में आक्रोश, 25 क्रय केंद्रों में से अधिकांश अभी तक कागजी औपचारिकताओं में ही उलझे हुए

गेहूं खरीद केंद्रों पर लटके ताले, महज 100 क्विंटल हुई तौल

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचारः क्षेत्र में गेहूं की फसल तैयार होने के बावजूद सरकारी खरीद की रफ्तार बेहद सुस्त है। मंडी परिसर में संचालित 25 क्रय केंद्रों में से अधिकांश अभी तक कागजी औपचारिकताओं में ही उलझे हुए हैं। स्थिति यह है कि अब तक केवल खाद्य विभाग के एक केंद्र पर महज 100 क्विंटल गेहूं खरीदा जा सका है।

मंडी में खाद्य विभाग के दो केंद्रों को 500-500 क्विंटल की लिमिट मिली है, लेकिन सहकारिता विभाग, पीसीयू, यूसीसीएफ और एनसीसीएफ के केंद्रों का तो अभी तक पोर्टल ही नहीं खुला है। रजिस्ट्रेशन और लिमिट तय न होने के कारण किसान अपनी उपज लेकर मंडी में भटक रहे हैं। गुरुवार सुबह से ही कई ट्रालियां तौल के इंतजार में खड़ी रहीं।

खटीमा की मंडी में तौल के लिए खड़ीं गेहूं की ट्रॉलियां। ● अमृत विचार

क्षेत्रीय खाद्य नियंत्रक लता मिश्रा ने बताया कि कुमाऊं मंडल के लिए फिलहाल 10 हजार क्विंटल की लिमिट मिली है, जिसे बढ़ाने की संस्तुति की जा रही है। दूसरी ओर, मौसम के बिगड़ते मिजाज को देख किसान डरा हुआ है। किसानों का कहना है कि यदि सरकारी केंद्रों पर समय से तौल शुरू नहीं हुई, तो उन्हें मजबूरन अपनी मेहनत की फसल बिचौलियों को औने-पौने दाम पर बेचनी पड़ेगी।

भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के जिलाध्यक्ष गुरसेवक सिंह ने सरकार और प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मंडी में क्रय केंद्र महज ''शो-पीस'' बनकर रह गए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दो दिन के भीतर पोर्टल चालू कर सुचारू खरीद शुरू नहीं हुई, तो यूनियन उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

अव्यवस्था पर आरएफसी कार्यालय घेरने की चेतावनी

बाजपुर : अनाज मंडी स्थित गेहूं क्रय केंद्रों पर सुविधाओं के अभाव से किसानों में भारी नाराजगी है। भाकियू प्रदेश अध्यक्ष कर्म सिंह पड्डा ने कहा कि हालिया बारिश और आंधी से फसल पहले ही बर्बाद हो चुकी है, अब मंडी में अव्यवस्थाएं किसानों का उत्पीड़न कर रही हैं। उन्होंने अल्टीमेटम दिया कि यदि 13 अप्रैल तक खरीद केंद्रों की व्यवस्थाएं ठीक नहीं हुईं, तो किसान हल्द्वानी स्थित आरएफसी कार्यालय का घेराव करेंगे। किसान नेताओं ने मांग की है कि तौल प्रक्रिया जल्द सुचारू की जाए ताकि किसानों को आर्थिक नुकसान और मानसिक परेशानी से बचाया जा सके।

आमंत्रण नहीं देना संकीर्ण मानसिकता

खटीमाः विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नवनिर्मित सीएसडी कैंटीन के लोकार्पण अवसर पर क्षेत्रीय विधायक को आमंत्रित न किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण और संकीर्ण मानसिकता का परिचायक है। यह बात कहते हुए विधायक भुवन कापड़ी ने कहा कि जबकि शिलापट पर कार्यक्रम की अध्यक्षता के रूप में विधायक भुवन कापड़ी का नाम अंकित है। विधायक कापड़ी ने उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि मुझे कार्यक्रम से वंचित रखना उचित ही नहीं बल्कि मेरे विशेषाधिकार का हनन भी है। उन्होंने कहा कि, यह सरकार की संकीर्ण व छोटी मानसिकता को भी दर्शाता है जो लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध हैं।

बाजपुर में 'ब्लेजा ब्यूटी स्कूल' का शुभारंभ करते लक्ष्मण दास बांगा।

बाजपुर में 'ब्लेजा ब्यूटी स्कूल' का उद्घाटन

बाजपुर : युवाओं को हुनरमंद बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को शहर में 'ब्लेजा ब्यूटी स्कूल' की नई शाखा का शुभारंभ हुआ। समाजसेवी लक्ष्मण दास बांगा और सत्यवान गर्ग ने इसका उद्घाटन किया। संस्थान के स्वामी पंकज चानना ने बताया कि यूएस व लंदन से प्रमाणित इस स्कूल की बाजपुर में यह चौथी शाखा है। वक्ताओं ने कहा कि इससे स्थानीय युवाओं को ब्यूटी सेक्टर में प्रोफेशनल ट्रेनिंग मिलेगी, जिससे उनके लिए स्वरोजगार और विदेशों में नौकरी के रास्ते खुलेंगे। कार्यक्रम के दौरान मुनीष राणा, पंकज बांगा, पूर्व ब्लाक प्रमुख पति राजकुमार, ध्रुव चानना, आशीष, आदित्य चानना, रीतू चानना, ग्राम प्रधान रघुवीर सिंह, बंटी ठक्कर, संजय रोहिल्ला, तनवीर खान, अनिल वाल्मीकि, सतीश गोयल, शाहिद आदि मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

आवास-विकास में पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग

काशीपुर : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नगर मीडिया संयोजक चित्रांश सक्सेना ने एसएसपी को ज्ञापन भेजा। इसमें उन्होंने बताया कि आवास-विकास में छात्र-छात्राएं कोचिंग के लिए जाते हैं। यहां अराजक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। इससे क्षेत्र का माहौल खराब होने की संभावना बनी हुई है। उन्होंने क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है।

चेक बाउंस का फरार वारंटी गिरफ्तार

काशीपुर : आईटीआई कोतवाली पुलिस ने लंबे समय से न्यायालय से अनुपस्थित एक वारंटी को पकड़ा। पुलिस के अनुसार पकड़ा गया आरोपी धीरज कुमार निवासी बरखेड़ा पांडे 138 एनआई एक्ट के तहत फरार चल रहा था। आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे जेल भेजा गया।

छात्र नेता ने कोतवाली में किया प्रदर्शन

बाजपुर : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में छात्रसंघ अध्यक्ष महेंद्र बोरा और छात्रा नेता गुनगुन पंवार के बीच विवाद ने तूल पकड़ लिया है। गुरुवार को गुनगुन ने अनिल वाल्मीकि के नेतृत्व में कोतवाली पहुंचकर महेंद्र बोरा के खिलाफ प्रदर्शन किया। आरोप है कि अध्यक्ष ने छात्रा का ज्ञापन फाड़कर जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। वहीं, महेंद्र बोरा ने आरोपों को निराधार बताया है। एसएसआई विक्रम सिंह धामी ने कहा कि मामले की जांच चल रही है और तथ्यों के आधार पर कार्रवाई होगी। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि न्याय न मिलने पर वे धरना देंगे। इस दौरान लोकेश चौहान, दिनेश सैनी, दीपक कुमार, नरेश चौहान मौजूद रहे।

गलत चौहद्दी दिखाकर जमीन की धोखाधड़ी

बाजपुर : क्षेत्र में जमीन के नाम पर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। मझरा प्रभु निवासी अनीता सक्सेना ने आरोप लगाया कि ग्राम भौनाइस्लामनगर में उन्हें गलत चौहद्दी दिखाकर दूसरी जगह की जमीन का बैनामा कर दिया गया। मामले का खुलासा तब हुआ जब तहसील में ''दाखिल-खारिज'' के दौरान लेखपाल ने मौके की जमीन और कागजों में अंतर बताया। पीड़िता का आरोप है कि 3 दिसंबर 2025 को जब उन्होंने इसकी शिकायत की, तो आरोपियों ने उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। कूट रचित दस्तावेजों के कारण पीड़िता को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।

मासूम से दुष्कर्म के प्रयास में मुकदमा दर्ज

बाजपुर : नौ वर्षीय बालिका को जबरन घर में खींचकर दुष्कर्म के प्रयास के मामले में पुलिस ने आरोपी जगदीश उर्फ सरन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। घटना 6 अप्रैल की है, जब बालिका दुकान जा रही थी। आरोप है कि जगदीश ने उसे चाकू के बल पर कमरे में बंद कर अश्लील हरकतें कीं। बच्ची की बहन द्वारा शोर मचाने पर आरोपी ने उसे छोड़ा और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी।

बाजपुर में आज लगेगा होम्योपैथी शिविर

बाजपुर : विश्व होम्योपैथी दिवस पर 10 अप्रैल को नैनीताल रोड स्थित श्रीरामभवन धर्मशाला के सामने एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। डॉ. सैमुअल हैनीमैन के जन्मदिन पर आयोजित इस शिविर में अनुभवी चिकित्सक डॉ. आराधना वर्मा सुबह 10 से शाम 5 बजे तक मरीजों की निःशुल्क जांच कर दवाइयां वितरित करेंगी। डॉ. आराधना वर्मा पूर्व में जिला महामारी विशेषज्ञ भी रह चुकी हैं।

मांगों को लेकर आशा कार्यकर्ताओं का धरना, सीएमएस का किया घेराव

मांगों का निस्तारण नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी, प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा

- आशाओं के साथ गलत व्यवहार करने का लगाया आरोप

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः एलडी भट्ट राजकीय चिकित्सालय में विभिन्न मांगों को लेकर आशा कार्यकर्ताओं ने धरना प्रदर्शन कर सीएमएस का घेराव किया। उन्होंने मांगों का निस्तारण नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी।

गुरुवार को राजकीय अस्पताल में विभिन्न मांगों को लेकर आशा कार्यकर्ताओं ने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि अस्पताल में डॉक्टर के प्राइवेट लड़के प्राइवेट लैबों में अल्ट्रासाउंड पर अन्य जांचे लेकर जाते हैं और आशा को बदनाम किया जाता है। स्टाफ नर्स और डॉक्टर आशा के साथ गलत व्यवहार करते हैं। हर काम में फोटो डालने का आशाओं पर दबाव बनाया जाता है। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों के पास से प्राइवेट लड़के हटाये जाये। उन्होंने सीएमएस को ज्ञापन देकर समस्याओं का निस्तारण न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। यहां सरस्वती पांडे, शशिबाला, रमा यादव, सुनीता विश्नोई, कमलेश सैनी, अनीता कश्यप, अलका चौहान, उमा चौहान, मधुबाला, कुसुमपाल, चंद्रकला आदि मौजूद रहे।

काशीपुर के सरकारी अस्पताल में प्रदर्शन करतीं आशा कार्यकत्रियां। ● अमृत विचार

खटीमा में मांगों को लेकर धरना देतीं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां। ● अमृत विचार

खटीमा में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का धरना जारी

खटीमा : विभिन्न मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का आंदोलन गुरुवार को चौथे दिन भी जारी रहा। ब्लॉक अध्यक्ष पुष्पिंदर कौर के नेतृत्व में बाल विकास कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन करते हुए कार्यकत्रियों ने सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया। उनकी मुख्य मांगों में मानदेय को बढ़ाकर 18,000 रुपये करने, सेवानिवृत्ति पर 10 लाख रुपये देने और बीएलओ ड्यूटी से मुक्त करने की मांग शामिल है। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि अब वे केवल आश्वासनों से नहीं मानेंगी। जब तक सरकार उनकी मांगें पूरी नहीं करती, तब तक अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार और धरना जारी रहेगा। इस दौरान इंद्रा पोखरिया, लखविन्दर कौर, कमला बिष्ट, गंगा राना, कमला भट्ट, ममता आर्या, रेखा अधिकारी, नीलम देवी, जया बसेड़ा, सुनीता देवी, सरिता देवी, जैबू निशा, मंजू, किरन पाण्डे, ममता राना आदि मौजूद रहे।

371 मुखियाओं को भेजा नोटिस

जसपुरः ब्लॉक की 30 ग्राम पंचायतों में परिवार रजिस्टर के सत्यापन के दौरान भारी अनियमितता मिली है। डीएम के निर्देश पर एसडीएम राहुल शाह द्वारा कराई गई जांच में 371 परिवारों की प्रविष्टियां बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के दर्ज पाई गईं। इन प्रविष्टियों के जरिए कुल 1766 व्यक्तियों के नाम रजिस्टर में शामिल किए गए हैं, जिनका 2005 से पहले संबंधित गांवों से कोई रिकॉर्ड नहीं मिला। एसडीएम ने एडीओ पंचायत को इन सभी परिवारों को नोटिस जारी कर साक्ष्य प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। एसडीएम राहुल शाह ने बताया कि यदि निर्धारित समय में वैध अभिलेख पेश नहीं किए गए, तो इन नामों को तत्काल विलोपित कर दिया जाएगा। प्रशासन की इस कार्रवाई से फर्जी तरीके से रजिस्टर में नाम दर्ज कराने वालों में हड़कंप मचा है। यह कदम सरकारी दस्तावेजों में पारदर्शिता और शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

छात्राओं को बाइक सवार ने मारी टक्कर, घायल

काशीपुर : बृहस्पतिवार की दोपहर छुट्टी के बाद मानपुर रोड निवासी नामिया और भावना घर के पास स्कूल बस से उतर रही थी। इस दौरान बाइक सवार दोनों को टक्कर मारकर फरार हो गया। आशा शमा परवीन ने परिजनों के साथ दोनों को एलडी भट्ट राजकीय उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया। चिकित्सक ने इलाज के बाद दोनों को छुट्टी दे दी है।

गन्ना नीति के निर्धारण को लेकर सुझाव मांगे

काशीपुर में अधिकारियों की बैठक लेते आयुक्त त्रिलोक सिंह मर्तोलिया।

- गन्ना आयुक्त ने सहायक गन्ना आयुक्तों एवं ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षकों की ली बैठक

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः गन्ना एवं चीनी उद्योग आयुक्त ने विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर पेराई सत्र 2026-27 के लिये गन्ना नीति निर्धारण को सुझाव लिए। साथ ही गन्ना क्षेत्रफल में वृद्धि करने के लिए हर संभव प्रयास करने के निर्देश दिये गये।

गुरुवार को गन्ना एवं चीनी उद्योग कार्यालय सभागार में आयुक्त त्रिलोक सिंह मर्तोलिया ने प्रदेश के सहायक गन्ना आयुक्तों एवं ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षकों की बैठक ली। गन्ना आयुक्त ने कहा कि सभी ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक गन्ना सर्वेक्षण कार्य के लिए टैबलेट की उपलब्धता सुनिश्चित कर लें, ताकि गन्ना सर्वे कार्य सुचारू रूप से किया जा सके। बसंत कालीन गन्ना बुवाई कार्य की समीक्षा की गयी। पौधशाला स्थापना की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने सभी ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षकों को निर्देशित किया की आवंटित लक्ष्य के सापेक्ष शत प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित की जाये। निर्देश देते हुए कहा कि पेराई सत्र 2025-26 एवं विगत पेराई सत्रों के अवशेष गन्ना मूल्य एवं गन्ना विकास अंशदान का पूर्ण भुगतान किया जाये। साथ ही गन्ना विकास परिषदों को भी गन्ना विकास अंशदान का भुगतान तत्काल सुनिश्चित किया जाये। इस मौके पर अपर आयुक्त चंद्र सिंह इमलाल, प्रचार एवं जनसंपर्क अधिकारी नीलेश कुमार, सहायक चीनी आयुक्त सुप्रिय मोहन, सहायक गन्ना आयुक्त मुख्यालय आशीष नेगी तथा सहायक गन्ना आयुक्त हरिद्वार एवं ऊधमसिंह नगर भी मौजूद रहे।

20 लाख के चेक बाउंस मामले में अभियुक्त को बरी कर दिया

संवाददाता, काशीपुर

- अपीलीय न्यायालय ने सुनाया फैसला, सजा की निरस्त

अमृत विचारः 20 लाख रुपये के चेक बाउंस के अभियुक्त को अपीलीय न्यायालय ने बरी कर दिया है। अवर न्यायालय ने दोषी को तीन माह की सजा और 20.50 लाख रुपये के जुर्माने से दंडित किया था।

कचनाल गाजी, कुमाऊं कॉलोनी निवासी तनु थापा ने न्यायिक मजिस्ट्रेट के यहां वर्ष 2020 में वाद दायर कर कहा था कि कुमाऊं कॉलोनी निवासी दीपा राणा ने उससे 20 लाख रुपये उधार लिये गये थे। रुपये वापस मांगने पर दीपा राणा ने 20 लाख रुपये का चेक दिया था। न्यायिक मजिस्ट्रेट/ तृतीय अपर सिविल जज, काशीपुर के द्वारा दीपा राणा को तीन माह का कारावास व 20.50 लाख रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई थी। इस आदेश के खिलाफ दीपा राणा ने अपने अधिवक्ता अमरीश अग्रवाल के माध्यम से एक अपील न्यायालय प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश, काशीपुर के यहां दायर की। दीपा राणा के अधिवक्ता अमरीश अग्रवाल के द्वारा कहा गया कि तनु थापा ने अपने बयानों में कहा है कि वह केवल 20-25 हजार रुपये प्रतिमाह कमाती है और 3,500 रुपये प्रतिमाह किराये में खर्च करती है, तो ऐसी स्थिति में केवल 20-25 हजार रुपये प्रतिमाह कमाने वाला व्यक्ति 20 लाख रुपये कैसे उधार दे सकता है, जबकि उसकी हैसियत इतनी नहीं है। इसके अलावा यह रकम किसी इनकम टैक्स रिटर्न में भी नहीं दिखायी गयी। अधिवक्ता अमरीश अग्रवाल की बहस व तर्कों से संतुष्ट होकर प्रथम अपर जिला सत्र न्यायाधीश मनोज गर्ब्याल की अदालत ने दीपा राणा को न्यायिक मजिस्ट्रेट काशीपुर द्वारा 08 दिसंबर 2022 को चेक बाउंस में दी गयी सजा को निरस्त कर दोषमुक्त कर दिया। साथ ही आदेश दिया गया अर्थदंड के रुप में जमा धनराशि अपीलार्थी प्राप्त करने की अधिकारी होगी।

पर्यावरण-विकास की आवश्यकता पर दिया बल

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में विषय विशेषज्ञों ने भारत को विश्व की तीव्र गति से विकसित हो रही प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बताते हुए समावेशी, उत्तरदायी और पर्यावरण-संवेदी विकास की आवश्यकता पर बल दिया।

काशीपुर के सम्मेलन में प्रतिभाग करने पहुंचे विषय विशेषज्ञ। ● अमृत विचार

गुरुवार को भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर में भारत के भविष्य के लिए सतत प्रबंधन रणनीतियां विषय पर आयोजित द्वितीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के प्रथम दिवस का सफल आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों, नीति-निर्माताओं एवं शोधकर्ताओं ने सक्रिय सहभागिता की। सम्मेलन का शुभारंभ प्रो. सोमनाथ चक्रवर्ती के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन 'विकसित भारत 2047' की परिकल्पना के अनुरूप है, जो जलवायु परिवर्तन एवं संसाधन-संबंधी चुनौतियों के बीच संतुलित एवं सतत विकास को केंद्र में रखता है।

मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. रामा मोहन आर तुरागा, प्रोफेसर, लोक तंत्र अध्ययन समूह, भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद, ने "भारत में पर्यावरणीय स्थिरता के लिए शासन मूल्यांकन एवं आगे की दिशा" विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। प्रो. बी. महादेवन, पूर्व प्रोफेसर, भारतीय प्रबंधन संस्थान बैंगलोर, ने भारतीय ज्ञान प्रणाली की वैज्ञानिक एवं तकनीकी उन्नति पर प्रकाश डालते हुए प्राचीन वास्तुकला के उदाहरण प्रस्तुत किए, जो आज भी समय की कसौटी पर खरे उतरते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि प्राचीन भारतीय ज्ञान एवं गणितीय सिद्धांतों का उपयोग समकालीन लोक प्रशासन एवं प्रबंधन में कैसे किया जा सकता है। आईआईएम के निदेशक प्रो. नीरज द्विवेदी ने कहा कि यह केवल पर्यावरणीय उत्तरदायित्व तक सीमित नहीं है, बल्कि आर्थिक सुदृढ़ता, सामाजिक समावेशन, नैतिक शासन और दीर्घकालिक मूल्य सृजन से भी जुड़ी हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि स्थिरता प्रबंधन अब वैकल्पिक अवधारणा नहीं रह गया है, बल्कि नेतृत्व, संस्थागत सोच और विकास के केंद्र में स्थापित हो चुका है। प्रो. अल्का आर्या द्वारा आगामी तीन दिनों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए प्रमुख विषयों एवं जिम कॉर्बेट में प्रस्तावित प्रकृति भ्रमण की जानकारी दी। बताया कि आगामी दो दिनों में सम्मेलन के तहत शोध प्रस्तुतियां, पैनल चर्चाएं और संवादात्मक सत्र आयोजित किए जाएंगे।

पिता-पुत्र पर किया जानलेवा हमला

बाजपुरः क्षेत्र के ग्राम चकरपुर में दबंगों द्वारा बीच सड़क पर विवाद कर एक व्यक्ति पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। हमले में घायल व्यक्ति के सिर पर गंभीर चोट आई है, जिनका अस्पताल में उपचार चल रहा है।

पीड़ित विशाल उर्फ मंत्री ने पुलिस को बताया कि गुरुवार सुबह करीब आठ बजे जब वह बाइक से जा रहा था, तब एक युवक सड़क पर लेट गया और विवाद करने लगा। जब विशाल ने विरोध किया, तो आरोपी ने उसके साथ बदतमीजी की। घर आकर विशाल ने घटना की जानकारी अपने पिता रामनाथ को दी। आरोप है कि जब पिता-पुत्र मौके पर जाकर बात करने लगे, तो आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर उन पर हमला बोल दिया।

जसपुर में जनगणना के लिए ट्रेनिंग शुरू

संवाददाता, जसपुर

अमृत विचारः आगामी भारत की जनगणना को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए जसपुर में व्यापक स्तर पर प्रशिक्षण अभियान शुरू किया गया है। गुरुवार को नगर और ग्रामीण क्षेत्र के प्रगणकों व पर्यवेक्षकों को पहले चरण का प्रशिक्षण देकर जनगणना की बारीकियों से अवगत कराया गया।

ग्रामीण क्षेत्र के कार्मिकों के लिए पूर्णानंद इंटर कॉलेज और ब्लॉक सभागार में प्रशिक्षण शिविर लगाए गए। वहीं, नगर क्षेत्र के लिए जीजीआईसी सभागार में कार्यक्रम हुआ। एसडीएम राहुल शाह, तहसीलदार दलीप सिंह और बीडीओ केके कांडपाल ने ब्लॉक परिसर में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। ट्रेनरों ने वीडियो प्रोजेक्टर के माध्यम से फील्ड में डेटा संकलन के सही तरीकों और डिजिटल एंट्री के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

नगर पालिका अध्यक्ष नौशाद सम्राट और ईओ उदयवीर सिंह ने जीजीआईसी में प्रगणकों को संबोधित करते हुए इसे राष्ट्रीय महत्व का कार्य बताया। पालिका लिपिक आसिफ सिद्दीकी ने जानकारी दी कि प्रशिक्षण तीन चरणों में (9-11 अप्रैल, 16-18 अप्रैल और 20-22 अप्रैल) आयोजित होगा। सुचारू संचालन के लिए कार्मिकों के 50-50 के बैच बनाए गए हैं।

बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज

काशीपुरः पैदल जा रहे दंपत्ति को मोटरसाइकिल ने टक्कर मार दी। उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। मृतका के बेटे ने आरोपी अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ तहरीर सौंपी है।

बरखेड़ा पांडे निवासी सोमपाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 03 अप्रैल को सुबह उसके पिता जागन सिंह और माता लीलावती जानवरों के लिए घास लेने के लिए साइकिल से पैदल महुआखेड़ागंज की ओर जा रहे थे। हिमालयन फूड पार्क के सामने पहुंचे पीछे से एक बाइक के चालक ने उनको जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गये। बाइक चालक फरार हो गया। सूचना पर उसने दोनों को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया।

बाजपुर के पीजी कॉलेज में छात्रा को बधाई देते प्राचार्य प्रो .बीके सिंह। ● अमृत विचार

एंजिला ने नेट-जेआरएफ में हासिल की सफलता

बाजपुर : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के इतिहास विभाग की छात्रा एंजिला मित्तल ने नेट-जेआरएफ परीक्षा क्वालीफाई कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। एंजिला ने पहले प्रयास में नेट पास किया था, जिसके बाद उन्होंने जेआरएफ के लिए दोबारा कड़ी मेहनत की और सफलता प्राप्त की। पिता विजय मित्तल और गुरुजनों को श्रेय देते हुए एंजिला ने कहा कि वे भविष्य में इतिहास से पीएचडी कर शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करना चाहती हैं। प्राचार्य प्रो. बीके सिंह और इतिहास विभाग के शिक्षकों ने इसे गौरव का क्षण बताते हुए एंजिला को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

इंटर्नशिप स्कीम में पंजीकरण के लिए कार्यशाला हुई

काशीपुरः चन्द्रावती तिवारी कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, काशीपुर में पीएमआईएस फेज-तीन (प्राइम मिनिस्टर इंटर्नशिप स्कीम) में छात्राओं के पंजीकरण के लिये एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित छात्राओं के तत्काल पंजीकरण किए गए। जिसमें वाणिज्य विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर विजेंद्र कुमार द्वारा उपयुक्त विषय पर विस्तारित जानकारी दी गई। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. कीर्ति पंत, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. दीपिका गुडिया आत्रेय, डॉ. वंदना सिंह, डॉ. रमा अरोरा, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. दीपा चनियाल, डॉ. गीता मेहरा, डॉ. अंजलि गोस्वामी, डॉ. रंजना आदि मौजूद रहे।

कोतवाल नरेश चौहान से मुलाकात करते ई-रिक्शा चालक। ● अमृत विचार

उत्पीड़न के विरोध में ई-रिक्शा चालकों का प्रदर्शन

बाजपुर : पुलिस की कार्रवाई से नाराज ई-रिक्शा चालकों ने गुरुवार को नवदीप सिंह कंग के नेतृत्व में कोतवाली में प्रदर्शन किया। चालकों ने आरोप लगाया कि प्रशासन अनावश्यक चालान और सीज की कार्रवाई कर उनकी रोजी-रोटी छीन रहा है। कंग ने कहा कि भारी वाहनों पर लगाम लगाने के बजाय गरीब चालकों को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि शहर के बाहर चलने वाले रिक्शाओं को रियायत दी जाए। पुलिस अधिकारियों ने चालकों को नियमों के पालन की हिदायत देते हुए उचित समाधान का आश्वासन दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में चालक मौजूद रहे।

जोश | प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा के प्रथम आगमन पर कार्यकर्ताओं में उत्साह

शैलजा ने कार्यकर्ताओं को दिया जीत का मंत्र

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचारः उत्तराखंड कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा के प्रथम बार बाजपुर पहुंचने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। गुरुवार को नैनीताल स्टेट हाईवे स्थित कांग्रेस नेता उदयन कपूर और पीसीसी सदस्य वरुण कपूर के फार्म हाउस पर आयोजित कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिला।

उत्तराखंड कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा का स्वागत करते कार्यकर्ता।

कार्यक्रम के दौरान कुमारी शैलजा ने आगामी चुनावों को लेकर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ गहन मंथन किया। उन्होंने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर जनसंपर्क को प्रभावी बनाना होगा।

इस अवसर पर महिला कांग्रेस की पूर्व जिलाध्यक्ष रीना कपूर ने उन्हें शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य और किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हरमिंदर सिंह ढिल्लो सहित कई दिग्गज नेता मौजूद रहे। यशपाल आर्य ने कहा कि प्रदेश प्रभारी के मार्गदर्शन से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। कार्यक्रम में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव गुरदीप सिंह सप्पल, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, उपनेता प्रतिपक्ष भुवन कापड़ी, पूर्व कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत, वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रीतम सिंह, रणजीत सिंह रावत, महेंद्र पाल सिंह, प्रकाश जोशी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा, संजय कपूर सहित कई वरिष्ठ नेता एवं स्थानीय स्तर पर कांग्रेस नगराध्यक्ष सत्यवान गर्ग, हरमिंदर सिंह बरार, सतीश गोयल, इंदरप्रीत सिंह संधू, नवदीप कंग, सरताज औलख, पुष्कर जैन, श्यामलाल सुखीजा, संदीप सहगल, कदीर अहमद, फुरकान रजा, अराज सिद्धू आदि मौजूद रहे।

सद्भावना वॉलीबाल टूर्नामेंट का शुभारंभ करते भाजपा नेता सुखदेव सिंह नामधारी।

गुलड़िया में सद्भावना वॉलीबाल टूर्नामेंट शुरू

बाजपुर : ग्राम गुलड़िया में वरिष्ठ भाजपा नेता सुखदेव सिंह नामधारी की धर्मपत्नी स्व. हरजिन्दर कौर की स्मृति में दो दिवसीय प्रथम सद्भावना वॉलीबाल टूर्नामेंट का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि सुखदेव सिंह नामधारी ने खेल को शारीरिक विकास और आपसी भाईचारे का सशक्त माध्यम बताया। ग्राम प्रधान रश्मि दिवाकर के नेतृत्व में शुरू हुए इस टूर्नामेंट में विभिन्न टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष ग्रामीण कन्नू जोशी, मंडल महामंत्री वीरेंद्र बिष्ट, मोहन सिंह दिवाकर, परमजीत सिंह सैनी, कुनाल सैनी, वासुदेव, प्रवीण देउपा, राजेंद्र सैनी, तालिब और अल्फाज हुसैन आदि मौजूद रहे।

ब्रीफ न्यूज

अंकिता पंत बनीं यूथ विधानसभा अध्यक्ष

रानीखेत : रानीखेत में अंकिता पंत को उत्तराखंड प्रदेश युवा कांग्रेस के अंतर्गत रानीखेत विधानसभा अध्यक्ष चुना गया। उनके चयन से कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। सभी ने उन्हें बधाई देते हुए भरोसा जताया कि उनके नेतृत्व में संगठन और मजबूत होगा। अंकिता पंत ने वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने और क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित रहेंगी। उन्होंने युवाओं और महिलाओं को जोड़कर संगठन को सशक्त बनाने का संकल्प लिया। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा सहित नेताओं ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में संगठन नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा।

मंत्री ने विद्युत उत्पादन संबंधी जानकारी ली

बनबसा : बनबसा में कृषि एवं सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने एक दिवसीय दौरे पर टनकपुर स्थित एनएचपीसी पावर स्टेशन का निरीक्षण किया। पावर स्टेशन प्रमुख ऋषि रंजन आर्य ने उनका स्वागत किया और विभिन्न मशीनों, टरबाइनों व विद्युत उत्पादन की जानकारी दी। मंत्री ने एनएचपीसी के विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह राज्य की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका निभा रहा है।

विद्यालयों में नई समय सारणी पर शिक्षक संगठनों ने खोला मोर्चा

बोले शिक्षक- समय में परिवर्तन भौगोलिक परिस्थिति के अनुरूप सही नहीं

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: प्रदेश में स्कूलों के खुलने और बंद होने की नई समय सारणी जारी होने से शिक्षकों में नाराजगी है। कुमाऊं मंडल राजकीय शिक्षक संघ समेत तमाम जिला राजकीय शिक्षक संगठन ने विरोध करते हुए कहा कि पहाड़ की भौगोलिक परिस्थिति के अनुरूप नई समय सारणी सही नहीं है। इसलिए पुरानी ही लागू किया जाए।

सचिव विद्यालयी शिक्षा की ओर से जारी पत्र के अनुसार प्रदेश में राजकीय विद्यालयों के लिए नई स्कूल समय सारणी तैयार की गई है। राजकीय शिक्षक संघ के अध्यक्ष रवि शंकर गुसाईं ने कहा कि नई समय सारणी के अनुसार ग्रीष्मकाल में विद्यालय प्रातः 7.45 खोले जाएंगे एवं दोपहर 2.05 बजे बंद होंगे जबकि शीतकाल में विद्यालय प्रातः 8.50 बजे खुलेंगे और अपराह्न 3.10 बजे बंद होंगे। कहा कि नई समय सारणी प्रदेश की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए न तो तर्कसंगत है और न ही प्रदेश में विद्यालयों की भौतिक स्थिति के अनुरूप। ग्रीष्मकाल में दोपहर एक से तीन बजे तक भीषण गर्मी होने के कारण दोपहर 2.05 बजे तक स्कूल खोले रखना उचित नहीं है। वहीं, गांवों की विद्यालयों से अधिक दूरीसमेत कई दिक्कतों के कारण शीतकाल में प्रातः 8.50 बजे विद्यालय खोलना उचित नहीं है।

"समय सारिणी में विद्यार्थियों के हित बिल्कुल ध्यान नहीं दिया गया है। राज्य की भौगोलिक विविधता, जहां कुछ क्षेत्र पूर्णत: पर्वतीय, कुछ मैदानी तथा कुछ मिश्रित है, को देखते हुए शिक्षाविदों एवं शिक्षक संगठनों को विमर्श में शामिल करते हुए एवं प्रदेश की भौगोलिक विविधता को संज्ञान में लेने हुए समय सारिणी का निर्माण किया जाना आवश्यक है। **-रवि शंकर गुसाईं**, मंडलीय अध्यक्ष राजकीय शिक्षक संघ, कुमाऊं मंडल

"नई स्कूल समय सारिणी थोपना बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा के हित के विरुद्ध है। यह बदलाव एनईपी-2020 के नाम पर थोपा गया लेकिन स्थानीय जलवायु को नजर अंदाज किया गया है। एनईपी 2020 में कई अन्य भौतिक और मानवीय संसाधनों के मानक हैं। जिनकी अनदेखी की जा रही है, उस पर ध्यान दिया जाना ज्यादा आवश्यक है। **-भारतेंदु जोशी**, मंडलीय मंत्री, राजकीय शिक्षक संघ, कुमाऊं मंडल

"पर्वतीय क्षेत्रों में कई छात्र दूर-दराज के गांवों से पैदल, जंगलों और दुर्गम रास्तों से स्कूल आते हैं। ऐसे में देर से छुट्टी होने पर उनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य पर खतरा बढ़ जाएगा। वहीं, इस निर्णय से अभिभावकों में भी चिंता और असंतोष है। सरकार ग्रीष्मकालीन समय-सारिणी को पूर्ववत की तरह लागू रखें। **-भूपाल सिंह चिलवाल**, जिलाध्यक्ष राजकीय शिक्षक संघ, अल्मोड़ा

"यह नई व्यवस्था छोटे बच्चों के मनोविज्ञान और पहाड़ की कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बिल्कुल विपरीत है। प्राथमिक स्तर के बच्चों की एकाग्रता क्षमता केवल 20-30 मिनट होती है। प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के लिए पृथक-पृथक समय सारणी बनाई जाए। विशेष रूप से कक्षा 1-2 के बच्चों के लिए समय को लचीला और कम रखा जाए। **-गणेश भंडारी**, अध्यक्ष, उत्तरांचल स्टेट प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन

प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन ने भी जताया विरोध

अल्मोड़ा : उत्तरांचल स्टेट प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन ने भी मोर्चा खोल दिया है। एसोसिएशन की लमगड़ा शाखा की कार्यकारिणी ने कहा कि यह नई व्यवस्था बच्चों के मनोविज्ञान और पहाड़ की कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बिल्कुल विपरीत है। उन्होंने प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के लिए पृथक-पृथक समय-सारणी बनाई जाने, कक्षा 1-2 के बच्चों के लिए समय को लचीला और कम रखे जाने, भौगोलिक परिस्थितियों और मौसम को ध्यान में रखते हुए बदलाव करने आदि की मांग उठाई।

अधिकार क्षेत्र से बाहर के आदेशों का होगा विरोध

अल्मोड़ा: मांगों के निराकरण को लेकर डिप्लोमा इंजीनियर्सों का रोष बढ़ता जा रहा है। गुरुवार को भी इंजीनियर्स धरने में डटे रहे। इस दौरान शासन-प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन कर जमकर नारेबाजी की। चेतावनी दी कि जल्द मांगें पूरी नहीं हुई तो समस्त इंजीनियर्स उग्र आंदोलन को बाध्य होंगे।

विभिन्न विभागों के डिप्लोमा इंजीनियर्स ने गुरुवार को भी हड़ताल जारी रख रोष व्यक्त किया। कहा कि कुछ अधिकारियों की ओर से अपने अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण करते हुए आदेश निर्गत कर दिए जा रहे हैं। कहा कि ऐसे आदेशों का महासंघ पुरजोर विरोध करेगा। साथ ही आदेशों की वैधानिकता को भी विभिन्न मंचों से चुनौती देगा। इधर, हड़ताल के चलते विभिन्न विकास कार्यों प्रभावित हो गए है। डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ ने चेतावनी दी कि जब तक उनकी 27 सूत्रीय मांगों को पूरा नहीं किया जाता हड़ताल जारी रहेगी। यहां प्रदर्शन करने वालों में रिनी पांडे, हिमांशु जोशी, जीएस मेहरा, ललित बिष्ट, सूरज सिंह रावत, हितांशी नैलवाल, कुंदन बिष्ट, नितीश रावत, मनोज कुमार, नीरू थापा, प्रेमा पाठनी, ललित बिष्ट, यश मेहरा आदि मौजूद रहे।

छात्र-छात्राओं ने सफल उद्यमी बनने के सीखे गुर

महाविद्यालय भतरौंजखान में उद्यमिता विकास कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोग।

संवाददाता, अल्मोड़ा

- राजकीय महाविद्यालय में उद्यमिता विकास पर हुआ कार्यक्रम
- उद्यमिता योजना और विभिन्न आयामों पर हुई चर्चा

अमृत विचार: राजकीय महाविद्यालय भतरौंजखान में गुरुवार को उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान उत्तराखंड में उद्यमिता के विस्तार क्षेत्र एवं संभावनाएं को लेकर चर्चा की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला समन्वयक महेंद्र सिंह रौतेला ने किया। साथ ही कार्यक्रम में पीपीटी के माध्यम से देवभूमि उद्यमिता योजना, उद्यमिता के विभिन्न आयाम, उत्तराखंड में उद्यमिता के विस्तार क्षेत्र एवं संभावनाएं, हिम टिहरी, ब्लिंकिट, डिजिटल नोमाड विलेज, हेरिटेज टूरिज्म, एग्रो प्रोसेसिंग, लेंसकार्ट जैसे सफल उद्यमों की चर्चा की गई। वहीं, विद्यार्थियों को एक सफल उद्यमी बनने के गुर भी सिखाए गए। साथ ही विद्यार्थियों की अभिरुचियों का मूल्यांकन करने के लिए एक लघु परीक्षा भी आयोजित कर प्रामाण पत्र बांटे गए।

यहां प्राचार्य प्रो. पुष्पेश कुमार पांडेय, नोडल अधिकारी डॉ. केतकी तारा कुमैय्या, डॉ. पूनम, प्रीति, सुनीता भट्ट, भूपेंद्र, अरुण, गिरीश, धर्मेंद्र गिरी, विकास कोली, धर्मेंद्र, प्रवेश, मोहित बिमला, लकी, बबली, भावना, गीता, किरण, कोमल, दीपा, ज्योति, प्रेरणा, शीतल, पूनम, दीपक, दिव्या समेत कई छात्र-छात्राएं मौजूद रही।

सीएम घोषणाओं के कार्यों में तेजी लाएं

- डीएम ने सीएम घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक ली
- अधिकारियों को तय समय में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए

संवाददाता, अल्मोड़ा

अल्मोड़ा कलक्ट्रेट में गुरुवार को सीएम घोषणाओं की समीक्षा बैठक लेते डीएम।

अमृत विचार: डीएम अंशुल सिंह ने गुरुवार को मुख्यमंत्री घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने घोषणाओं के कार्यों में तेजी लाने के अधिकारियों को निर्देश दिए।

कलक्ट्रेट में आयोजित बैठक में डीएम ने कहा कि मुख्यमंत्री घोषणाएं सरकार की प्राथमिकता में हैं। इनके क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही या विलंब स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने और प्रगति पर चल रहे कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने कहा कि सभी विभाग अपने-अपने कार्यों की अद्यतन स्थिति समय-समय पर पोर्टल पर अपलोड करें, ताकि उच्च स्तर पर सटीक जानकारी उपलब्ध हो सके। साथ ही उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने और कहा कि योजनाओं का लाभ सीधे आमजन तक प्रभावी रूप से पहुंचना चाहिए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि परियोजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की नियमित समीक्षा की जाए तथा कार्यों में आ रही बाधाओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए।

इसके अलावा सभी विभागों को निर्धारित प्रारूप में समय से अद्यतन सूचनाएं उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में सीडीओ रामजी शरण शर्मा, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी रेणु भंडारी समेत अन्य मौजूद रहे।

सीएम धामी की पहल से जिले में फैलेगा उजियारा

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में चम्पावत जिले के ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। जिले में सोलर ऊर्जा आधारित पथ-प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ करने को 217 सोलर स्ट्रीट लाइटों की स्थापना को मंजूरी दी है। इस कार्य को डीएम मनीष कुमार के निर्देशन में उरेडा के माध्यम से संचालित किया जा रहा है।

योजना के अंतर्गत कई प्रमुख स्थानों पर सोलर हाईमास्ट लाइटें स्थापित की जा चुकी हैं, जिनमें छतकोट, मंच, गुरु गोरखनाथ मंदिर, टनकपुर, बनबसा स्टेडियम और अन्य सार्वजनिक स्थल शामिल हैं। इन स्थानों पर बेहतर रोशनी की व्यवस्था से सुरक्षा और सुविधा में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इसके अलावा, 88 से अधिक ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में सोलर स्ट्रीट लाइटें लगाई जा रही हैं, जिससे रात्रि के समय आवागमन सुरक्षित और सुगम होगा। इससे दुर्घटनाओं में कमी आने के साथ ही महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी।

धार्मिक स्थलों, विद्यालयों, स्वास्थ्य केंद्रों और प्रमुख मार्गों पर प्रकाश व्यवस्था बेहतर होने से सामाजिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। यह परियोजना न केवल ऊर्जा संरक्षण को प्रोत्साहित करती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक अहम कदम है, जो चम्पावत को सतत और हरित विकास की ओर अग्रसर कर रही है।

यातायात नियमों की जानकारी दी

संवाददाता, रानीखेत

अमृत विचार: राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस प्रकोष्ठ के एक दिवसीय सामान्य शिविर में रोवर्स रेंजर एवं एनसीसी के संयुक्त तत्वावधान द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं एवं आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना था।

इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसके माध्यम से सड़क सुरक्षा के महत्व, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग, नशे में वाहन न चलाने तथा यातायात नियमों के पालन का प्रभावशाली संदेश दिया गया। नाटक ने उपस्थित जनसमूह को जागरूक करने के साथ-साथ भावनात्मक रूप से भी प्रभावित किया।

महाविद्यालय में सड़क सुरक्षा जागरूकता के तहत नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करते छात्र।

कार्यक्रम में एआरटीओ मुकेश कुमार जोशी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने पर बल देते हुए कहा कि छोटी-छोटी सावधानियां बड़े हादसों को रोक सकती हैं। इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बबीता कांडपाल, रोवर्स रेंजर अधिकारी डॉ. प्रमोद जोशी एवं एनसीसी अधिकारी डॉ. शंकर कुमार की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य प्रो. पीएन तिवारी ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा का महत्वपूर्ण पहलू है। कार्यक्रम में समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में सभी ने सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने एवं दूसरों को भी जागरूक करने का संकल्प लिया।

परिवहन मजदूर संघ की नई कार्यकारिणी के दौरान मौजूद नव निवार्चित पदाधिकारी।

मनीष शाखा अध्यक्ष और भगवंत बने मंत्री

अल्मोड़ा, अमृत विचार : उत्तरांचल परिवहन मजदूर संघ की गुरुवार को बैठक आयोजित हुई। बैठक में संघ की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा के साथ ही नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें मनीष जोशी को शाखा का अध्यक्ष और भगवंत मेहरा को मंत्री चुना गया। बैठक के दौरान सदस्यों ने नई कार्यकारिणी के गठन में अध्यक्ष और मंत्री के अलावा चंद्रशेखर जोशी को उपाध्यक्ष, गिरधारी और मीना जोशी को संयुक्त मंत्री, गौरव साह को संगठन मंत्री, चतर सिंह को कोषाध्यक्ष, राम लाल को सम्प्रेक्षक, दीपक कुमार, सार्थक और ललित राणा को शाखा का कार्यकारिणी सदस्यत चुना गया। वहीं, सूरज टम्टा को कार्यालय सचिव, कौशल, मदन बिष्ट और मीना जोशी को क्षेत्रीय सदस्य चुना गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत बनाने के लिए संघर्ष करने का संकल्प लिया। इस मौके पर यहां राम प्रीत यादव, विरेंद्र बिष्ट, ललित मोहन पांडे समेत कई लोग मौजूद रहे।

नियमों के उल्लंघन पर 25 पर कार्रवाई

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: पर्यटन सीजन के बीच नगर में पुलिस ने यातायात चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान नियमों के उल्लंघन पर 25 लोगों पर चालानी कार्रवाई की गई। वहीं, पुलिस द्वारा वाहन चालकों को सुरक्षित ड्राइविंग के लिए जागरूक किया गया।

एसएसपी चंद्रशेखर घोडके ने पर्यटन सीजन के दृष्टिगत सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम व यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। इसी क्रम में गुरुवार को अल्मोड़ा पुलिस ने अलग-अलग स्थानों में चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग अभियान के दौरान दोषपूर्ण नंबर प्लेट, वाहन के खिड़कियों के शीशों पर काली फिल्म लगाने वालों व यातायात नियमों का उल्लघंन करने वाले कुल 25 वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई की गई। वहीं, शराब के नशे में मोटर साइकिल दौड़ा रहे चालक को गिरफ्तार कर वाहन सीज किया गया। इसके साथ ही सभी टैक्सी, बस चालकों को सुरक्षित ड्राईविंग के लिये क्षमता से अधिक सवारी न बिठाने, नशे में वाहन न चलाने, खतरनाक तरीके से वाहन न चलाने आदि उचित हिदायतें दी गई। यात्रियों से अपील की गई कि कोई वाहन चालक ओवर लोडिंग, नशे में वाहन चलाता है या खतरनाक तरीके से वाहन चलाता है तो उसकी शिकायत तत्काल डायल 112 में करे।

अल्मोड़ा में यातायात चेकिंग अभियान चलाते पुलिस टीम। ● अमृत विचार

सीएम जल्द देंगे दून-टनकपुर हैली सेवा को हरी झंडी

टनकपुर: जनपद चम्पावत के लिए बड़ी सौगात के रूप में अब देहरादून से टनकपुर तक की दूरी कुछ ही समय में तय की जा सकेगी। सीएम पुष्कर सिंह धामी द्वारा देहरादून से टनकपुर तक हैली सेवा को शीघ्र प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया है।

मुख्यमंत्री ने इस महत्वाकांक्षी पहल को अप्रैल के अंत तक प्रारंभ करने की योजना है, जिससे जनपद चम्पावत सीधे राजधानी देहरादून से हवाई संपर्क से जुड़ जाएगा। इस हैली सेवा के शुरू होने से जनपद के नागरिकों को सुगम आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी, वहीं पर्यटकों का भी चम्पावत पहुंचना आसान होगा। विशेष रूप से मां पूर्णागिरि धाम में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी।

चम्पावत में डीएम कार्यालय के माध्यम से ज्ञापन देते कांग्रेस कार्यकर्ता।

राहत कोष में हुआ नियमों का उल्लंघन

चम्पावत, अमृत विचार : कांग्रेस ने मुख्यमंत्री विवेकाधीन राहत कोष के वितरण में अनियमिताओं का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। इसे लेकर गुरुवार को जिलाध्यक्ष चिराग सिंह फर्त्याल के नेतृत्व में डीएम कार्यालय के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजा गया। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि आर्थिक सहायता राशि के वितरण में नियमों की अनदेखी की गई है। वास्तविक लाभार्थियों को उचित आर्थिक सहायता नहीं देकर कुछ खास लोगों को नियमों का उल्लंघन कर लाभ पहुंचाया गया है। कहा गया है कि लाभार्थियों की सूची में लाभार्थियों के नाम के स्थान पर अध्यक्ष, जिलाधिकारी, नेम आदि भी अंकित किया गया है, जो अत्यंत चिंताजनक है। पार्टी ने मामले की जांच करने के साथ जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक करने की मांग की है। ऐसा नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई है। ज्ञापन देने वालों में एडवोकेट निर्मल तड़ागी, उमेश शर्मा, पवन ढेक, सचिन महरा, मुरलीधर जोशी आदि शामिल थे।

उपभोक्ताओं की समस्याएं सुनीं

संवाददाता, बनबसा

अमृत विचार: विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच, पिथौरागढ़ सर्किल द्वारा बनबसा के ग्रामीण क्षेत्र बेलबंद गोठ स्थित प्राथमिक विद्यालय परिसर में विद्युत उपभोक्ता की समस्याओं के निस्तारण सुनवाई एवं शिविर आयोजित किया गया।

इस दौरान कुल 22 शिकायतें मंच के समक्ष प्राप्त हुईं, जिनमें से 5 शिकायतों को विधिवत सुनवाई हेतु दर्ज किया गया, जबकि 17 मामलों का निस्तारण विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में मौके पर ही कर दिया गया। इन शिकायतों का समाधान मंच के उपभोक्ता सदस्य शशि भूषण मैठाणी एवं तकनीकी सदस्य सुबोध कुमार त्यागी द्वारा किया गया। उपभोक्ता सदस्य शशि भूषण मैठाणी ने विभाग को निर्देशित किया कि 10 दिनों के भीतर क्षेत्र में जारी आईडीएफ एवं आरडीएफ श्रेणी के बिलों का विस्तृत ब्यौरा मंच को उपलब्ध कराया जाए। उपभोक्ताओं को केवल एमयू श्रेणी के बिल ही प्रदान किए जाएं। यदि किसी उपभोक्ता को दो से अधिक आईडीएफ/आरडीएफ श्रेणी के त्रुटिपूर्ण बिल जारी किए जाते हैं, तो ऐसे सभी बिल निरस्त किए जाएंगे। तकनीकी सदस्य सुबोध कुमार त्यागी ने कहा नए विद्युत कनेक्शन जारी करने में अनावश्यक देरी न हो और निर्धारित समय सीमा के भीतर कनेक्शन उपलब्ध कराया जाए। देरी होने की स्थिति में उपभोक्ता मुआवजा पाने के हकदार हैं, और यदि ऐसे मामले मंच के समक्ष आते हैं तो नियमानुसार मुआवजा दिलाया जाएगा। शिविर में कनिष्ठ अभियंता संजय सिंह राणा, क्षेपं प्रतिनिधि रमा चौहान, दुर्वेंद्र चौहान, नफीस खान, प्रेम राणा, महेश चंद, धर्मेंद्र कुमार, बबलू कुरैशी, गुड़िया आदि रहे।

शिविर के दौरान लोगों की समस्या सुनते अधिकारी। ● अमृत विचार

बैठक

कहा- सड़क एवं अन्य विकास कार्य वन भूमि हस्तांतरण के कारण लंबित न रहें

डीएम ने की वन भूमि हस्तांतरण मामलों की समीक्षा

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचार: जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने वन भूमि हस्तांतरण से संबंधित लंबित मामलों की समीक्षा की। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए लंबित प्रकरणों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ताकि सड़क एवं अन्य विकास कार्य वन भूमि हस्तांतरण के कारण लंबित न रहें।

जिलाधिकारी ने कहा कि जिन प्रस्तावों में भूमि उपलब्ध न होने के कारण विलंब हो रहा है, उनके समाधान हेतु तहसील स्तर पर उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित कर सभी प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण किया जाए। समरेखण विवाद वाले मामलों को सुलझाने के लिए एसडीएम के सहयोग से स्थानीय लोगों के साथ वार्ता कर समाधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, वन भूमि हस्तांतरण के जो प्रस्ताव शासन, नोडल तथा भारत सरकार स्तर पर लंबित हैं, उनका संबंधित विभागीय अधिकारी नियमित रूप से फॉलो-अप करें तथा जिन प्रस्तावों पर आपत्तियां दर्ज की गई हैं, उनका त्वरित निराकरण किया जाए। उन्होंने पेयजल निगम को निर्देशित किया कि जिन योजनाओं की वन भूमि लीज समाप्त हो चुकी है, उनका समयबद्ध नवीनीकरण कराया जाए। साथ ही, सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए कि योजनाओं का टेकओवर पूर्ण एवं सत्यापित जानकारी प्राप्त करने के उपरांत ही किया जाए। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी आदित्य रत्ना ने अवगत कराया कि लोक निर्माण विभाग, पीएमजीएसवाई एवं पेयजल निगम से संबंधित भूमि हस्तांतरण के कुल 44 प्रस्ताव विभिन्न स्तरों पर प्रक्रियाधीन हैं, जिनमें से 33 प्रस्ताव प्रस्तावक विभाग स्तर पर, 9 नोडल स्तर पर तथा 2 राज्य सरकार स्तर पर लंबित हैं।

अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेतीं जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे। ● अमृत विचार

जिला अस्पताल में बच्चों के लिए बनेगा क्रेच

बागेश्वर : जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने जिला अस्पताल परिसर में प्रस्तावित बच्चों के क्रेच निर्माण हेतु चिन्हित स्थान का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने क्रेच के लिए उपलब्ध कराए जा रहे स्थान का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि क्रेच में बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए उन्होंने विद्युत व्यवस्था, अग्नि सुरक्षा, सीसीटीवी निगरानी, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा मानकों का पालन करने के निर्देश दिए। कहा कि क्रेच निर्माण कार्य को समयबद्ध रूप से पूर्ण करते हुए 30 अप्रैल तक इसे हर हाल में तैयार कर लिया जाए ताकि अस्पताल आने वाले मरीजों एवं अस्पताल कर्मचारियों के बच्चों के लिए सुरक्षित एवं सुविधाजनक व्यवस्था उपलब्ध कराई जा सके।

अमृत विचार

शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026

अगर आप किसी से प्यार करते हैं, तो उसे जाने दें।
–खलील जिब्रान, दार्शनिक

महज रणनीतिक विराम

पश्चिम एशिया में ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच घोषित दो सप्ताह का युद्ध विराम पहली नजर में राहत देता है, परंतु इसके भीतर अस्थिरता की गहरी परतें छिपी हैं। सवाल यह नहीं कि युद्ध रुका है, बल्कि यह है कि क्या वास्तव में शांति की कोई ठोस जमीन तैयार हुई है। सबसे पहली बाधा भरोसे की है। डोनाल्ड ट्रंप के लगातार बदलते बयानों ने वार्ता की विश्वसनीयता को कमजोर किया है। जब एक पक्ष 'पूर्ण विनाश' की भाषा बोलता है और साथ ही वार्ता की भी बात करता है, तो कूटनीतिक प्रक्रिया पर स्वाभाविक रूप से संदेह पैदा होता है। ऐसे में यह मान लेना कठिन है कि अमेरिका ईरान की सभी शर्तों को स्वीकार करेगा—विशेषकर सैन्य उपस्थिति, प्रतिबंधों और परमाणु कार्यक्रम जैसे संवेदनशील मुद्दों पर। जमीनी स्थिति भी शांति के अनुकूल नहीं है।

संयुक्त अरब अमीरात द्वारा ईरान के अस्फहान और लबान द्वीप पर हमले इस संघर्ष के विस्तार का संकेत हैं। यदि क्षेत्रीय देश सीधे युद्ध में शामिल होते हैं, तो यह संघर्ष बहु-ध्रुवीय हो जाएगा, जिससे किसी भी युद्धविराम की प्रासंगिकता कम हो जाती है। इसी तरह इजराइल द्वारा लेबनान में कार्रवाई और उसके जवाब में ईरान की नाराजगी तथा होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने जैसे कदम स्थिति को और जटिल बनाते हैं। इस परिदृश्य में चीन की भूमिका निर्णायक बनती दिख रही है। ईरान द्वारा उसके कहने पर युद्धविराम स्वीकार करना इस बात का साफ संकेत है कि वैश्विक शक्ति संतुलन बदल रहा है। अमेरिका के लिए यह स्वीकार करना आसान नहीं होगा कि उसका पारंपरिक प्रभाव क्षेत्र अब किसी अन्य शक्ति के हस्तक्षेप से संचालित हो। सैन्य दृष्टि से भी स्थिति अस्थिर है। ईरान के पास अभी भी पर्याप्त मिसाइल क्षमता और लांचर मौजूद हैं, जिससे वह वार्ता की मेज पर आत्मविश्वास के साथ बैठ सकता है। दूसरी ओर, अमेरिका द्वारा 14 दिनों के बाद और भीषण हमलों की संभावित योजना का संकेत इस युद्धविराम को 'सशर्त विराम' बना देता है, जहां शांति असफल होते ही संघर्ष और तीव्र हो सकता है। जब तक गाजा और लेबनान में हमले जारी हैं, तब तक पूरे पश्चिम एशिया में स्थायी शांति की कल्पना अधूरी है। क्षेत्रीय संघर्ष एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं; एक मोर्चे पर शांति और दूसरे पर युद्ध लंबे समय तक साथ नहीं चल सकते। कूटनीतिक स्तर पर भी समाधान कठिन है। न तो ईरान होर्मुज पर नियंत्रण छोड़ेगा न अमेरिका अपने सैन्य ठिकानों को हटाएगा। ईरान द्वारा परमाणु कार्यक्रम रोकना और इजराइल द्वारा स्थायी युद्ध बंदी की सहमति भी कठिन है।

भारत के लिए यह स्थिति अत्यंत संवेदनशील है। ऊर्जा आपूर्ति, व्यापार और प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा सीधे इस क्षेत्र की स्थिरता से जुड़ी है, इसलिए भारत को संतुलित कूटनीति के साथ-साथ शांति प्रयासों का समर्थन करना होगा। कुल मिलाकर यह दो सप्ताह का युद्धविराम ज्यादा से ज्यादा 'रणनीतिक विराम' प्रतीत होता है, न कि स्थायी समाधान की दिशा में निर्णायक कदम। यदि मूल मुद्दों—सुरक्षा, प्रभुत्व और विश्वास का समाधान नहीं हुआ, तो यह शांति अस्थायी ही साबित होगी और क्षेत्र एक बार फिर संघर्ष की आग में झुलस सकता है।

प्रसंगवश

विकास और भीड़ के शोर में गुम मानवता

आदिमानव भोजन और आश्रय की तलाश में जंगलों की खाक छानते और कंदराओं में शरण लेते थे। समय बदला और भटकते हुए वही कदम आज आधुनिक महानगरों की कंक्रीट की गगनचुंबी इमारतों की दहलीज तक पहुंच चुके हैं। यदि विकास की इस लंबी और थका देने वाली यात्रा का हम संजीदगी से विश्लेषण करें, तो यह केवल प्रगति का पथ नहीं दिखता। यह मनुष्य की एक ऐसी बौद्धिक 'शरारत' भी प्रतीत होती है, जिसने अपनी अंतहीन आवश्यकताओं की आड़ में पूरी प्रकृति और दुनिया का मौलिक स्वरूप ही बदल डाला है।

प्रारंभिक दौर में मनुष्य की बुद्धि में जो इज़ाफ़ा हुआ, उसने उसे अस्तित्व की लड़ाई जीतने और प्रकृति की प्रतिकूलताओं से लड़ने की प्रेरणा दी। पहिए के आविष्कार से लेकर आग के नियंत्रण तक, सब कुछ मनुष्य की जिजीविषा का प्रमाण था, किंतु जैसे-जैसे विकास का पहिया तेज घूमा, मनुष्य को सुविधा और सत्ता का एक ऐसा घातक चस्का लग गया, जिसे छोड़ना अब उसके वश में नहीं रहा। परिवर्तन की यह प्रक्रिया इतनी सूक्ष्म और मंथर थी कि हमें यह बिल्कुल सामान्य लगने लगी। एक पीढ़ी ने अपनी बुद्धि से सुख-सुविधाओं के जो आलीशान तामझाम खड़े किए, अगली पीढ़ी के लिए वही 'अनिवार्य परंपरा' बन गए।

पवन साहू
विधि छात्र

इसी अंधानुकरण ने गांवों को कस्बों में और शहरों को उन मशीनी महानगरों में तब्दील कर दिया, जहां आज मानवता भीड़ के शोर में कहीं खो गई है। विकास का प्रकाश तो चारों ओर फैला, लेकिन इसी चकाचौंध के पीछे इंसानियत धर्मों, जातियों, संकीर्ण भाषाओं और कृत्रिम सीमाओं के अंधेरे में बंट गई। आदिमानव से आधुनिक मानव बनने के इस सफर में एक बहुत ही सूक्ष्म और खतरनाक मनोवैज्ञानिक 'शरारत' ने जन्म लिया सुरक्षा का भय। यहां एक बुनियादी सवाल खड़ा होता है कि आखिर मनुष्य को यह सुरक्षा किससे चाहिए? इसका जो कड़वा सत्य उभर कर आया, वह यह था कि मनुष्य को सबसे बड़ा खतरा स्वयं मनुष्य से ही है।

यही वह निर्णायक मोड़ था, जहां से सुरक्षा की आड़ में किए गए आविष्कारों का रुख सृजन से हटकर सर्वनाश की ओर मुड़ गया। सुरक्षा की मृगतृष्णा में भटकते मनुष्य ने पहले आत्मरक्षा के नाम पर पत्थर के औजार बनाए, फिर गोले-बारूद और अंततः घातक बंदूकें व विशाल तोपें ईजाद कीं। जब इतने से भी असुरक्षा का बोध कम नहीं हुआ, तो उसने मिसाइलें, रासायनिक हथियार और परमाणु ऊर्जा जैसी प्रलयंकारी शक्तियां हासिल कर लीं। विडंबना देखिए कि आज विश्व के तमाम राष्ट्र अपनी गाढ़ी कमाई और प्राकृतिक संसाधनों का एक बड़ा हिस्सा केवल इन्हीं विनाशकारी हथियारों के निर्माण और रखरखाव पर स्वाहा कर रहे हैं। जिस धन से गरीबी और बीमारी मिट सकती थी, उससे मौत का सामान खरीदा जा रहा है।

आज वैश्विक स्थिति यह है कि विकास का जो चमकीला मुखौटा हमने पहन रखा है, वह असल में पूरी मानव जाति के लिए अस्तित्व का संकट बन चुका है। विडंबना यह है कि जिसके पास जितने ज्यादा घातक हथियार हैं, वह सुरक्षित होने के बजाय एक 'विनाशकारी अहंकार' से भर गया है। यह अहंकार मनुष्य को मनुष्य के खिलाफ युद्ध के मैदान में खड़ा कर देता है। राष्ट्रवाद की संकीर्ण परिभाषाओं और सीमाओं के जटिल जाल में हम इस कदर उलझ गए हैं कि हमें सामने वाला व्यक्ति 'इंसान' नहीं, बल्कि केवल एक नंबर या 'दुश्मन' नजर आता है। यदि सुरक्षा के नाम पर हम अपनों का ही रक्त बहाने को तत्पर हैं, तो ऐसी सुरक्षा व्यवस्था को जड़ से उखाड़ फेंकना ही उचित है। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

पुलिसकर्मियों को सजाए मौत तंत्र के लिए बड़ी चेतावनी

विवेक सक्सेना
अयोध्या

तमिलनाडु के सथानकुलम कस्टोडियल किलिंग मामले में मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच द्वारा नौ पुलिसकर्मियों को सुनाई गई मौत की सजा न केवल एक ऐतिहासिक फैसला है, बल्कि यह देश के कानून प्रवर्तन तंत्र के लिए एक कड़ी चेतावनी भी है। यह फैसला तब आया है, जब हिरासत में होने वाली मौतों को लेकर लंबे समय से पुलिस सुधार की मांग उठ रही है। दोनों के साथ पुलिस स्टेशन के भीतर जो बर्बरता की गई थी, उसने मानवता को शर्मसार कर दिया। रिपोर्ट्स के अनुसार कोविड काल के दौरान तमिलनाडु के तूतीकोरिन जिले के सथानकुलम में 19 जून 2020 को पुलिस ने लॉकडाउन के दौरान दुकान खुली रखने के आरोप में व्यापारी पी जयराज और उनके बेटे बेनिक्स को निर्धारित समय से अधिक समय तक मोबाइल फोन की दुकान खुली रखने के आरोप में हिरासत में लिया था।

बाद में यह आरोप झूठा साबित हुआ। दोनों को थाने ले जाया गया, जहां परिजनों के मुताबिक उनके साथ पूरी रात बुरी तरह मारपीट की गई। बाद में उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया, लेकिन 22 जून की रात बेनिक्स की और अगले दिन सुबह जयराज की मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे देश में आक्रोश फैल गया। मद्रास हाईकोर्ट ने मामले का संज्ञान लिया और जांच पहले राज्य की सीबी-सीआईडी को और बाद में सीबीआई को सौंप दी गई। जांच में पुलिसकर्मियों पर गंभीर आरोप लगे और कुल 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

करीब छह साल बाद मदुरै की अदालत (मद्रास हाईकोर्ट) ने इसे 'रेयरेस्ट ऑफ द रेयर' (दुर्लभतम) मामला मानते हुए छह अप्रैल 2026 को नौ पुलिसकर्मियों को फांसी की सजा दी है। कोर्ट ने माना कि दोनों को हिरासत में सुनियोजित (सोच-समझकर) तरीके से टॉर्चर किया गया था, इसलिए सख्त सजा जरूरी है। जांच के दौरान एक महिला कांस्टेबल की गवाही अहम रही, जिसने बताया कि थाने में रातभर पिटाई हुई थी और वहां खून के निशान भी थे, हालांकि थाने का सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित नहीं रखा गया, जिससे कुछ सबूत नहीं मिल सके।

> मदुरै बेंच द्वारा नौ पुलिसकर्मियों को सुनाई मौत की सजा ऐतिहासिक फैसला है। यह फैसला तब आया है, जब हिरासत में होने वाली मौतों को लेकर लंबे समय से पुलिस सुधार की मांग उठ रही है।

अदालत ने यह भी कहा कि यह मामला सत्ता के गलत इस्तेमाल का गंभीर उदाहरण है, लेकिन इससे पूरी पुलिस व्यवस्था पर सवाल नहीं उठाया जाना चाहिए। अदालत ने इसे ऐसा मामला बताया, जिसने एक पूरे परिवार को तबाह कर दिया और साफ तौर पर सत्ता के गलत इस्तेमाल को दिखाता है। कोर्ट ने यह भी माना कि राज्य में कई ईमानदार पुलिसकर्मी भी हैं, लेकिन ऐसे गंभीर मामलों में सिर्फ उम्रकैद जैसी सजा से पुलिस के भीतर जरूरी डर नहीं बनेगा।

अदालत ने इस मामले में इंस्पेक्टर श्रीधर समेत नौ दोषियों को बेहद सख्त सजा सुनाई है। सभी को 'डबल डेथ सेंटेंस' यानी दो बार फांसी की सजा दी गई है। इसके साथ ही अलग-अलग धाराओं में एक साल से लेकर सात साल तक की जेल और कुल मिलाकर करीब 76.38 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जी मुथुकुमारन ने इसे दुर्लभतम मामला बताया। उन्होंने सजा सुनाते हुए कहा कि जनता की रक्षा का जिम्मा संभालने वालों ने ऐसा अपराध किया है, जिसने समाज की सामूहिक अंतरात्मा को झकझोर दिया है।

जज मुथुकुमारन ने कहा, यदि आम नागरिक ने यह अपराध किया होता, तो सामान्य सजा दी जा सकती थी, लेकिन अपराध पुलिस ने किया है, इसलिए साधारण सजा नहीं दी जा सकती। अदालत ने कहा कि यह हिरासत में हिंसा का स्पष्ट उदाहरण है।

यह फैसला एक गहरी व्यवस्थागत समस्या को रेखांकित करता है। भारत में हिरासत में होने वाली मौतें कोई नई बात नहीं हैं; प्रतिवर्ष सैकड़ों मौतें होती हैं। सुप्रीम कोर्ट के बार-बार के निर्देशों के बावजूद पुलिस बर्बरता जारी है, जो दर्शाता है कि पुलिस सुधार केवल कागजों पर हो रहे हैं। यह फैसला पुलिस प्रणाली में जवाबदेही और पारदर्शिता की तत्काल आवश्यकता पर जोर देता है। जो कानून के रक्षकों द्वारा भक्षक बनने पर कड़ी प्रतिक्रिया है। यह फैसला स्पष्ट करता है कि वर्दी का मतलब कानून से ऊपर होना नहीं है। जब कानून के रखवाले ही कानून को तोड़ते हैं, तो यह सीधे तौर पर संवैधानिक मूल्यों और मानवाधिकारों पर हमला है।

यह फैसला पुलिस विभाग के लिए एक चेतावनी है। सवाल यह है कि क्या पुलिस का काम लोगों की रक्षा करना है या उन्हें प्रताड़ित करना? कोविड नियमों के उल्लंघन के झूठे आरोप में निर्दोष लोगों को हिरासत में लेकर बेरहमी से पीटकर मार डालना, वर्दी के अहंकार की पराकाष्ठा है। इस तरह की घटनाएं जनता और पुलिस के बीच भरोसे को खत्म करती हैं, हालांकि कुछ लोग मौत की सजा के खिलाफ हैं और इसे 'मानवीय' नहीं मानते, लेकिन जब पुलिस की बर्बरता की सीमा पार हो जाती है, तो ऐसे मामलों में सख्त सजा ही एकमात्र रास्ता बचती है। जैसा कि पीड़ित परिवारों ने कहा, 'हमारे जैसा दर्द कोई दूसरा न झेले'। यह फैसला निश्चित रूप से पुलिस की मनमानी पर अंकुश लगाएगा और भविष्य में कस्टोडियल टॉर्चर को कम करने में मदद करेगा।

सथानकुलम मामला एक काले अध्याय की तरह याद रखा जाएगा, लेकिन इसका फैसला न्यायपालिका की सर्वोच्चता और कानून के शासन में जनता के भरोसे को बहाल करने का काम करता है। अब समय आ गया है कि पुलिस को एक 'बल' से 'सेवा' में बदलने की प्रक्रिया तेज की जाए, ताकि दोबारा किसी 'जयराज' या 'बेनिक्स' को अपनी जान न गंवानी पड़े। सजा-ए-मौत से डर तो पैदा होगा, लेकिन असली न्याय तभी होगा जब पुलिस हिरासत में किसी की मौत की कल्पना भी न की जा सके। यह ऐतिहासिक फैसला न्याय की जीत है। अब जिम्मेदारी है कि निचली अदालत के इस फैसले को उच्च न्यायालयों में भी कायम रखा जाए और मामले को जल्द से जल्द तार्किक अंत तक पहुंचाया जाए।

आमने सामने

ईरान अब शांति चाहता है और बाकी दुनिया भी यही चाहती है। अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़े दबाव को संभालने में मदद करेगा और क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। अमेरिका अपने ज्यादातर सैन्य लक्ष्य हासिल कर चुका है और अब स्थायी शांति के लिए बातचीत आगे बढ़ाई जाएगी।
–डोनाल्ड ट्रंप
अमेरिकी राष्ट्रपति

ईरान पर हमले बंद रहते हैं, तो हमारी सेना भी कार्रवाई रोक देगी। अगले दो हफ्तों तक होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही सुरक्षित तरीके से जारी रहेगी। यह युद्ध विराम बातचीत का रास्ता खोलने के लिए है और आने वाले समय में इसे स्थायी समझौते में बदला जा सकता है।
–अब्बास अराघची
विदेश मंत्री, ईरान

नल में जल बनाम कागजों पर राहत

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

भारत दुनिया की लगभग 18% आबादी का घर है, लेकिन हमारे पास वैश्विक मीठे पानी का केवल 4% हिस्सा ही उपलब्ध है। यह असंतुलन ही देश में जल संकट की बुनियादी जड़ है। नीति आयोग की हालिया रिपोर्टों के अनुसार, लगभग 60 करोड़ भारतीय उच्च से अत्यधिक जल तनाव का सामना कर रहे हैं। भारत जब आज दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का दावा कर रहा है, तब एक बुनियादी सवाल देश के विकास के दावों को चुनौती दे रहा है- क्या हम अपने नागरिकों को एक गिलास शुद्ध पानी देने में सक्षम हैं?

इस साल के एक फरवरी 2026 को पेश किए गए केंद्रीय बजट में जल शक्ति मंत्रालय के लिए 67,600 करोड़ का आवंटन कर सरकार ने अपनी मंशा तो साफ कर दी है, लेकिन धरातल की हकीकत बजट के इन चमकदार आंकड़ों से कहीं अधिक भयावह है। जल जीवन मिशन और 'अमृत' जैसे प्रोजेक्ट्स के पिछले सात वर्षों के सफर को देखें, तो यह स्पष्ट होता है कि व्यवस्था ने केवल पाइप बिछाने की गति को ही सफलता मान लिया, जबकि पानी की शुद्धता और उसकी निरंतरता को हाशिए पर धकेल दिया गया। 2025-26 के बीच भारत के शहरी और ग्रामीण इलाकों में दूषित पानी ने जो तांडव मचाया है, वह किसी भी आधुनिक राष्ट्र के लिए शर्मसार करने वाला है। दिसंबर 25 से जनवरी 26 के पहले सप्ताह के बीच ही देश के 26 प्रमुख शहरों में सीवेज मिश्रित पानी पीने से 5,500 से अधिक लोग बीमार हुए और कम से कम 34 की मौत हो गई।

> बजट में जल शक्ति मंत्रालय के लिए 67,600 करोड़ देकर सरकार ने अपनी मंशा साफ कर दी है, लेकिन धरातल की हकीकत बजट के इन चमकदार आंकड़ों से कहीं अधिक भयावह है।

इंदौर, जिसे भारत का सबसे स्वच्छ शहर होने का गौरव प्राप्त है, वहां की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया था। दिसंबर 2025 के अंतिम सप्ताह में इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में पाइपलाइन में सीवेज का पानी मिलने से 37 लोगों की मौत हो गई और 1,400 से अधिक लोग अस्पताल पहुंच गए। इसी तरह, जनवरी 2026 की शुरुआत में बेंगलुरु के पॉश इलाकों और गांधीनगर (गुजरात) में सैकड़ों बच्चे दूषित पानी के कारण टाइफाइड और डायरिया का शिकार हुए। ये घटनाएं केवल मानसून की समस्या नहीं हैं, बल्कि यह एक 'सदाबहार शहरी संकट' बन चुका है।

अगस्त 2019 में जब 'जल जीवन मिशन' शुरू हुआ, तब लक्ष्य था 2024 तक हर घर को नल से जोड़ना। सरकारी पोर्टल के अनुसार, जनवरी 2026 तक देश के लगभग 81.5% ग्रामीण घरों (करीब 15.8 करोड़ घर) में नल लग चुके हैं, लेकिन इस 'संख्यात्मक सफलता' के पीछे एक बड़ा ढांचागत दोष है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के 79वें दौर के आंकड़ों के अनुसार, पाइपलाइन कवरेज के बावजूद केवल 39% ग्रामीण घर ही नल के पानी को अपने प्राथमिक स्रोत के रूप में उपयोग कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में यह उपयोग दर 10% से 30% के बीच है।

इस विफलता के कारणों की सूची लंबी है, लेकिन देश में सर्वाधिक देखा गया कि हजारों गांवों में पाइप और नल तो लगे हैं, लेकिन पानी का दबाव इतना कम है कि वह अंतिम घर तक नहीं पहुंचता। कई स्थानों पर तो नल केवल 'शोपीस' बनकर रह गए हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के पहाड़ी क्षेत्रों के 60% जल स्रोत सूख चुके हैं। मैदानी इलाकों में भूजल का स्तर इतनी तेजी से गिर रहा है कि नलों के लिए पानी का कोई स्थायी स्रोत ही नहीं बचा है। ठेकेदारी प्रथा और जवाबदेही की कमी के कारण पाइप लाइनें बिछाने के कुछ महीनों बाद ही फटने लगी हैं। सबसे भयानक है कि भारत दुनिया में भूजल का सबसे बड़ा उपयोगकर्ता है।

पंजाब, हरियाणा और राजस्थान जैसे राज्यों में भूजल का स्तर खतरनाक रूप से नीचे गिर गया है। कृषि में 'वाटर गज़लर' फसलों (जैसे धान और गन्ना) के लिए अंधाधुंध पंपिंग ने जलभृतों (एक्वाफर्स) को सुखा दिया है। इन कारणों से पानी की गुणवत्ता में गिरावट आ रही है । केवल पानी की कमी नहीं है, बल्कि उपलब्ध पानी की गुणवत्ता भी गिर रही है। लगभग 70% सतही जल प्रदूषित है। भूजल में आर्सेनिक, फ्लोराइड और यूरेनियम की बढ़ती मात्रा 'कैंसर बेल्ट' जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे रही है।

गांवों से पलायन व शहरों का अनियोजित विकास, सरकार द्वारा तैयार मूलभूत संरचना पर आवश्यकता से अधिक बोझ ने महानगरों को पानी के लिए कंगाल बना दिया है। दिल्ली, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे महानगरों में पाइपलाइन लीकेज और सीवेज मिक्सिंग एक आम समस्या बन गई है। 2026 की शुरुआत में ही कई शहरों में दूषित पानी के कारण बीमारियां और मौतें दर्ज की गई हैं। सरकार द्वारा शहरी क्षेत्रों के लिए शुरू की गई 'अमृत 2.0' का लक्ष्य शहरों को 'वॉटर सिक्योर' बनाना था, लेकिन संसदीय स्थायी समिति की दिसंबर 25 की रिपोर्ट के अनुसार, शहरी भारत में अभी भी 30-70% पानी 'नॉन-रेवेन्यू वॉटर' के रूप में बर्बाद हो जाता है, जो मुख्य रूप से पाइपलाइनों के रिसाव के कारण होता है। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

हीरोइन के कत्ल की दास्तां

मौजूदा पीढ़ी के लोगों को इस बात पर हैरानी हो सकती है कि फिल्म अभिनेत्री प्रिया राजवंश का क़त्ल हुए कोई 26 साल बीत चुके हैं। मुंबई पुलिस इस मामले में अपनी तफ़्तीश पूरी कर चुकी है। निचली अदालत मुक़दमे की सुनवाई पूरी करके दोषियों को सज़ा भी सुना चुकी है, लेकिन मामला अब ऊपरी अदालत में है, और वहां पड़ रही हैं, तारीख़ पर तारीख़...!

पंकज शुक्ला
फिल्म ब्लॉगर

ये क़िस्सा ऐसा है कि जब पहली बार ये सामने आया तो इसने पूरी फ़िल्म इंडस्ट्री को ही नहीं बल्कि देश-दुनिया को हिलाकर रख दिया। अपने ज़माने की एक बेहद ख़ूबसूरत हसीना अपने बंगले में बेजान पाई गई। पुलिस ने जांचा परखा तो मामला मर्डर का निकला। तफ्तीश हुई, मुक़दमा चला, जिरह हुई और फिर हुई उम्रक़ैद ऐसे चार लोगों को, जिनमें दो पर इन मोहतरमा की देखरेख की जिम्मेदारी थी और दो थे, इनके पार्टनर के बेटे।

'हीर रांझा', 'हंसते ज़ख्म' जैसी सुपर-डुपर हिट फ़िल्मों की हीरोइन रहीं प्रिया राजवंश का करियर भले ही छोटा रहा हो, लेकिन प्रिया राजवंश की ज़िंदगी यूं लगता है कि जैसे किसी जासूसी उपन्यास का क़िस्सा है। उनका जन्म आज के पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के झेलम में हुआ। घर वालों ने नाम रखा वीरा सुंदर सिंह। वीरा सुंदर सिंह को प्रिया राजवंश नाम दिया मशहूर निर्माता-निर्देशक चेतन आनंद ने। अभिनेता देव आनंद के भाई चेतन आनंद को अपनी फ़िल्म के लिए एक नई हीरोइन की तलाश थी। उन्होंने वीरा को अपनी फ़िल्म 'हक़ीक़त' के लिए साइन कर लिया।

चेतन का प्रिया के साथ बहुत गहरा रिश्ता रहा। प्रिया ने अपनी सभी फ़िल्में चेतन आनंद के निर्देशन में ही कीं। प्रिया राजवंश और चेतन आनंद ने कभी शादी तो नहीं की, लेकिन ये दोनों साथ ही रहते थे। चेतन अपनी पत्नी उमा से अलग हो गए थे। चेतन, प्रिया से लगभग 20 साल बड़े थे। 1997 में चेतन के गुज़र जाने के बाद प्रिया पूरी तरह टूट चुकी थीं। 27 मार्च 2000 को चेतन के जुहू बंगले में प्रिया का शव पाया गया। मुंबई पुलिस के मुताबिक़, उनकी हत्या की गई थी। पुलिस ने उनकी हत्या के जुर्म में चेतन के बेटे केतन और विवेक आनंद को दो नौकरों माला चौधरी और अशोक चिन्नास्वामी के साथ गिरफ्तार भी किया। प्रिया की हत्या की वजह चेतन की वसीयत बताई गई। प्रिया के लिखे नोट्स और पत्रों को अदालत में सबूत के तौर पर पेश किया गया। इसके बाद चारों दोषियों को उम्र कैद की सजा सुनाई गई। बाद में सभी हत्याभियुक्तों को ज़मानत मिल गई और मामला फिर से वहीं का वहीं रह गया। **-फेसबुक वॉल से**

सामयिकी

भेदभावपूर्ण समाज को जन्म देता है दोहरा दृष्टिकोण

भारत के शहरों में अतिक्रमण कोई नई समस्या नहीं है, लेकिन जिस तरह से इस पर कार्रवाई की जाती है, वह एक बड़े सामाजिक और प्रशासनिक असंतुलन की ओर इशारा करती है। हर कुछ दिनों में खबरें आती है कि कहीं झुग्गियां तोड़ी गईं, कहीं रेहड़ी-पटरी वालों को हटाया गया, कहीं फुटपाथ खाली कराए गए। यह सब कानून के दायरे में उचित भी हो सकता है, क्योंकि सार्वजनिक स्थानों पर अवैध कब्जा किसी भी शहर के सुव्यवस्थित विकास में बाधा बनता है, लेकिन असली सवाल यह है कि क्या अतिक्रमण केवल उन्हीं तक सीमित है, जिनकी आवाज़ सबसे कमजोर है?

हम ईमानदारी से अपने शहरों को देखें, तो पाएंगे कि अतिक्रमण का दायरा कहीं अधिक व्यापक है। बड़े-बड़े मॉल और कॉम्प्लेक्स अपने पार्किंग क्षेत्र से बाहर सड़कों तक वाहनों की कतारें फैला देते हैं। अस्पतालों के बाहर एंबुलेंस और निजी वाहनों का ऐसा जमावड़ा होता है कि सड़कें संकरी पड़ जाती हैं। दुकानों का सामान सड़क तक फैल जाता है, जिससे पैदल चलने वालों के लिए जगह ही नहीं बचती, लेकिन इन पर कार्रवाई या तो बहुत कम होती है या फिर केवल दिखावे के लिए की जाती है। जब बात रेहड़ी-पटरी वालों या झोपड़ियों की आती है, तो कार्रवाई तेज, सख्त और अक्सर निर्दयी हो जाती है।

डॉ. सत्यवान सौरभ
शिक्षक

यह स्थिति केवल प्रशासनिक अक्षमता का परिणाम नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज के भीतर मौजूद वर्गीय असमानता को भी उजागर करती है। कानून का उद्देश्य सभी के लिए समान होना चाहिए, लेकिन व्यवहार में यह अक्सर कमजोरों पर ही अधिक कठोरता से लागू होता है। जब गरीब की झोपड़ी तोड़ी जाती है, तो वह केवल एक ढांचा नहीं टूटता, बल्कि उसके जीवनयापन का आधार भी छिन जाता है। वहीं, जब किसी बड़े प्रतिष्ठान द्वारा सड़क पर अतिक्रमण किया जाता है, तो उसे 'व्यवसायिक आवश्यकता' या 'सुविधा' के नाम पर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

अतिक्रमण के इस असमान दृष्टिकोण का एक और पहलू प्रशासनिक लापरवाही भी है। शहरों की सड़कों के बीचोंबीच खड़े बिजली के खंभे और ट्रांसफॉर्मर अक्सर दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। ये न केवल यातायात को बाधित करते हैं, बल्कि कई बार जानलेवा भी साबित होते हैं। इसके बावजूद इन्हें हटाने या व्यवस्थित करने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए जाते। यह एक ऐसा अतिक्रमण है, जो स्वयं व्यवस्था द्वारा किया गया है, लेकिन इसकी जिम्मेदारी तय करने से बचा जाता है।

शहरों के सेक्टरों और कॉलोनियों में लोगों द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर कब्जा करना भी आम है। जाली और फेंसिंग लगाकर पार्कों, गलियों और खाली स्थानों को निजी संपत्ति की तरह उपयोग किया जाता है। यह धीरे-धीरे एक सामान्य प्रथा बन जाती है, क्योंकि इस पर समय रहते कोई कार्रवाई नहीं होती। परिणामस्वरूप, शहरों का नियोजित ढांचा बिगड़ता जाता है और सार्वजनिक स्थान सिमटते जाते हैं।

शहरी यातायात की समस्या को देखते हुए यह भी स्पष्ट है कि केवल अतिक्रमण हटाने से समाधान नहीं निकलेगा। बुनियादी ढांचे में सुधार भी उतना ही आवश्यक है। दिल्ली रोड जैसे व्यस्त मार्गों पर यदि हर चौराहे पर लेफ्ट टर्न के लिए स्लिप रोड बनाई जाए, तो यातायात का दबाव काफी हद तक कम हो सकता है। इसी तरह, उचित पार्किंग व्यवस्था, फुटपाथों का विकास और ट्रैफिक प्रबंधन के आधुनिक उपाय भी जरूरी हैं, लेकिन इन दीर्घकालिक समाधानों पर ध्यान देने के बजाय अक्सर तात्कालिक और दृश्यात्मक कार्रवाइयों को प्राथमिकता दी जाती है। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

ऐसे हुआ रिवाल्वर का आविष्कार

रिवाल्वर के आविष्कार की कहानी आधुनिक हथियारों के विकास में एक महत्वपूर्ण मोड़ मानी जाती है। 19 वीं सदी से पहले आग्नेयास्त्रों में एक बड़ी समस्या यह थी कि हर बार गोली चलाने के बाद उन्हें फिर से लोड करना पड़ता था, जिससे समय लगता था और युद्ध के दौरान यह असुविधाजनक होता था।

इस समस्या का समाधान सैमुएल कोल्ट ने निकाला। उन्होंने 1830 के दशक में रिवाल्वर का डिजाइन तैयार किया, जिसमें एक घूर्णनशील सिलेंडर (cylinder) होता था। इस सिलेंडर में कई गोलियां एक साथ भरी जा सकती थीं, जिससे बिना बार-बार लोड किए लगातार फायर करना संभव हो गया। 1836 में उन्हें अपने इस आविष्कार का पेटेंट मिला और यही आधुनिक रिवाल्वर की शुरुआत थी। कहा जाता है कि सैमुअल कोल्ट को यह विचार एक जहाज यात्रा के दौरान आया, जब उन्होंने जहाज के पहिए (wheel) की घूर्णन प्रणाली को देखा। उसी सिद्धांत को उन्होंने हथियार में लागू किया। उनका बनाया रिवाल्वर जल्द ही लोकप्रिय हो गया, खासकर सेना और कानून-व्यवस्था से जुड़े लोगों के बीच।

समय के साथ रिवाल्वर में कई सुधार हुए, जैसे बेहतर मैकेनिज्म, अधिक सुरक्षित डिजाइन और शक्तिशाली कारतूस। यह हथियार अमेरिका के "वाइल्ड वेस्ट" दौर का प्रतीक भी बन गया और कई ऐतिहासिक घटनाओं में इसका उपयोग हुआ। इस प्रकार, रिवाल्वर का आविष्कार न केवल तकनीकी नवाचार था, बल्कि इसने युद्ध और सुरक्षा के तरीकों को भी पूरी तरह बदल दिया।

वैज्ञानिक के बारे में

सैमुअल कोल्ट का जन्म 19 जुलाई 1814 को हार्टफोर्ड में हुआ था। बचपन से ही उनमें आविष्कार की गहरी रुचि थी और वे रसायन तथा यांत्रिकी के प्रयोगों में लगे रहते थे। कोल्ट का निजी जीवन उतार-चढ़ाव से भरा रहा। शुरुआती असफलताओं और आर्थिक संकटों के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। 1856 में उन्होंने Elizabeth Jarvis Colt से विवाह किया, जो उनके जीवन में स्थिरता लेकर आईं। दंपति के कई बच्चे हुए, हालांकि अधिकांश शैशव अवस्था में ही गुजर गए, जो उनके जीवन का दुखद पक्ष था। अपने जीवनकाल में कोल्ट एक सफल उद्योगपति बने और उन्होंने समाजसेवा में भी योगदान दिया। 1862 में मात्र 47 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया, लेकिन वे अपने आविष्कारों के कारण आज भी याद किए जाते हैं।

निकोबारी मैगापोड
विकास में विलुप्त होती विरासत

प्रकृति की प्रयोगशाला का वह बेजोड़ पक्षी, जो अपनी चोंच से घोंसले की तपिश मापता है और अंडों को सेने के लिए देह की गर्मी नहीं, बल्कि वनस्पतियों की जैविक ऊर्जा का उपयोग करता है। कभी सुनामी के संकट से तो कभी 'विकास' की दौड़ से, कैसे अपनी ही जमीन पर बेगाना-सा हो रहा है निकोबारी मेगापोड? 2026 के नवीनतम शोध में मात्र 4 .5 प्रतिशत रह गए पर्यावास में अस्तित्व की आखिरी जंग लड़ती इस दुर्लभ विरासत की विशेष पड़ताल।

कल्पना कीजिए एक ऐसे पक्षी की जिसे किसी द्वीप के तटवर्ती जिले ने अपनी लोकतांत्रिक पहचान चुनाव शुभंकर के रूप में चुना हो, ताकि मतदाता जागरूक हों और मतदान प्रतिशत को बढ़ाया जा सके, लेकिन विडंबना यह है कि जिस जीव को हमने लोकतंत्र का प्रतीक बनाया उसका अपना अस्तित्व ही आज विकास और विनाश के बीच झूल रहा है। यह कहानी है अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के एक अनोखे, शर्मीले लेकिन अद्भुत इंजीनियर निकोबारी मेगापोड की इसे 2024 के लोकसभा चुनावों में निकोबार के लिए चुनावी शुभंकर बनाया गया था।

डॉ. कैलाश चन्द सैनी
वन्यजीव लेखक, जयपुर

प्राकृतिक हीटर और मिट्टी के महल

'मेगापोड' का अर्थ है – बड़े पैरों वाला, लेकिन इसकी असली पहचान इसके पैर नहीं, बल्कि असाधारण इंजीनियरिंग क्षमता है। यह पक्षी अन्य पक्षियों की तरह अंडों को सेने के लिए उन पर नहीं बैठता। एक जोड़ा मिलकर लगभग 4 से 5 मीटर व्यास और 2 मीटर तक ऊंचे टीले का निर्माण करता है, जो रेत, मिट्टी और सूखी पत्तियों का एक विशाल टीला होता है। सूखी पत्तियों के अपघटन (सड़ने) से उत्पन्न ऊष्मा ही इसके अंडों को सेने का काम करती है। यह व्यवहार इसे दुनिया के अन्य पक्षियों से बिल्कुल अलग और विशेष बनाता है। निकोबार के आदिवासी इसे 'कुआउ' के नाम से भी पुकारते हैं। इसका टीलेनुमा घोंसला ही एक तरह का प्राकृतिक इनक्यूबेटर है। अंडों के विकास के लिए टीले के अंदर का तापमान 32 से 34 डिग्री सेल्सियस के बीच होना आवश्यक है। जरा-सी भी ऊंच-नीच अंडों को नष्ट कर सकती है। यहां नर मेगापोड दिन में कई बार अपनी चोंच को टीले की गहराई में डालकर तापमान की जांच करता है। उसकी चोंच में मौजूद तंत्रिकाएं एक डिजिटल थर्मामीटर से भी अधिक सटीक होती हैं। तापमान बढ़ने पर वह टीले की ऊपरी परत हटाकर गर्मी बाहर निकाल देता है। तापमान कम होने पर अधिक गीली पत्तियां और मिट्टी ऊपर चढ़ा देता है। तापमान का यह संतुलन बनाए रखना किसी चमत्कार से कम नहीं है।

2026 का वैज्ञानिक सच

- वन्यजीव संस्थान के 2026 के नवीनतम शोध इस पक्षी के भविष्य को लेकर गंभीर चेतावनी देते हैं:
- **सीमित आवास:** निकोबार द्वीप समूह के कुल क्षेत्रफल का मात्र 4.5 प्रतिशत (लगभग 79.30 वर्ग किमी) क्षेत्र ही इसके पर्यावास के लिए उपयुक्त बचा है।
- **समुद्र पर निर्भरता:** इसके 97 प्रतिशत घोंसले (टीले) समुद्र तट से मात्र 100 मीटर के भीतर पाए जाते हैं।
- **मुख्य आश्रय:** ग्रेट निकोबार द्वीप इसका सबसे बड़ा गढ़ है, जहां लगभग 31.39 वर्ग किमी उपयुक्त क्षेत्र मौजूद है। ये आंकड़े इस ओर संकेत देते हैं कि इसका अस्तित्व एक बेहद संकीर्ण भौगोलिक दायरे में सिमट चुका है।

सुनामी की मार और विकास का दबाव

2004 की विनाशकारी सुनामी ने इस पक्षी प्रजाति को गहरा आघात पहुंचाया, जिससे इसकी आबादी में 71 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई। हालांकि प्रकृति के इस प्रहार से उबरने की कोशिशें जारी थीं, लेकिन अब मानव-निर्मित विकास परियोजनाएं ही इसके लिए एक नए संकट के रूप में सामने आई हैं। पत्रिका फ्रंटलाइन की एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रस्तावित निर्माण कार्यों के चलते इस पक्षी के लगभग 80 प्रतिशत प्रजनन स्थल खतरे में हैं। इसके अलावा, द्वीपों पर मनुष्यों द्वारा पाले गए कुत्तों, बिल्लियों और सूअरों ने इनके अंडों और चूजों को भारी नुकसान पहुंचाया है। सड़क निर्माण और तटीय विकास के कारण इनके प्राकृतिक आवास सिमटते जा रहे हैं। मानवीय हस्तक्षेप का इतना व्यापक असर हो रहा है कि यह पक्षी कार निकोबार और चौरा द्वीप जैसे क्षेत्रों से लगभग विलुप्त हो चुका है।

सुपर-कमांडो चूजों की अद्भुत आत्मनिर्भरता

मेगापोड के चूजे पक्षी जगत में जिजीविषा के अनोखे जीव माने जाते हैं। अंडे से निकलने के बाद वे टीले की गहराई में दबे होते हैं और उन्हें बाहर निकलने के लिए स्वयं ही रास्ता खोदना पड़ता है। ये 'सुपर-प्रिकॉशियल' होते हैं अर्थात जन्म के तुरंत बाद पूरी तरह आत्मनिर्भर। इन्हें न तो माता-पिता की देखरेख की जरूरत होती है और न ही ही किसी शिक्षण-प्रशिक्षण की। ये चूजे 24 घंटे के भीतर उड़ने और भोजन खोजने में सक्षम हो जाते हैं।

नीति के साथ ही नीयत भी

यह पक्षी हमें सिखाता है कि प्रकृति में ऊर्जा के कैसे-कैसे स्रोत छिपे हैं। निकोबारी मेगापोड केवल एक पक्षी नहीं, बल्कि एक चलता-फिरता इकोसिस्टम है। इसके द्वारा बनाए गए टीलों का उपयोग अक्सर अन्य जीव भी अपने लाभ के लिए करते हैं। इसे बचाना केवल एक प्रजाति को बचाना नहीं, बल्कि निकोबार की प्राचीन प्राकृतिक विरासत को बचाना है। निकोबारी मेगापोड केवल एक पक्षी नहीं, बल्कि द्वीपों की पारिस्थितिकी और सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न अंग है। सरकार ने इसे वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत उच्चतम सुरक्षा प्रदान की है, लेकिन इसकी संकटग्रस्त स्थिति को देखते हुए इसकी कागजी सुरक्षा पर्याप्त नहीं है। इसका वास्तविक संरक्षण तभी संभव है, जब विकास योजनाओं में पारिस्थितिक संवेदनशीलता को केंद्र में रखा जाए और स्थानीय जैव-विविधता को प्राथमिकता दी जाए।

लोकतंत्र की असली परीक्षा

आज विकास का एक ऐसा मॉडल चुना जाना चाहिए, जिसमें प्रकृति और प्रगति साथ-साथ चल सकें। यदि हम इस 'चुनावी शुभंकर' को बचाने में सफल होते हैं, तो यह केवल एक प्रजाति का संरक्षण नहीं, बल्कि यह हमारी वैज्ञानिक समझ, पर्यावरणीय जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक परिपक्वता की सच्ची और सार्थक जीत होगी।

वाइल्ड लाइफ

तराई की समृद्ध जैव विविधता: एक उभरता वैश्विक केंद्र

उत्तर भारत का तराई क्षेत्र देश के सबसे जीवंत वन्यजीव परिदृश्यों में से एक के रूप में तेजी से उभर रहा है। अपने घने जंगलों, विशाल घास के मैदानों और समृद्ध नदी पारिस्थितिकी तंत्र के लिए मशहूर पीलीभीत टाइगर रिजर्व और दुधवा नेशनल पार्क जैसे गंतव्य अब दुनियाभर के वन्यजीव प्रेमियों को आकर्षित कर रहे हैं। इस बढ़ती पहचान का एक बड़ा श्रेय वन्यजीव फोटोग्राफर अनूप रोहेरा द्वारा उनके प्लेटफॉर्म @ UnWildIndia के माध्यम से की जा रही जमीनी स्तर की निरंतर 'स्टोरीटेलिंग' (किस्सागोई) को जाता है। वर्षों से उनके काम ने तराई की प्राकृतिक सुंदरता और जैव विविधता को उजागर किया है, जिससे स्विट्जरलैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम जैसे देशों के अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को इन परिदृश्यों को देखने के लिए आने में मदद मिली है। उनके दृश्यात्मक वृत्तांतों ने तराई को वैश्विक वन्यजीव मानचित्र पर स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अनूप रोहेरा
वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर

भारत के भीतर भी इस क्षेत्र के प्रति रुचि में भारी उछाल देखा गया है। देशभर के वन्यजीव फोटोग्राफर और प्रकृति प्रेमी यहां की यात्राओं की योजना बना रहे हैं। प्रामाणिक और सूचनात्मक डिजिटल कंटेंट के प्रभाव ने जिम्मेदार पर्यटन और प्रकृति के साथ गहरे जुड़ाव को प्रोत्साहित किया है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व, दुधवा टाइगर रिजर्व, किशनपुर वन्यजीव अभयारण्य और कतरनियाघाट वन्यजीव अभयारण्य से 'अनवाइल्ड इंडिया' (UnWild India) द्वारा बनाई गई वन्यजीव फिल्मों और दृश्यात्मक कहानियों को व्यापक लोकप्रियता मिल रही है। ये परिदृश्य, जो कभी कम जाने जाते थे, अब अपनी अविश्वसनीय जैव विविधता के लिए पहचाने जाते हैं, जिनमें बाघ, तेंदुए, गैंडे, सुस्त भालू (स्लॉथ बीयर), हाथी और सैकड़ों प्रवासी पक्षी शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश पर्यटन द्वारा ईको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के प्रयासों और उत्तर प्रदेश वन विभाग के संरक्षण के निरंतर कार्यों ने इस विकास को और मजबूती दी है। इन साझा प्रयासों ने बाघों की आबादी बढ़ाने और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में योगदान दिया है। आज, तराई इस बात का एक सशक्त उदाहरण है कि कैसे कहानी सुनाने की कला (स्टोरीटेलिंग), संरक्षण और जिम्मेदार पर्यटन मिलकर किसी क्षेत्र की पहचान को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर बदल सकते हैं।

इंसान के भीतर छिपे दूसरे जीवों के जीन का रहस्य

रोचक फैक्ट

मनुष्य स्वयं को पृथ्वी की सबसे विकसित और श्रेष्ठ प्रजाति मानता है, लेकिन आधुनिक आनुवंशिक विज्ञान इस धारणा को एक नए दृष्टिकोण से देखने के लिए प्रेरित कर रहा है। वैज्ञानिकों के अनुसार, मानव जीनोम पूरी तरह "शुद्ध" नहीं है, बल्कि इसमें लगभग 145 ऐसे जीन पाए गए हैं, जो बैक्टीरिया, कवक, अन्य एककोशिकीय जीवों और यहां तक कि वायरस से आए हैं। यह रोचक तथ्य जीनोम बायोलॉजी पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन में सामने आया है, जिसने विकासवाद की पारंपरिक समझ को चुनौती दी है।

इन जीनों का आदान-प्रदान "क्षैतिज जीन स्थानांतरण" (Horizontal Gene Transfer) नामक प्रक्रिया के माध्यम से हुआ है। सामान्यतः हम यह मानते हैं कि जीन माता-पिता से संतानों में ही स्थानांतरित होते हैं, जिसे "ऊर्ध्वाधर जीन स्थानांतरण" कहा जाता है, लेकिन क्षैतिज जीन स्थानांतरण में जीन एक जीव से दूसरे, पूरी तरह भिन्न प्रजाति में भी पहुंच सकते हैं। यह प्रक्रिया विशेष रूप से सूक्ष्मजीवों में सामान्य है, परंतु अब इसके प्रमाण मनुष्यों और अन्य जटिल जीवों में भी मिल रहे हैं।

नए शोधों के अनुसार, ये "विदेशी" जीन मानव शरीर के कई महत्वपूर्ण कार्यों में भूमिका निभाते हैं। उदाहरण के लिए कुछ जीन प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत बनाने, संक्रमणों से लड़ने और पाचन क्रिया को सुचारु रखने में सहायक होते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि प्राचीन काल में जब हमारे पूर्वज लगातार विभिन्न सूक्ष्मजीवों के संपर्क में आए, तब यह जीन स्थानांतरण संभव हुआ होगा, जिसने उन्हें नए वातावरण के अनुरूप ढलने में मदद की।

हाल के अध्ययनों में यह भी सामने आया है कि मानव शरीर में मौजूद माइक्रोबायोम यानी अरबों सूक्ष्मजीवों का समूह इस जीन आदान-प्रदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। आंतों में रहने वाले बैक्टीरिया न केवल पाचन में मदद करते हैं, बल्कि वे जीन के आदान-प्रदान के माध्यम से हमारे स्वास्थ्य और रोग-प्रतिरोधक क्षमता को भी प्रभावित कर सकते हैं।

इसके अलावा, वायरस भी इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण "वाहक" के रूप में कार्य करते हैं। वे अपने जीन को मानव कोशिकाओं में सम्मिलित कर सकते हैं, जिससे कभी-कभी नई आनुवंशिक विशेषताएं विकसित हो जाती हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि मानव जीनोम का एक छोटा हिस्सा प्राचीन वायरसों के अवशेषों से भी बना है, जिन्हें "एंडोजीनस रेट्रोवायरस" कहा जाता है।

इस प्रकार, यह स्पष्ट होता है कि मानव विकास एक सीधी रेखा में नहीं, बल्कि जटिल और परस्पर जुड़े हुए जैविक आदान-प्रदान का परिणाम है। क्षैतिज जीन स्थानांतरण की यह अवधारणा न केवल विकासवाद की हमारी समझ को विस्तृत करती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि जीवन के विभिन्न रूप एक-दूसरे से कितने गहरे जुड़े हुए हैं। मनुष्य की "श्रेष्ठता" का विचार अब एक नई वैज्ञानिक विनम्रता में बदलता दिखाई देता है, जहां हम खुद को प्रकृति की विशाल जैविक श्रृंखला का एक हिस्सा मानने लगते हैं।

लाल ग्रह की रेत में दफन प्राचीन तूफान का रहस्य

लगभग तीन अरब वर्ष पहले का मंगल आज के निर्जन, ठंडे और शुष्क ग्रह से बिल्कुल अलग रहा होगा। वैज्ञानिकों को मिले ताजा प्रमाण इस ओर इशारा करते हैं कि उस समय वहां का वातावरण कहीं अधिक सक्रिय और गतिशील था। एक शक्तिशाली रेत-तूफान के निशान अब भी मंगल की चट्टानों में सुरक्षित हैं, जिन्हें हाल ही में नासा के क्यूरियोसिटी रोवर ने खोजा है। ये खोज न केवल मंगल के भूगर्भीय इतिहास को समझने में मदद करती है, बल्कि यह भी संकेत देती है कि कभी वहां जीवन के अनुकूल परिस्थितियां मौजूद रही होंगी।

इंपीरियल कॉलेज लंदन के सेडीमेंटोलोजी (तलछट विज्ञानी) स्टीवन बैनहम के नेतृत्व में किए गए इस अध्ययन ने मंगल की सतह पर मौजूद विशेष प्रकार की लहरदार संरचनाओं, जिन्हें "सुपरक्रिटिकल क्लाइंबिंग रिपल्स" कहा जाता है की पहचान की है। ये संरचनाएं तब बनती हैं, जब तेज गति से बहने वाली हवा या कोई तरल पदार्थ बड़ी मात्रा में रेत या तलछट को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाता है। खास बात यह है कि इन लहरों की परतें एक-दूसरे के ऊपर तीव्र कोण पर चढ़ती हुई दिखाई देती हैं, जो उनके बनने की तीव्रता और निरंतरता को दर्शाती हैं।

क्यूरियोसिटी रोवर ने 2024 के अंत में मंगल के गेल क्रेटर के एक नए क्षेत्र में पहुंचकर इन चट्टानों का अध्ययन किया। हाई-डेफिनिशन कैमरों की मदद से ली गई तस्वीरों में लगभग 3.6 अरब वर्ष पुरानी चट्टानों में ये लहरदार पैटर्न स्पष्ट रूप से दिखाई दिए। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये लहरें उस समय के एक बड़े और लंबे समय तक चले रेत-तूफान का परिणाम हैं, जो संभवतः कई घंटों तक चला होगा और कमर तक ऊंची रेत को उड़ाकर ले गया होगा।

स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ मैथ्यू लैपोत्रे के अनुसार, इस प्रकार की संरचनाओं का मिलना बेहद दुर्लभ है, खासकर मंगल जैसे ग्रह पर। पृथ्वी पर भी ऐसी संरचनाएं बहुत कम स्थानों पर ही देखने को मिलती हैं, जहां वातावरण और सतही परिस्थितियां विशेष रूप से अनुकूल होती हैं। यही कारण है कि यह खोज वैज्ञानिकों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

आज के मंगल की स्थिति इससे बिल्कुल भिन्न है। वहां का वायुमंडल पृथ्वी की तुलना में लगभग 200 गुना पतला है, जिसके कारण रेत के भारी कण हवा में आसानी से नहीं उठ पाते। हालांकि धूल भरी आंधियां आज भी मंगल पर आती हैं, लेकिन वे इतनी शक्तिशाली नहीं होतीं कि इस प्रकार की जटिल संरचनाएं बना सकें। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि अतीत में मंगल का वायुमंडल कहीं अधिक घना रहा होगा, जो तेज हवाओं और बड़े पैमाने पर तलछट के परिवहन के लिए उपयुक्त था।

नई वैज्ञानिक जानकारियों के अनुसार, मंगल के प्राचीन वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा अधिक रही होगी, जिससे ग्रीनहाउस प्रभाव उत्पन्न होकर सतह का तापमान अपेक्षाकृत गर्म बना रहता था। इससे वहां तरल पानी के अस्तित्व की संभावना भी बढ़ जाती है। वास्तव में, गेल क्रेटर में पहले भी प्राचीन झीलों और नदी-नालों के प्रमाण मिल चुके हैं, जो इस सिद्धांत को और मजबूत करते हैं कि मंगल कभी "गीला और गर्म" ग्रह रहा होगा।

इसके अलावा, नासा के पर्सिवरेंस रोवर और ऑर्बिटर मिशनों से भी यह संकेत मिले हैं कि मंगल पर जैविक अणुओं के अवशेष मौजूद हो सकते हैं। हालांकि अभी तक जीवन के प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं मिले हैं, लेकिन इस तरह की खोजें यह दर्शाती हैं कि वहां जीवन के लिए आवश्यक परिस्थितियां कभी मौजूद रही होंगी।

इस प्रकार, क्यूरियोसिटी रोवर द्वारा खोजी गई ये प्राचीन रेत-लहरें केवल एक भूगर्भीय घटना का प्रमाण नहीं हैं, बल्कि वे मंगल के अतीत की एक जीवंत झलक प्रस्तुत करती हैं। ये हमें यह समझने में मदद करती हैं कि कैसे समय के साथ एक संभावित रूप से रहने योग्य ग्रह आज एक ठंडे और बंजर रेगिस्तान में बदल गया। साथ ही, यह खोज भविष्य में मंगल पर जीवन की संभावनाओं की तलाश के लिए एक महत्वपूर्ण दिशा भी प्रदान करती है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	76,631.65	23,775.10
गिरावट	931.25	222.25
प्रतिशत में	1.20	0.93

सोना 1,54,900 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,43,200 प्रति किलो

अमृत विचार
हल्द्वानी, शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन--तुलसी 2595, राज श्री 1980, फ़ॉर्चून कि. 2715, रविन्द्रा 2540, फॉर्चुन 13kg 2395, जय जवान 2125, सचिन 2320, सूरज 2125, अवसर 2100, उजाला 2130, गृहणी 13 kg 2160, क्लासिक (kg) 2500, मोर 2330, चक्र टिन 2565, ब्लू 2410, आशीर्वाद मस्टर्ड 2480, स्वास्तिक 2550
किराना--निजामाबाद हल्दी 16000-18000, जीरा 25500, लाल मिर्च 21500-24000, धनिया 14000-18000, अजवायान 14000-19000, मेथी 7000-8000 सौंफ 11000-20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850-1000, बादाम 750-1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330-380, मखाना 800-1150
चावल (प्रति कु0)--डबल चाबी सेला 10200, स्पाइस 7000, शरबती कच्ची 6250, शर्बती स्टीम 6450, मंसूरी 4300, महबूब सेला 4850, गौरी रॉयल 9800, राजभोग 7450, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10900, हरी पत्ति नेचुरल 9900, गौरी स्पेशल 9400, गौरी प्रीमियम 10900, सूमो 4000, गौरी डिलाइट 9300, मंसूरी पनघट 4350, लाडली 4300
दाल दलहन--मूंग दाल इंदौर 9900, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 11500-13000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7450-9600, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10300-11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500, चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800-8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9800, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100-11800, अरहर कोरी छोटी 12800
चीनी--पीलीभीत 4300, बहेड़ी 4280, रोज़ा 4280

हल्द्वानी मंडी

नोट : दाम प्रति क्विंटल में
चावल : शरबती- 3700 मसूरी- 1200 बासमती- 7600-8400 परमल- 1000-3600
दाल दलहन-काला चना-2200-3400 चना दाल- 1200 मूंग साबुत- 5400 राजमा- 7400-12200 दाल उड़द- 5400 साबुत मसूर दाल- 2200 मसूर दाल- 1200 उड़द साबुत- 10300 काबुली चना- 5200-10200 अरहर दाल- 10200 -12400 लोबिया/ करमानी- 1400-3400

रिलायंस रिटेल बनी दुनिया की सातवीं सबसे बड़ी स्टार्टअप कंपनी

नयी दिल्ली। रिलायंस रिटेल दुनिया की सबसे मूल्यवान निजी स्टार्टअप कंपनियों की वैश्विक सूची में सातवें स्थान पर पहुंच गयी है। स्टैनफर्ड स्कूल की रिपोर्ट के अनुसार, 100 अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन के साथ यह उपलब्धि मिली है।

युद्धविराम को लेकर संशय, सेंसेक्स 931 अंक लुढ़का, निफ्टी भी गिरा

बैंक और आईटी शेयरों में बिकवाली से नुकसान में बाजार, ब्रेंट क्रूड हुआ महंगा

मुंबई, एजेंसी

पश्चिम एशिया में युद्धविराम या जारी है संग्राम, के असमंजस के बीच भारी बिकवाली से स्थानीय शेयर बाजारों में पांच दिन से जारी तेजी बृहस्पतिवार को थम गयी। गुरुवार को बीएसई सेंसेक्स 931 अंक लुढ़क गया। एनएसई निफ्टी भी 222 अंक के नुकसान में रहा।

युद्धविराम को लेकर अनिश्चितता के बीच वित्तीय, बैंक और आईटी शेयरों में बिकवाली से बाजार नुकसान में रहा। एशिया और यूरोप के अन्य बाजारों में कमजोर रुख, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और विदेशी संस्थागत निवेशकों की निरंतर निकासी ने भी घरेलू बाजार में निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है।

बाजार में तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 931.25 अंक यानी 1.20 प्रतिशत टूटकर 76,631.65 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 1,215 अंक की गिरावट के साथ 76,347.90 अंक पर आ गया था। एनएसई निफ्टी 222.25 अंक यानी 0.93 प्रतिशत टूटकर 23,775.10 अंक पर बंद हुआ।

लेबनान पर इजराइल के हमलों के जवाब में ईरान के होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से बंद करने के बाद युद्धविराम समझौते को लेकर अनिश्चितता बढ़ गयी है।

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि युद्धविराम से जो उम्मीद बंधी थी, वह अब फीकी पड़ गयी है क्योंकि अमेरिका-ईरान तनाव के फिर से बढ़ने और होर्मुज जलडमरूमध्य पर जारी प्रतिबंधों के कारण कच्चे तेल की कीमत फिर से बढ़ गई। इससे भारत में मुद्रास्फीति को लेकर चिंता भी बढ़ गई है।

सेंसेक्स में शामिल शेयरों में से इंटरग्लोब एविएशन, लार्सन एंड टुब्रो, इटर्नल, आईसीआईसीआई बैंक एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक प्रमुख रूप से नुकसान में रहे।

दूसरी तरफ, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, पावर ग्रिड, एनटीपीसी और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयरों में तेजी रही। बीएसई स्मॉलकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.26 प्रतिशत चढ़ा जबकि मझोली कंपनियों का मिडकैप 0.15% के लाभ में रहा।

लाइवलॉन्ग वेल्थ के शोध विश्लेषक और संस्थापक हरिप्रसाद के ने कहा कि पिछले कारोबारी सत्र में तेज उछाल के बाद आज की गिरावट मुख्य रूप से मुनाफावसूली के कारण हुई है। अनिश्चित माहौल में नए जोखिम उठाने के बजाय निवेशकों ने मुनाफा वसूली को तरजीह दी।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 3.27 प्रतिशत बढ़कर 97.85 डॉलर प्रति बैरल हो गया। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख था। अमेरिकी बाजार में बुधवार को उल्लेखनीय तेजी रही थी।

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 2,811.97 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 4,168.17 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। सेंसेक्स बुधवार को 2,946.32 अंक चढ़कर 77,562.90 अंक पर रहा था जबकि निफ्टी 873.70 अंक के लाभ के साथ 23,997.35 अंक पर बंद हुआ था।

पश्चिम एशिया से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने में भारत सक्षम :विश्व बैंक

वर्ल्ड बैंक ने जारी की दक्षिण एशिया आर्थिक अद्यतन रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

- वित्तीय वर्ष 2026-27 में 6.6 प्रतिशत रहेगी भारत की वृद्धि दर

भारत मौजूदा वैश्विक ऊर्जा संकट का सामना करने के लिए अच्छी स्थिति में है, क्योंकि उसके पास पर्याप्त सुरक्षा उपाय हैं जिनमें उच्च विदेशी मुद्रा भंडार, राजकोषीय गुंजाइश और कम मुद्रास्फीति शामिल हैं। ये सभी चीजें वैश्विक चुनौतियों के बावजूद वृद्धि को समर्थन देंगी।

मौजूदा वित्त वर्ष के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत करने के एक दिन बाद दक्षिण एशिया के लिए विश्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक (समृद्धि) सेबेस्टियन एकार्ट ने कहा कि भारत ने गत वित्त वर्ष 2025-26 में व्यापारिक उथल-पुथल का अच्छी तरह सामना किया और कच्चे तेल बाजारों में अस्थिरता उत्पन्न करने वाले मौजूदा पश्चिम एशिया संकट में भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती से डटी है।

एकार्ट ने कहा कि भारत के पास मजबूत नीतिगत उपाय, उच्च विदेशी मुद्रा भंडार, राजकोषीय क्षमता है जिससे जरूरत पड़ने पर सहायता प्रदान की जा सकती है। साथ ही यहां मुद्रास्फीति का स्तर कम है और मौजूदा संकट से निपटने के लिए मजबूत लक्ष्य हैं। इस मजबूत वृद्धि गति को यूरोपीय संघ के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और नई श्रम नीति जैसी सकारात्मक नीतियों का समर्थन प्राप्त है। ये सभी चीजें निश्चित रूप से मजबूत वृद्धि गति को सुदृढ़ करती हैं एवं समर्थन देती हैं जो अच्छी बात है। वैश्विक चुनौतियों के बावजूद हम भारत और इस क्षेत्र को दुनिया के अन्य उभरते बाजारों की तुलना में एक बहुत मजबूत एवं बेहतर प्रदर्शन करने वाला क्षेत्र बने रहने की उम्मीद करते हैं। विश्व बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान मामूली बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है।

काम की बात

एआई टूल्स से बनाएं बजट

कारोबार डेस्क

आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तेजी से लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनता जा रहा है। अब इसका उपयोग पर्सनल फाइनेंस मैनेजमेंट में भी होने लगा है। खासतौर से युवा एआई आधारित बजटिंग टूल्स का जमकर उपयोग कर रहे हैं। दरअसल ये टूल आपकी कमाई, खर्च और बचत को ट्रैक करके आपको बेहतर तरीके से पैसे संभालने में मदद करते हैं। यदि आप भी बजट बनाने में उलझना नहीं चाहते तो यह जानकारी आपके काम की हो सकती है। हालांकि ये टूल्स काफी उपयोगी होते हैं, लेकिन यह याद रखना जरूरी है कि आपके वित्तीय फैसलों की अंतिम जिम्मेदारी आपकी ही होती है।

मुख्य बातें

- **स्मार्ट ट्रैकिंग और सलाह**
  एआई टूल्स आपके खर्च करने के पैटर्न को समझते हैं और उसी आधार पर आपको पर्सनलाइज्ड सुझाव देते हैं, जिससे आप अपने पैसे को बेहतर तरीके से मैनेज कर सकें।
- **ऑटोमेटिड कैटेगरी और अनुमान**
  ये टूल्स अपने आप आपके खर्चों को अलग-अलग कैटेगरी में बांट देते हैं और भविष्य के खर्च का अनुमान भी लगाते हैं, जिससे वित्तीय लक्ष्य हासिल करना आसान हो जाता है।
- **हर आय वर्ग को उपयोगी**
  चाहे आपकी आय कम हो या ज्यादा, AI बजटिंग टूल्स हर किसी के लिए मददगार हैं और बेहतर वित्तीय अनुशासन सिखाते हैं।
- **लोकप्रिय एप्स का करें उपयोग**
  आज कई ऐप्स जैसे Rocket Money, Copilot Money, YNAB, Cleo, Buddy और AI की मदद से बजटिंग को आसान बना रहे हैं।
- **सुरक्षा बेहद जरूरी**
  इन टूल्स का इस्तेमाल करते समय अपनी वित्तीय जानकारी की सुरक्षा का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। मल्टी-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (MFA) का उपयोग करना एक सुरक्षित विकल्प है।

कैसे काम करते हैं एआई बजटिंग टूल्स

- एआई बजटिंग टूल्स आपके बैंक अकाउंट और कार्ड से जुड़कर आपके लेन-देन को ट्रैक करते हैं। ये आपके पिछले खर्चों का विश्लेषण करके बताते हैं कि भविष्य में खर्च कैसा रह सकता है। साथ ही, ये आपको यह भी बताते हैं कि आप अपने जैसे अन्य लोगों की तुलना में कितना खर्च कर रहे हैं।

मुख्य फायदे

- **रियल टाइम ट्रैकिंग :** हर खर्च पर नजर
- **ऑटोमेटेड कैटेगरी :** खर्चों का वर्गीकरण
- **पर्सनलाइज्ड इनसाइट्स :** खर्च कम करने और बचत बढ़ाने के सुझाव
- **प्रेडिक्टिव एनालिसिस :** भविष्य के खर्च का अनुमान और चेतावनी

- **काम की बात**-एआई टूल्स का उपयोग करते समय अपनी निजी जानकारी साझा करनी पड़ती है। इसलिए किसी भी ऐप का उपयोग करने से पहले उसकी प्राइवेसी पॉलिसी और शर्तों को जरूर पढ़ें। भरोसेमंद प्लेटफॉर्म ही चुनें और सुरक्षा फीचर्स को सक्रिय रखें।
- **चेतावनी**-एल्गोरिदम गलतियां कर सकते हैं या संदर्भ को समझने में चूक कर सकते हैं। सुझावों का अंधाधुंध पालन करना हानिकारक हो सकता है।

30 करोड़ आबादी के लिए तैयार हो रहा विकसित यूपी-2047 का रोडमैप

विजन डाक्यूमेंट में जनसंख्या को केंद्र में रखकर तय हो रहे लक्ष्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- छह ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था और बेहतर जीवन स्तर का लक्ष्य

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश सरकार विकसित यूपी-2047 के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए करीब 30 करोड़ की आबादी के लिए व्यापक रोडमैप तैयार कर रही है। आजादी के 100 वर्ष पूरे होने तक प्रदेश की जनसंख्या में लगभग पांच करोड़ की वृद्धि होने का अनुमान है, जिसे ध्यान में रखते हुए विकास की रणनीति बनाई जा रही है।

आर्थिक समीक्षा के अनुसार, वर्ष 2026 में प्रदेश की जनसंख्या 25.19 करोड़ रहने का अनुमान है, जो 2031 में बढ़कर 26.65 करोड़, 2046 में 29.84 करोड़ और 2051 में 30.72 करोड़ तक पहुंच सकती है। इसी आधार पर विजन डाक्यूमेंट को अंतिम रूप दिया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य 2047 तक उत्तर प्रदेश को 6 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करना है। इसके साथ ही प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि, 100 प्रतिशत साक्षरता, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, 60 प्रतिशत शहरीकरण और सालाना 100 करोड़ पर्यटकों को आकर्षित करने जैसे बड़े लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में जनसंख्या वृद्धि दर में भी लगातार गिरावट दर्ज हो रही है। 2011 में जहां वृद्धि दर 1.85% थी, वहीं 2021 में यह घटकर 1.70 प्रतिशत हो गई।

2026 से 2051 के बीच इसके और घटकर 0.58% प्रतिवर्ष रहने का अनुमान है। सरकार का मानना है कि प्रदेश की युवा आबादी ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है, जिसे कौशल, रोजगार और बेहतर सुविधाओं से जोड़कर विकसित उत्तर प्रदेश का लक्ष्य हासिल किया जाएगा।

सीएम देंगे रोडमैप को अंतिम रूप: प्रमुख सचिव

नियोजन विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार के अनुसार, सभी लक्ष्यों को भविष्य की जनसंख्या के अनुरूप तैयार किया जा रहा है, ताकि विकास का लाभ हर नागरिक तक पहुंच सके। मुख्यमंत्री स्तर पर समीक्षा के बाद इस रोडमैप को अंतिम रूप दिया जाएगा।

रुपये में तीन पैसे की तेजी, 92.51 प्रति डॉलर पर हुआ बंद

मुंबई, एजेंसी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में बृहस्पतिवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया तीन पैसे की मामूली तेजी के साथ 92.51 पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि डॉलर के कमजोर होने के साथ पश्चिम एशिया के हालात एवं होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अनिश्चितता के कारण निवेशकों के सतर्क रूख के बीच रुपये में गिरावट आई।

इजराइल के लेबनान पर हमले जारी रखने को लेकर ईरान के वार्ता से बाहर निकलने की धमकी के बीच अनिश्चितता बढ़ गयी है और बाजार 'देखो और इंतजार करो' की स्थिति में आ गया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 92.63 के भाव पर खुला। रुपये ने कारोबार के दौरान 92.92 के निचले स्तर को छुआ। कारोबार के अंत में यह 92.51 प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

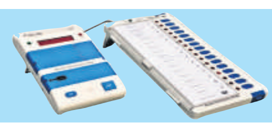

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव **महासंग्राम**

निर्मम तृणमूल कांग्रेस सरकार को बंगाल से हटायें, छह गारंटी का वादा

देश आगे बढ़ रहा, लेकिन इसने बंगाल को पीछे धकेला : मोदी

हल्दिया (पश्चिम बंगाल), एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि अगर भाजपा विधानसभा चुनाव जीतती है तो पश्चिम बंगाल की जनता को छह गारंटी दी जाएंगी। साथ ही उन्होंने 'निर्मम' तृणमूल कांग्रेस सरकार को हटाने की अपील की जो विकास की राह में 'राज्य को पीछे धकेल रही है'।

पूर्वी मेदिनीपुर के हल्दिया में एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने वादा किया कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने पर तृणमूल कांग्रेस के भय के शासन को भरोसे के शासन में बदला जायेगा, जबकि सभी लोक सेवकों को जनता के प्रति जवाबदेह बनाया जायेगा।

विकास के मुद्दे पर तृणमूल सरकार पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि देश प्रगति के पथ पर अग्रसर है, जबकि तृणमूल कांग्रेस की 'निर्मम सरकार' बंगाल को पीछे धकेल रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित बंगाल बनाने के लिए जरूरी है कि इस निर्मम सरकार को सत्ता से हटाया जाए।

मोदी ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस की सरकार राज्य में मछली की उच्च मांग के अनुरूप मछली उत्पादन करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि बंगाल में मछली की मांग बहुत अधिक है, फिर भी यह अन्य राज्यों से मछली आयात करता है। पिछले 15 वर्षों में, तृणमूल कांग्रेस की सरकार ने मछली की आपूर्ति बढ़ाने और मछली उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया है।

मोदी की छह गारंटी

पहली गारंटी : भय नहीं भरोसा देंगे।
दूसरी गारंटी : लोकसेवकों को कार्यों, नागरिकों के प्रति बनाएंगे जवाबदेह।
तीसरी गारंटी : भ्रष्टाचार और महिलाओं के प्रति अपराधों की बंद की गयी फाइलें खोलेंगे।
चाथी गारंटी : भ्रष्टाचारी और तृणमूल के गुंडों को भेजेंगे जेल।
पांचवी गारंटी : कानूनी शरण लेने वालों को सुविधाएं देंगे और घुसपैठियों को निकालेंगे बाहर।
छठी गारंटी : 7वां वेतन आयोग लागू करेंगे।

मोदी नारी शक्ति पर उपदेश देते हैं, भाजपा बलात्कारियों को माला पहनाती है : सागरिका

नयी दिल्ली, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस नेता सागरिका घोष ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर महिलाओं के अधिकारों के मामले में केवल बयानबाजी करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नारी-शक्ति की बात करते हैं, जबकि उनकी पार्टी लात्कारियों को माला पहनाती है। राज्यसभा में तृणमूल की उपनेता घोष ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में मोदी की पिछली टिप्पणियों की भी आलोचना की, जिसमें 2021 के विधानसभा चुनावों के दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी पर की गई उनकी 'दीदी-ओ-दीदी' वाली टिप्पणी भी शामिल है। घोष ने कहा कि मोदी अब नारी शक्ति पर उपदेश दे रहे हैं।

भाजपा ने सत्ता हथियाने को हटाए 91 लाख नाम : ममता

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राज्य में सत्ता हथियाने के लिए मतदाता सूचियों से 90 लाख से अधिक लोगों के नाम हटाने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को दावा किया कि उनकी पार्टी आगामी चुनाव जीतेगी। उत्तर 24 परगना जिले के मीनाखान में जनसभा को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी मतदाता सूचियों से हटाए गए लोगों के नाम शामिल कराने के लिए अदालत का रुख करेगी। विशेष गहन पुनरीक्षण

(एसआईआर) अभियान को लेकर भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि आपने बंगाल में सत्ता हथियाने के लिए 90 लाख से अधिक लोगों के नाम हटा दिए, लेकिन चुनाव हम ही जीतेंगे। उनकी यह टिप्पणी राज्य में एसआईआर प्रक्रिया पूरी होने के बाद लगभग 91 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से हटाए जाने के संदर्भ में आई। तृणमूल प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला भाषी लोगों को प्रताड़ित किया जा रहा है। बांग्ला भाषियों को विदेशी बताया जा रहा है और उन्हें घुसपैठिया कहा जा रहा है। उन्होंने चुनाव को जनता के अस्तित्व और बंगाल की पहचान की लड़ाई करार दिया।

कैमरे की नजर में तीन राज्यों के चुनाव

गुरुवार को असम, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान सम्पन्न हो गया। देखिए कुछ झलकियां।

असम : गुवाहाटी के एक पोलिंग बूथ पर वोट डालने के बाद पत्नी रिंकी भुईयां और बच्चों के साथ मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा।

असम : गुवाहाटी के एक पोलिंग बूथ पर वोट डालने के लिए उमड़े लोग।

पुडुचेरी : उपराज्यपाल कुनियिल कैलाशनाथन बूथ पर वोट डालने के बाद उंगली दिखाते हुए।

पुडुचेरी : राज्य में पोलिंग के दिन आदर्श मतदान केन्द्र पर वोटरों का स्वागत रोबोट ने किया। रोबोट संचालित करता एक युवक।

केरल : विधानसभा चुनाव में तिरुवनन्तपुरम में एक मतदान केन्द्र पर वोट डालने पहुंचे कांग्रेस नेता शशि थरूर।

केरल : राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, पोलिंग बूथ पर वोट डालने के बाद उंगली पर निशान दिखाते हुए।

निष्पक्ष चुनाव के लिए मुख्य सचिव और डीजीपी का तबादला: पलानीस्वामी

चेन्नई, एजेंसी

ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) प्रमुख एडप्पाडी. के. पलानीस्वामी ने गुरुवार को तमिलनाडु के मुख्य सचिव और डीजीपी के तबादले के निर्वाचन आयोग के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि यह कदम राज्य में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया था। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन द्वारा आठ अप्रैल को किए गए तबादलों के विरोध पर सवाल उठाते हुए उन्होंने पूछा कि अधिकारियों के तबादलों से उन्हें क्या समस्या है? उन्होंने कहा कि ये अधिकारी इतने लंबे समय से द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार के साथ हैं और चुनाव के दौरान उनका तबादला करने में कुछ भी गलत नहीं था। पलानीस्वामी ने कहा-द्रमुक को लगता है कि वह अधिकारियों पर निर्भर है, लेकिन हम जीत के लिए जनता पर निर्भर हैं। अगर किसी और को नियुक्त किया जाता है तो उन्हें क्या परेशानी है? यह टिप्पणी उन्होंने उस समय की, जब पत्रकारों ने मुख्यमंत्री के उस बयान का हवाला दिया जिसमें कहा गया था कि चुनाव के दौरान भाजपा शासित राज्यों में इस तरह के तबादले नहीं किए गए। पलानीस्वामी ने शहर में अपने चुनाव प्रचार के दौरान पत्रकारों से कहा-निर्वाचन आयोग चाहता है कि चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से संपन्न हों। निर्वाचन आयोग ने बुधवार को तमिलनाडु के मुख्य सचिव एन मुरुगनंदम के तबादले किया और उनकी जगह वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एम साई कुमार को तत्काल प्रभाव से नियुक्त किया। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव के तबादले पर कड़ी आपत्ति जताते हुए निर्वाचन आयोग के इस कदम को एकतरफा और राजनीतिक हस्तक्षेप करार दिया।

ईरान युद्ध के कारण वैश्विक खाद्य कीमतों में वृद्धि का खतरा

आईएमएफ, विश्व बैंक और डब्ल्यूएफपी ने जारी की चेतावनी, कहा- दुनिया में कमजोर लोगों पर पड़ेगा इसका सबसे ज्यादा असर

वाशिंगटन, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), विश्व बैंक और विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने चेतावनी जारी की है कि पश्चिम एशिया में युद्ध ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों में जो सबसे बड़ा व्यवधान पैदा किया है, उससे खाद्य कीमतों और खाद्य सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ेगा। तीनों संस्थाओं के प्रमुखों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि बढ़ती खाद्य कीमतों का सबसे अधिक भार दुनिया की कमजोर आबादी पर पड़ेगा।

संस्थाओं ने कहा, तेल, गैस और उर्वरक की कीमतों में तेज वृद्धि, साथ ही परिवहन बाधाओं के कारण खाद्य कीमतों और खाद्य असुरक्षा में वृद्धि अवश्य होगी। उन्होंने कहा कि वे इस स्थिति की गहन निगरानी करेंगे और संकट से प्रभावित लोगों का समर्थन करने के लिए उपलब्ध सभी संसाधनों का समन्वय करेंगे। बयान में यह भी कहा गया कि विशेष रूप से कम आय वाले और आयात निर्भर देशों में, ईंधन और खाद्य कीमतों में वृद्धि सरकारों की सीमित वित्तीय क्षमता पर सबसे अधिक प्रभाव डालेगी। तीनों संस्थाओं ने आश्वासन दिया कि वे जीवन और आजीविका की रक्षा, और स्थिरता, विकास और रोजगार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दीर्घकालिक पुनर्प्राप्ति के लिए समर्थन जारी रखेंगी। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका और ईरान दो सप्ताह का युद्धविराम समझौता किया है। अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया था क्योंकि उसने अपने परमाणु ईंधन के भंडार छोड़ने से इन्कार कर दिया था।

न्यूयॉर्क में बृहस्पतिवार को सैकड़ों लोगों ने ईरान और लेबनान के खिलाफ युद्ध के विरोध में प्रदर्शन किया।

वर्ल्ड ब्रीफ

जरूरत के वक्त साथ नहीं दिया, नाटो पर फिर बरसे ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो महासचिव मार्क रुटे के साथ बंद कमरे में हुई बैठक के बाद सैन्य गठबंधन की पुनः आलोचना करते हुए दोहराया कि जरूरत के समय नाटो अमेरिका के साथ नहीं था। बैठक के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर कैपिटल अक्षरों में लिखा, नाटो हमारे साथ नहीं था जब हमें इसकी जरूरत थी और आगे जरूरत पड़ने पर भी नहीं होगा। व्हाइट हाउस ने इस पर तत्काल कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं दी। प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि ट्रंप नाटो से अलग होने के मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं। ट्रंप और रुटे के बीच यह बैठक अमेरिका-ईरान के बीच युद्धविराम पर सहमति के ऐन बाद हुई।

पाकिस्तानी नागरिक यहूदी केंद्र पर हमले की साजिश का दोषी करार

न्यूयॉर्क। एक पाकिस्तानी नागरिक ने 2024 में न्यूयॉर्क के एक यहूदी केंद्र पर आईएसआईएस से प्रेरित हमले की साजिश रचने के मामले में जुर्म स्वीकार किया है। मुहम्मद शाहजेब खान नाम के 21 वर्षीय इस शख्स ने अमेरिका में घुसने और ब्रुकलिन स्थित एक प्रमुख यहूदी धार्मिक केंद्र पर स्वचालित हथियारों से गोलीबारी करने की साजिश रची थी। शाहजेब ने बुधवार को अमेरिकी जिला न्यायाधीश पॉल गार्डेफे के समक्ष अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद से जुड़े अपराध के आरोप में दोष स्वीकार किया, जिसके लिए अधिकतम सजा आजीवन कारावास है। सजा अगस्त में सुनाई जाएगी। शाहजेब कनाडा में रह रहा था।

नेपाल : जमानत पर रिहा हुए केपी ओली और रमेश लेखक

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक को बृहस्पतिवार को निजी मुचलके पर जमानत पर रिहा कर दिया गया। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के अध्यक्ष ओली और नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता लेखक को पिछले साल हुए जेन जी आंदोलन को दबाने में संलिप्तता के लिए पिछले महीने गिरफ्तार किया गया था। इस आंदोलन के दौरान 76 लोग मारे गये थे। सुप्रीम कोर्ट की एक संयुक्त पीठ ने सोमवार को आदेश दिया कि वे ओली और लेखक के खिलाफ जांच बृहस्पतिवार तक पूरी करें या उन्हें हिरासत से रिहा करें।

हिजबुल्ला ने खाई इजराइल के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की कसम

मास्को। लेबनान पर इजराइली हवाई हमलों में 254 लोगों के मारे जाने और 1,165 घायल होने के बाद लेबनानी आंदोलन हिजबुल्ला ने कहा कि इजराइल की लेबनान पर बमबारी उसे जवाबी कार्रवाई का अधिकार देती है। तुर्किये के विदेश मंत्रालय ने कहा, हम लेबनान पर इजराइल के बढ़ते हमलों की कड़ी निंदा करते हैं जिनके परिणामस्वरूप भारी जानमाल का नुकसान हुआ है। ये हमले देश में मानवीय स्थिति को और बदतर बना रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि क्षेत्र में घोषित युद्धविराम के बावजूद इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू शांति एवं स्थिरता स्थापित करने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों को लगातार कमजोर कर रहे हैं।

पाकिस्तान में वार्ता पर अभी संदेह के बादल

तेहरान। ईरान और अमेरिका के बीच युद्धविराम वार्ता में नया संकट पैदा हो गया है। पाकिस्तान में ईरान के राजदूत रजा अमिरी मोघम ने गुरुवार को इस्लामाबाद में होने वाली शांति वार्ता के संदर्भ में की गई अपनी सोशल मीडिया पोस्ट हटा दी है। मोघम ने पहले पोस्ट किया था कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल गुरुवार रात इस्लामाबाद पहुंचेगा। पोस्ट में यह भी कहा गया था कि यह दौरा ईरानी जनता के बीच व्याप्त संदेह के बावजूद हो रहा है, क्योंकि इजराइल द्वारा लगातार युद्धविराम का उल्लंघन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य कूटनीतिक पहल को विफल करना है।

यूनान के प्रधानमंत्री ने ने कहा- होर्मुज पार करने को ईरान को पैसे देना स्वीकार नहीं करेगी दुनिया

वाशिंगटन। यूनान के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोताकिस ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों के गुजरने के लिए ईरान को भुगतान करना स्वीकार नहीं करेगा। मित्सोताकिस ने जोर दिया कि होर्मुज को पार करने के लिए भुगतान संबंधी अमेरिका-ईरान समझौता नौवहन की स्वतंत्रता के लिए खतरनाक मिसाल साबित होगा। उन्होंने कहा कि लेबनान में संघर्ष विराम, ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच शांति समझौते का एक हिस्सा बनना चाहिए। गौरतलब है कि ट्रंप ने मंगलवार रात ईरान के साथ दो सप्ताह के संघर्ष विराम की घोषणा करते हुए आश्वासन दिया था कि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने पर सहमत हो गया है।

होर्मुज में ट्रांजिट टोल लगने की संभावना से तेल कंपनियां भी नाराज

वाशिंगटन। तेल कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों ने व्हाइट हाउस से संपर्क कर होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने के लिए ईरान की ओर से संभावित शुल्क (ट्रांजिट टोल) लगाए जाने की चर्चाओं पर चिंता जताई है। रिपोर्टों के अनुसार तेल कंपनियों के अधिकारियों ने व्हाइट हाउस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से अपील की है कि वे शांति वार्ता की शर्त के रूप में ईरान को इस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हॉर्मुज से गुजरने के लिए शुल्क लेने की अनुमति देने का विरोध करें। तेल उद्योग के प्रतिनिधियों ने बुधवार सुबह अमेरिकी विदेश विभाग में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हें अपनी चिंताओं से अवगत कराया।

अमेरिका-इजराइल पर युद्धविराम के बाद भी जारी रहेंगे साइबर हमले

- अमेरिकी विशेषज्ञों ने दी ईरानी हैकर्स की इस धमकी को गंभीरता से लेने की चेतावनी

वाशिंगटन। ईरान से संबद्ध हैकर समूहों ने संकेत दिया है कि ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच अस्थिर युद्धविराम लंबे समय तक उनके जवाबी साइबर हमलों को नहीं रोक पाएगा। अमेरिकी साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने इस चेतावनी को गंभीरता से लेने की सलाह दी है।

हंदाला नामक एक प्रमुख हैकर समूह ने युद्धविराम की घोषणा के बाद कहा कि वह अमेरिका पर हमलों को अस्थायी रूप से टाल रहा है, लेकिन इजराइल को निशाना बनाना जारी रखेगा। समूह ने यह भी कहा कि उचित समय आने पर वह अमेरिका के खिलाफ अपनी गतिविधियां फिर शुरू करेगा। फिलिस्तीन और ईरान समर्थक हंदाला नेटवर्क ने अमेरिकी चिकित्सा उपकरण विनिर्माता स्ट्राइकर के कामकाज में बाधा डालने और एफबीआई निदेशक काश पटेल के निजी ईमेल खाते में सेंध लगाने सहित कई साइबर हमलों की जिम्मेदारी ली है। यह समूह ईरान से जुड़े कई प्रॉक्सी हैकर नेटवर्क में से एक है और तेहरान से स्वतंत्र रूप से काम करता है।

काश पटेल का ईमेल खाता कर चुके हैं हैक

फिलिस्तीन और ईरान समर्थक हंदाला नेटवर्क ने अमेरिकी चिकित्सा उपकरण विनिर्माता स्ट्राइकर के कामकाज में बाधा डालने और एफबीआई निदेशक काश पटेल के निजी ईमेल खाते में सेंध लगाने सहित कई साइबर हमलों की जिम्मेदारी ली है। यह समूह ईरान से जुड़े कई प्रॉक्सी हैकर नेटवर्क में से एक है और तेहरान से स्वतंत्र रूप से काम करता है। समूह ने एक्स पर लिखा, हमने यह युद्ध शुरू नहीं किया, लेकिन इसे खत्म हम ही करेंगे।

बब्बर खालसा के गुर्गों से हैंड ग्रेनेड और आईईडी बरामद

अमृतसर/ गुरदासपुर। पंजाब में पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों के साथ संयुक्त अभियान में आईएसआई प्रायोजित बब्बर खालसा इंटरनेशनल आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है।इस मामले में गिरफ्तार किए गए दो गुर्गों से जिसमें पांच हैंड ग्रेनेड, दो डेटोनेटर, कोडर और डिकोडर के साथ पीटीटी टाइमर, आईईडी विस्फोटक और वॉकी-टॉकी बरामद किया गया है।

डीजीपी गौरव यादव के मुताबिक गिरफ्तार किए गए गुर्गों की पहचान आकाश मसीह और जब्लौन के रूप में हुई है, दोनों गुरदासपुर जिले के थाना घुमान कलां के अंतर्गत गांव दुल्ला नंगल के निवासी हैं और उनका आपराधिक इतिहास रहा है। यादव ने बताया कि इन दोनों गुर्गों से महत्वपूर्ण बरामदगी हुई है। इससे पता चलता है कि यह मॉड्यूल राज्य में बड़े आतंकी हमलों को अंजाम देने की तैयारी कर रहा था।

मालदा में न्यायिक अधिकारियों के घेराव के मामले में 12 केस दर्ज

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में एसआईआर से संबंधित कार्य के लिए तैनात न्यायिक अधिकारियों के घेराव के मामले में राज्य में चल रही चुनाव प्रक्रिया के बीच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की कार्रवाई जारी है। एनआईए ने इस मामले में 12 मामले दर्ज किए हैं। यह कार्रवाई उच्चतम न्यायालय की ओर से जारी निर्देशों के बाद की गई है।

बुधवार देर रात एजेंसी ने कहा कि उसने मालदा जिले के मोथाबारी पुलिस स्टेशन से सात और कालीचक पुलिस स्टेशन से पांच एफआईआर

एनआईए की कार्रवाई

अपने पास लेकर पुनः मामला दर्ज किया है। ये मामले सुप्रीम कोर्ट के छह अप्रैल के आदेश के अनुरूप न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा संबंधी घटनाओं से जुड़े हैं। एनआईए की टीमें पहले ही मालदा पहुंच चुकी हैं और विस्तृत जांच शुरू कर चुकी हैं। इससे पहले, शीर्ष अदालत ने केंद्रीय एजेंसी को न्यायिक अधिकारियों के घेराव की जांच करने का निर्देश दिया और चिंता जताई थी कि ऐसी घटनाएं संस्थागत विश्वसनीयता को कम कर रही हैं।

अमेरिका के साथ रक्षा उद्योग, प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखला संबंध गहरा करने के प्रयास

वाशिंगटन, एजेंसी

भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने अमेरिका के वरिष्ठ अधिकारियों से यहां मुलाकात की तथा रक्षा एवं व्यापार संबंधों को और गहरा करने को लेकर उनके साथ चर्चा की। इस दौरान उन्होंने हिंद-प्रशांत और पश्चिम एशिया के घटनाक्रम पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

अमेरिका की तीन दिन की यात्रा पर आए मिसरी ने अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के अवर सचिवों माइकल डफी और एल्ब्रिज कोल्बी तथा वाणिज्य मंत्रालय के अवर सचिवों जेफरी केसलर और विलियम किमिट से मुलाकात की। अमेरिका में भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, रक्षा क्षेत्र में भारत-अमेरिका के बीच आदान-प्रदान की गति को बनाए रखते हुए विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने युद्ध नीति मामलों के लिए अवर सचिव एल्ब्रिज कोल्बी के साथ पेंटागन में व्यापक बातचीत की जिसमें हिंद-प्रशांत क्षेत्र और पश्चिम एशिया में जारी घटनाक्रम पर चर्चा हुई। कोल्बी ने पिछले महीने भारत का दौरा किया था और नयी दिल्ली में भारत-अमेरिका रक्षा नीति समूह की बैठक के इतर मिसरी से मुलाकात की थी। मिसरी की रक्षा मंत्रालय में अधिग्रहण और अनुरक्षण के लिए अवर सचिव डफी के साथ भी पेंटागन में सार्थक बातचीत हुई।

- वाशिंगटन में वरिष्ठ अधिकारियों से मिले विदेश सचिव विक्रम मिसरी

भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में कहा, विदेश सचिव विक्रम मिसरी की पेंटागन में अधिग्रहण और अनुरक्षण के लिए युद्ध विभाग के अवर सचिव माइक डफी के साथ सार्थक बातचीत हुई। दोनों पक्षों ने पिछले वर्ष हस्ताक्षरित द्विपक्षीय प्रमुख रक्षा साझेदारी के ढांचे में तय महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के अनुरूप भारत और अमेरिका के बीच रक्षा उद्योग, प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखला संबंधों को और गहरा करने के उपायों पर चर्चा की।

मंदिर में वर्ग के आधार पर प्रवेश रोके जाने से हिंदू धर्म बुरी तरह प्रभावित होगा: शीर्ष कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को कहा कि यदि मंदिर और मठ पंथ तथा धर्म के भीतर के वर्गों के आधार पर प्रवेश पर रोक लगाते हैं तो इससे हिंदू धर्म बुरी तरह से प्रभावित होगा और समाज बंट जाएगा। नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने वरिष्ठ वकील सी एस वैद्यनाथन की दलीलों का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की।

वैद्यनाथन ने दलील दी थी कि संविधान का अनुच्छेद 26(बी) किसी धार्मिक संप्रदाय को अपने कामकाज का प्रबंधन करने का अधिकार देता है और इसे अनुच्छेद 25(2)(बी) पर वरीयता मिलेगी, जो सरकार को सभी सार्वजनिक हिंदू धार्मिक संस्थानों को आम लोगों के लिए खोलने का अधिकार देता है। वैद्यनाथन केरल के शबरिमला मंदिर के भगवान अयप्पा के भक्तों की ओर से शीर्ष अदालत में उपस्थित हुए। शीर्ष कोर्ट की नौ सदस्यीय पीठ शबरिमला मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव से जुड़ी याचिकाओं की सुनवाई तथा विभिन्न आस्थाओं के लोगों की धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे और विस्तार पर भी विचार कर रही थी।

- शबरिमला मंदिर में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव पर सुनवाई

वैद्यनाथन ने दलील दी कि किसी वर्ग विशेष का मंदिर अन्य व्यक्ति को प्रवेश की अनुमति दे सकता है और उन्हें पूजा-अर्चना में शामिल कर सकता है या फिर वह इसे केवल अपने वर्ग तक ही सीमित रख सकता है। इस पर, न्यायमूर्ति नागरत्ना ने टिप्पणी की, एक आशंका है। अगर आप प्रवेश के अधिकार की बात करते हैं, खासकर वेंकटरमण देवरू मामले के संदर्भ में, जिसमें कहा गया था कि गौड़ सारस्वत ब्राह्मणों के अलावा किसी और को प्रवेश नहीं मिलेगा, तो इसका हिंदू धर्म पर नकारात्मक असर पड़ेगा।

उन्होंने कहा, प्रत्येक व्यक्ति को हर मंदिर और मठ में प्रवेश का अधिकार होना चाहिए। शबरिमला फैसले (2018) से जुड़े विवाद को एक तरफ रख दें। लेकिन अगर आप यह कहते हैं कि यह एक परंपरा है और यह धर्म का मामला है कि मैं दूसरों को बाहर रखूंगा और केवल मेरे वर्ग, मेरे संप्रदाय के लोग ही मंदिर में प्रवेश कर सकते हैं, कोई और नहीं, तो यह हिंदू धर्म के लिए अच्छा नहीं है। धर्म पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए। यह उसके लिए नुकसानदायक ही साबित होगा। न्यायमूर्ति कुमार ने इस पर सहमति जताई।

केंद्र की दलील... शबरिमला संबंधी फैसला पुरुषों के श्रेष्ठ होने की धारणा पर आधारित

नई दिल्ली। केंद्र ने केरल के शबरिमला मंदिर में विशेष आयुवर्ग की महिलाओं के प्रवेश पर पाबंदी का समर्थन करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट का 2018 का फैसला इस धारणा पर आधारित है कि पुरुष श्रेष्ठ हैं और महिलाओं का स्थान उनसे नीचे है। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ से कहा कि उन्होंने लिखित अभ्यावेदन दिया है और ऐसे उदाहरण पेश किए हैं जिनमें पुरुषों को मंदिरों में प्रवेश की अनुमति नहीं है। मेहता ने पीठ से कहा, यह देवी भगवती का मंदिर है, उससे कुछ आस्थाएं और मान्यताएं जुड़ी हैं। केरल में एक मंदिर है, मैंने उसके बारे में पढ़ा है, जहां पुरुष महिलाओं के वेश में जाते हैं। वे ब्यूटी पार्लर जाते हैं और परिवार की महिलाएं उन्हें साड़ी पहनने में मदद करती हैं। उन्होंने कहा, इसलिए यह पुरुष केंद्रित या महिला केंद्रित धार्मिक मान्यताओं का सवाल नहीं है। मौजूदा मामले में, यह महिला केंद्रित है।

प्रीति सरन यूएन की अहम संस्था में नए कार्यकाल के लिए चुनी गईं

न्यूयॉर्क। वरिष्ठ राजनयिक प्रीति सरन को संयुक्त राष्ट्र की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार समिति (सीईएससीआर) के लिए फिर से चुना गया है। उनका नया कार्यकाल 2027 से शुरू होगा और यह तीन साल का होगा।

जटिल वैश्विक सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों के बीच, इस वैश्विक संस्था का कुशल नेतृत्व करने में उनकी विशेषज्ञता को ध्यान में रखते हुए उन्हें समिति के लिए फिर से चुना गया है। राजदूत सरन वर्तमान में समिति की अध्यक्ष हैं। यह समिति आर्थिक और सामाजिक अधिकारों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय समझौतों को सदस्य देशों द्वारा लागू किए जाने के तरीकों की निगरानी करती है।

समिति संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग के तहत संचालित होती है। भारतीय विदेश सेवा में अपने 36 वर्षों के शानदार करियर के दौरान, राजदूत सरन ने भारत में और एशिया, अफ्रीका, यूरोप तथा अमेरिका स्थित भारतीय मिशन में विभिन्न उच्च-स्तरीय पदों पर सेवा दी है।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज का दिन उत्साह व निर्णय क्षमता से भरा रहेगा। धन संबंधी स्थितियां संतुलित रहेंगी। कार्यक्षेत्र में अटके हुए मामलों में गति आएगी।

वृष – आज का दिन मानसिक स्थिरता की मांग करता है। स्वास्थ्य पर थोड़ा ध्यान दें। किसी पुराने परिचित से लाभ का संकेत है।

मिथुन – आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। परिवार में कोई छोटा उत्सव हो सकता है। अचानक धन लाभ का भी संकेत है।

कर्क – आज भावनात्मक संतुलन बनाए रखें। किसी पुराने मित्र से चर्चा मन हल्का करेगी। नए अवसर मिलने के योग बन रहे हैं।

सिंह – आज नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी। व्यापार में विस्तार की संभावना है। सरकारी कार्यों में प्रगति होगी। अनावश्यक खर्च बढ़ सकता है।

कन्या – आज आप दक्षता व धैर्य के साथ कार्य करेंगे। कार्यालय में आपके सुझावों की सराहना होगी। किसी यात्रा के योग बन रहे हैं।

तुला – आज चंद्रमा के प्रभाव से दिन सकारात्मक रहेगा। मन प्रसन्न रहेगा और मित्रों से सहयोग मिलेगा। आय के नए अवसर मिलने के संकेत हैं।

वृश्चिक – आज कर्मठता बढ़ेगी और किसी बड़े निर्णय का समय निकट है। पारिवारिक स्तर पर कोई महत्वपूर्ण बात सामने आ सकती है।

धनु – आज भाग्य प्रबल रहेगा। चंद्रमा आपकी राशि में स्थित होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यापार में वृद्धि या नई जिम्मेदारी का योग है।

मकर – आज ऑफिस में आपके प्रयासों की प्रशंसा होगी। धन की बचत पर विशेष ध्यान दें। संध्या समय मन प्रसन्न होगा।

कुंभ – आज का दिन आपकी योजनाओं को गति देगा। नए लोगों से संपर्क लाभदायक सिद्ध हो सकता है। प्रेम संबंधों में सकारात्मकता आएगी।

मीन – आज आपको निवेश से लाभ होगा। नया काम शुरू करने का शुभ समय है। पुराने विवाद भी समाप्त हो सकते हैं।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय astrompandey@gmail.com

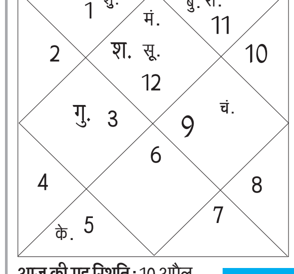

आज की ग्रह स्थिति : 10 अप्रैल, शुक्रवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष-कृष्ण पक्ष, अष्टमी 23.15 तक तत्पश्चात नवमी।

दिशाशूल-पश्चिम, **ऋतु**- वसंत।

चन्द्रबल- मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।

ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।

नक्षत्र- पूर्वाषाढ़ा 11.28 तक तत्पश्चात उत्तराषाढ़ा।

सुडोकू - 114 का हल

2	6	8	7	9	5	1	4	3
5	3	4	8	6	1	9	7	2
9	1	7	2	3	4	8	6	5
7	5	6	4	1	8	2	3	9
1	2	9	5	7	3	6	8	4
8	4	3	9	2	6	7	5	1
3	9	5	1	8	7	4	2	6
6	7	2	3	4	9	5	1	8
4	8	1	6	5	2	3	9	7

सुडोकू -115

	6					9		2
8		2		1	5			
				2		8		5
		8			3			
		1				6		
9			8			7		
		5		9				
3			5			1		7
2		6					5	

न्यूज डिकोडर

डिजिटल किडनैपिंग

टेक कंपनियों में तैयार किया ऐसा नशा जो आपके दिमाग को मुक्त ही नहीं होने देता

अक्सर ऐसा होता है कि आप बस एक जरूरी मैसेज चेक करने के लिए फोन उठाते हैं, लेकिन अचानक आधे घंटे बाद आपको एहसास होता है कि आप इंस्टाग्राम पर रील देख रहे थे या यूट्यूब पर अनजान वीडियो। यह कोई इत्तफाक नहीं है। दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनियां अरबों डॉलर खर्च करके ऐसे एल्गोरिदम बना रही हैं जो आपके दिमाग के डोपामाइन सिस्टम को कंट्रोल करते हैं।

असली खेल क्या है

कंपनियां स्क्रीन पर बिताए आपके हर सेकंड से पैसा कमाती हैं, इसलिए उनका लक्ष्य आपको फोन से चिपकाए रखना है।

डोपामाइन लूप : जब आप फोन पर कोई नोटिफिकेशन देखते हैं या लाइक मिलता है तो आपके दिमाग में डोपामाइन रिलीज होता है, जो खुशी महसूस कराता है। एआई जान जाता है कि आपको क्या कंटेंट दिखाकर यह नशा दिया जा सकता है।

इनफिनिट स्क्रॉल : फेसबुक या इंस्टाग्राम पर नीचे की तरफ खत्म न होने वाला पेज इसलिए बनाया गया है ताकि आपके दिमाग को रुकने और सोचने का मौका ही न मिले। यह ठीक वैसा ही है जैसे जुए की मशीन काम करती है।

अटेंशन इकोनॉमी : आज की दुनिया में आपका ध्यान सबसे महंगी मुद्रा है। इसे भुनाने के लिए एआई आपकी हर कमजोरी को ट्रैक करता है, चाहे वह गुस्सा दिलाने वाली खबरें हों या मनोरंजन ताकि आप स्क्रीन छोड़कर न जाएं।

फैक्ट

क्या आप जानते हैं कि सिलिकॉन वैली के कई बड़े इंजीनियर, जिन्होंने लाइक बटन और स्क्रॉल फीचर बनाया, आज खुद अपने बच्चों को स्मार्टफोन से दूर रखते हैं। एक स्टडी के अनुसार, औसतन एक व्यक्ति दिन में 2,617 बार अपने फोन को टच करता है। डिजिटल डिटॉक्स करने वाले लोगों में फोकस करने की क्षमता सामान्य लोगों से 40% ज्यादा पाई गई है।

आपके लिए जरूरी बातें

डार्क पैटर्न्स : वेबसाइट्स और एप्स ऐसे डिजाइन तैयार करते हैं जो आपको न चाहते हुए भी क्लिक करने पर मजबूर करते हैं। जैसे कि किसी सब्सक्रिप्शन को कैंसिल करने का बटन बहुत छोटा और गहरे रंग में छिपा देना, ताकि आप हार मानकर पैसे देते रहें।

घोस्ट नोटिफिकेशन : क्या कभी आपको महसूस हुआ कि आपकी जेब में फोन वाइब्रेट हुआ, लेकिन चेक करने पर कोई मैसेज नहीं था? इसे 'फैंटम वाइब्रेशन सिंड्रोम' कहते हैं। कंपनियों के एल्गोरिदम ने हमारे दिमाग को इस कदर ट्रेन कर दिया है कि हम हर वक्त फोन की तरफ भागने के लिए बेचैन रहते हैं।

चॉइस आर्किटेक्चर : एआई आपको यह महसूस कराता है कि आप अपनी पसंद का वीडियो देख रहे हैं, लेकिन असल में वह आपको वही दिखा रहा होता है जो वह चाहता है। यूपी नेक्स्ट और ऑटो प्ले फीचर्स आपके निर्णय लेने की क्षमता को खत्म कर देते हैं।

स्लीप डिस्टर्बेंस और ब्लू लाइट

रात के समय फोन का इस्तेमाल न केवल आपकी आंखों को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि एआई एल्गोरिदम रात 11 बजे के बाद आपको ज्यादा उत्तेजक कंटेंट दिखाते हैं क्योंकि उन्हें पता है कि इस समय आपका सेल्फ कंट्रोल सबसे कम होता है।

- भारत में एक औसत व्यक्ति दिन भर में लगभग 4.5 से 5 घंटे मोबाइल फोन पर बिताता है। भारतीय यूजर हर महीने औसतन 31 जीबी डेटा खर्च कर रहे हैं।
- किशोरों-युवाओं के मामले में यह समय 7 से 8 घंटे तक पहुंच जाता है। दुनिया भर में मोबाइल इस्तेमाल के मामले में भारत शीर्ष देशों की सूची में शामिल है।

एक्सपर्ट टिप्स

ग्रे-स्केल मोड

अपने फोन की सेटिंग्स में जाकर स्क्रीन को ब्लैक एंड व्हाइट कर दें। रंगीन-चमकीले आइकन दिमाग को ज्यादा आकर्षित करते हैं, ब्लैक एंड व्हाइट स्क्रीन फोन को नीरस बना देती है जिससे आप कम इस्तेमाल करेंगे।

नोटिफिकेशन फिल्टर

केवल जरूरी एप्स जैसे कॉल या वर्क मैसेज के नोटिफिकेशन ऑन रखें। सोशल मीडिया के लाइक-कमेंट के नोटिफिकेशन बंद करें।

बेडरूम को नो फोन जोन बनाएं

रात को सोते समय फोन को सिरहाने रखने के बजाय दूसरे कमरे में चार्ज करें। अलार्म के लिए फोन नहीं, साधारण घड़ी का उपयोग करें।

20 मिनट का नियम

जब भी एप खोलने की तीव्र इच्छा हो, खुद को कहें कि मैं इसे 20 मिनट बाद देखूंगा। अक्सर वह इच्छा तब तक खत्म हो जाती है।

ये हैं स्वास्थ्य को नुकसान

- लगातार मोबाइल का इस्तेमाल शरीर की बनावट और कार्यक्षमता को प्रभावित करता है।
- गर्दन झुकाकर लंबे समय फोन चलाने से रीढ़ व गर्दन की मांसपेशियों पर दबाव पड़ता है।
- नीली रोशनी के कारण आंखों में सूखापन, जलन, धुंधली दृष्टि और सिरदर्द की समस्या।

“मैं इंपैक्ट सब नियम को युवा खिलाड़ियों के लिए मौके के रूप में देखता हूं। कइयों को यह नियम पसंद नहीं है लेकिन अगर एक बल्लेबाज या गेंदबाज टीम में जुड़ता है तो अधिक जोखिम वाले फैसले लिये जा सकते हैं।
–प्रभसिमरन सिंह

स्टेडियम

हल्द्वानी, शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

IPL 2026

आज के मुकाबले

राजस्थान रॉयल्स

बनाम

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

समय - शाम 7:30 बजे

हाईलाइट

भारत के सबसे उम्रदराज टेस्ट क्रिकेटर गोपीनाथ का निधन

चेन्नई। टेस्ट में भारत की पहली जीत दर्ज करने वाली टीम के सदस्य रहे देश के सबसे उम्रदराज अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर सीडी गोपीनाथ का 96 वर्ष की आयु में निधन हो गया। गोपीनाथ ऑस्ट्रेलिया के महान नील हार्वी (97) के बाद दुनिया के दूसरे सबसे उम्रदराज क्रिकेटर थे। उनके निधन के बाद मुंबई के 95 वर्षीय चंद्रकांत पाटणकर अब देश के सबसे उम्रदराज क्रिकेटर बन गए हैं। पाटणकर ने 1955 में न्यूजीलैंड के खिलाफ एक टेस्ट खेला था।

आयुष क्वार्टर फाइनल में, सिंधु और प्रणय हारे

निंगबो। भारत के युवा बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप में पुरूष एकल क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए लेकिन पी वी सिंधू महिला एकल में हारकर बाहर हो गई। विश्व रैंकिंग में 25वें स्थान पर काबिज आयुष ने 20वीं रैंकिंग वाले चीनी ताइपै के चि यू जेन को 21.6, 21.12 से हराया। अब उनका सामना तीसरी वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी से होगा। भारत के बाकी खिलाड़ियों के लिये बृहस्पतिवार का दिन निराशाजनक रहा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू को दूसरी वरीयता प्राप्त चीन की वांग झियि ने 46 मिनट तक चले मुकाबले में 21.18, 21.8 से हराया। कंधे की चोट से उबरकर वापसी करने वाले एच एस प्रणय को चीन के वेंग होंग यांग ने 21.12, 21.19 से मात दी।

वैष्णवी व सहजा की हार, इंडोनेशिया का अजेय बढ़त

नई दिल्ली। वैष्णवी अडकर और सहजा यमलापल्ली की एकल मुकाबलों में हार से बिली जीन किंग कप के एशिया-ओशियाना ग्रुप-एक मुकाबले में बृहस्पतिवार को यहां इंडोनेशिया ने भारत पर 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। वैष्णवी ने प्रिस्का मेडेलिन नुग्रोहो को कड़ी चुनौती दी, लेकिन उन्हें दिल तोड़ने वाली हार का सामना करना पड़ा, जबकि सहजा विश्व रैंकिंग में 41वें स्थान पर काबिज जेनिस ट्येन के सामने सहज नहीं दिखी। विश्व रैंकिंग में 391वें पायदान पर काबिज पुणे की 21 वर्षीय वैष्णवी ने मुकाबले में पूरा दमखम दिखाया, लेकिन 419वीं रैंकिंग वाली प्रिस्का की चुनौती से पार नहीं पा सकीं। वह डीएलटीए स्टेडियम में तीन घंटे छह मिनट तक चले मुकाबले में 7-6 (3), 6-7 (3), 3-6 से हार गईं।

लखनऊ सुपर जाएंट्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 181 रनों पर रोका

आईपीएल-2026 : बीच के ओवरों में विकेट गवांना मेजबानों को महंगा पड़ा

कोलकाता, एजेंसी

लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) ने बीच के ओवरों में अनुशासित गेंदबाजी करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मुकाबले में बृहस्पतिवार को चार विकेट पर 181 रन पर रोक दिया।

मौजूदा सत्र में पहली जीत की तलाश कर रही केकेआर की टीम शुरुआती 10 ओवर में एक विकेट पर 98 रन बनाकर मजबूत स्थिति में थी। कप्तान अजिंक्य रहाणे और शानदार लय में चल रहे अंगकृष रघुवंशी ने 52 गेंदों में 84 रन की साझेदारी की। सलामी बल्लेबाज फिन एलेन (नौ) के सस्ते में आउट होने के बाद भी टीम 200 के पार जाती दिख रही थी, लेकिन एलएसजी के गेंदबाजों ने स्पिन और सधी हुई तेज गेंदबाजी के मिश्रण से 11वें से 14वें ओवर के बीच पारी का रुख बदल दिया।

रहाणे (24 गेंदों पर चार चौके और दो छक्कों की मदद से 41 रन) को स्पिनर दिग्वेश राठी ने आउट किया। मोहम्मद शमी ने उनका शानदार कैच लपका। अगले ही ओवर में रघुवंशी (33 गेंदों पर पांच चौके और दो छक्कों की मदद से 45 रन) को बाएं हाथ के स्पिनर मणिमारण सिद्धार्थ ने लॉन्ग-ऑन पर कैच कराया। इसके बाद आवेश खान ने दूसरे स्पैल में शानदार वापसी करते हुए रिंकू सिंह (चार) को आउट किया, जिससे केकेआर के बल्लेबाज 30 गेंदों तक बाउंड्री नहीं लगा सके और 15 ओवर में स्कोर चार विकेट पर सिर्फ 115 रन तक ही पहुंच सका।

रोवमैन पॉवेल (24 गेंदों पर चार चौके और दो छक्कों की मदद से नाबाद 39 रन) और कैमरून ग्रीन (24 गेंदों पर तीन चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 32 रन) ने उपयोगी पारियां खेलकर टीम को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। एलएसजी के गेंदबाजों में शमी सबसे प्रभावी रहे, जिन्होंने चार ओवर में नौ डॉट गेंदें डालीं और 27 रन खर्च किए। राठी (25 रन देकर एक विकेट) और सिद्धार्थ (34 रन पर एक विकेट) ने भी कसी हुई गेंदबाजी की। इससे पहले रहाणे ने आक्रामक शुरुआत की, जबकि रघुवंशी ने शानदार लय और संयम के साथ उनका अच्छा साथ निभाया। धीमी शुरुआत के बावजूद टीम पावरप्ले में एक विकेट पर 56 रन बनाने में सफल रही। शमी ने नई गेंद से केकेआर के बल्लेबाजों को परेशान किया, जिससे एलएसजी ने शुरुआती पांच ओवर में 18 डॉट गेंदें फेंकीं।

शॉट लगाते कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी। एजेंसी

केकेआर

181/4 (20 ओवर)

अजिंक्य रहाणे का शमी बो राठी	41
फिन ऐलन का राठी बो प्रिंस	09
अंगकृष रघुवंशी का मारक्रम बो सिद्धार्थ	45
कैमरुन ग्रीन नाबाद	32
रिंकू सिंह बो आवेश	04
रोवमैन पोवेल नाबाद	39

अतिरिक्त : 11, गेंदबाजी : शमी 4-0-27-0, प्रिंस 4-0-47-1, सिद्धार्थ 3-0-34-1, राठी 4-0-25-1, आवेश 4-0-44-1

वानखेड़े में शास्त्री स्टैंड का अनावरण, इडुल्जी व सरदेसाई सम्मानित

मुंबई। भारत के पूर्व ऑलराउंडर रवि शास्त्री के नाम पर वानखेड़े स्टेडियम में बृहस्पतिवार को यहां एक स्टैंड का अनावरण किया गया। इस मौके पर मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने डायना इडुल्जी, एकनाथ सोलकर और दिलीप सरदेसाई जैसे अपने अन्य दिग्गज खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया। 'शास्त्री स्टैंड' का अनावरण एक समारोह में किया गया जिसमें सुनील गावस्कर मौजूद थे। वानखेड़े स्टेडियम के गेट का नाम भारत की पूर्व कप्तान इडुल्जी, भारत के पूर्व ऑलराउंडर सोलकर और सरदेसाई के नाम पर रखा गया। भारत के पूर्व मुख्य कोच शास्त्री वानखेड़े में अपने भाषण के दौरान काफी भावुक नजर आए। शास्त्री ने कहा मेरी पत्नी यहां है, मेरी बेटी यहां है, उसने मुझे कभी खेलते हुए नहीं देखा... मेरी बहन वहां है, मेरा भतीजा वहां है, हर कोई मौजूद है। मुझे खुशी है, बस एक ही बात का दुख है – मेरे पिता। वह मेरे हीरो थे लेकिन आज वह यहां मौजूद नहीं हैं।

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	राजस्थान रॉयल्स	3	3	0	0	6	2.403
2.	पंजाब किंग्स	3	2	0	1	5	0.637
3.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	2	2	0	0	4	2.501
4.	दिल्ली कैपिटल्स	3	2	1	0	4	0.811
5.	सनराइज़र्स हैदराबाद	3	1	2	0	2	0.275
6.	गुजरात टाइटंस	3	1	2	0	2	-0.270
7.	लखनऊ सुपर जाइटंस	2	1	1	0	2	-0.542
8.	मुंबई इंडियंस	3	1	2	0	2	-0.715
9.	कोलकाता नाइट राइडर्स	3	0	2	1	1	-1.964
10.	चेन्नई सुपर किंग्स	3	0	3	0	0	-2.517

ऑरेंज कैप

यशस्वी जायसवाल
राजस्थान–170 रन
समीर रिजवी
दिल्ली – 160 रन
हेनरिच क्लासेन
हैदराबाद – 145 रन

पर्पल कैप

रवि बिश्नोई
राजस्थान– 7 विकेट
प्रसिद्ध कृष्णा
गुजरात – 6 विकेट
राशिद खान
गुजरात– 5 विकेट

कोनोली को टाइमिंग और लय पर भरोसा

- **पावर हिटिंग के दौर में पंजाब किंग्स के बल्लेबाज ने संयमित पारी खेल सभी को किया प्रभावित**

मुल्लांपुर, एजेंसी

टी20 क्रिकेट में पावर हिटिंग (ताकत वाले शॉट) के इस दौर में पंजाब किंग्स के बल्लेबाज कूपर कोनोली सफलता के लिए टाइमिंग, लय और आत्मविश्वास पर भरोसा करते हैं। ऑस्ट्रेलिया के इस 22 साल के खिलाड़ी ने अपने आईपीएल पदार्पण पर 44 गेंदों पर नाबाद 72 रन की संयमित पारी खेलकर प्रभावित किया।

उनकी इस पारी से पंजाब किंग्स को गुजरात टाइटंस के खिलाफ शुरुआती मैच में तीन विकेट से जीत मिली। इस पारी ने उनके इस विश्वास को मजबूत किया कि क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में दबदबा बनाने के लिए सिर्फ पावर हिटिंग ही जरूरी नहीं है। हर खिलाड़ी की अपनी ताकत होती है और मैं अपनी उन्हीं खूबियों पर कायम रहना चाहता हूं, जिन्होंने अब तक मुझे सफलता दिलाई है। कोनोली ने में कहा बेशक, टी20 क्रिकेट में ताकत (पावर) एक बड़ा हिस्सा बनती जा रही है, लेकिन इसके अलावा भी कई तरीके हैं और मैं उन्हें समझने और सीखने की कोशिश करूंगा। अपनी मौजूदा शैली में सहज कोनोली मानते हैं कि लय पर आधारित उनका खेल उन्हें टीम के लिए सबसे प्रभावी योगदान देने में मदद करता है।

टी-20 में नौ विकेट लेकर कार्डोसा ने रचा इतिहास

ब्रासीलिया, एजेंसी

ब्राजील की तेज गेंदबाज लॉरा कारडोसो ने रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया जब वह पुरुषों या महिलाओं के टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में एक ही पारी में नौ विकेट लेने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं।

कारडोसो ने लेसोथो के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए चार रन देकर नौ विकेट चटकाए जो टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े है। उन्होंने गैबोरोन में बोत्सवाना क्रिकेट संघ ओवल दो मैदान पर बीसीए कालाहारी महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में यह उपलब्धि हासिल की। पिछला रिकॉर्ड भूटान की सोनम येशे के नाम था जिन्होंने 2025 में पुरुषों के टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में म्यांमार के खिलाफ सात रन देकर आठ विकेट लिए थे। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अनुसार महिलाओं के टी-20 अंतर्राष्ट्रीय में कारडोसो ने इंडोनेशिया की रोहमालिया के 2024 में मंगोलिया के खिलाफ बिना रन के सात विकेट चटकाने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। बृहस्पतिवार को हुए मैच में ब्राजील ने रॉबर्टा एवरी (35 गेंद पर 48 रन) और मोनिके मचाडो (41 गेंद पर नाबाद 69 रन) की शानदार पारियों की मदद से 202 रन का बड़ा स्कोर बनाया। इसके जवाब में लेसोथो की टीम 6.2 ओवर में सिर्फ 13 रन पर सिमट गई।

आरसीबी-रॉयल्स मैच में नजरें शीर्षक्रम के बल्लेबाजों पर

गुवाहाटी, एजेंसी

यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी से मिल रही आक्रामक शुरुआत के साथ राजस्थान रॉयल्स शुक्रवार को यहां गत चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ आईपीएल के मैच में अपना दबदबा कायम रखना चाहेगी जबकि आरसीबी की उम्मीदें फॉर्म में चल रहे देवदत्त पडिक्कल पर टिकी होंगी।

दो साल पहले टी20 क्रिकेट से विदा लेने के बावजूद आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के प्रदर्शन में कमी नहीं आई है। उनके मार्गदर्शन में आरसीबी ने संतुलित शीर्षक्रम तैयार कर लिया है और पिछले मैच में फिल साल्ट ने भी उम्दा पारी खेली थी। तीसरे नंबर पर उतर रहे पडिक्कल ने घरेलू क्रिकेट का अपना फॉर्म कायम रखते हुए संतुलित आक्रामकता के साथ बल्लेबाजी की है।

आईपीएल में अपने पदार्पण सत्र में आरसीबी के लिए 473 रन बनाने वाले पडिक्कल बाद में राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स के साथ उस सफलता को दोहरा नहीं सके थे। पिछले सत्र में वह आरसीबी में लौटे और पहली बार उसे आईपीएल खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इस सत्र में भी उन्होंने पहले चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 29 गेंद में 50 और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 26 गेंद में 61 रन बनाए। कप्तान रजत पाटीदार और आस्ट्रेलिया के टिम डेविड मध्यक्रम को मजबूती देते हैं। आरसीबी के गेंदबाजों ने भी इस सत्र में प्रभावित किया है। जैकब डफी ने जोश हेजलवुड की कमी पूरी की है तो बीच के ओवरों में कृणाल पंड्या और सुयश शर्मा ने रन रोके हैं।

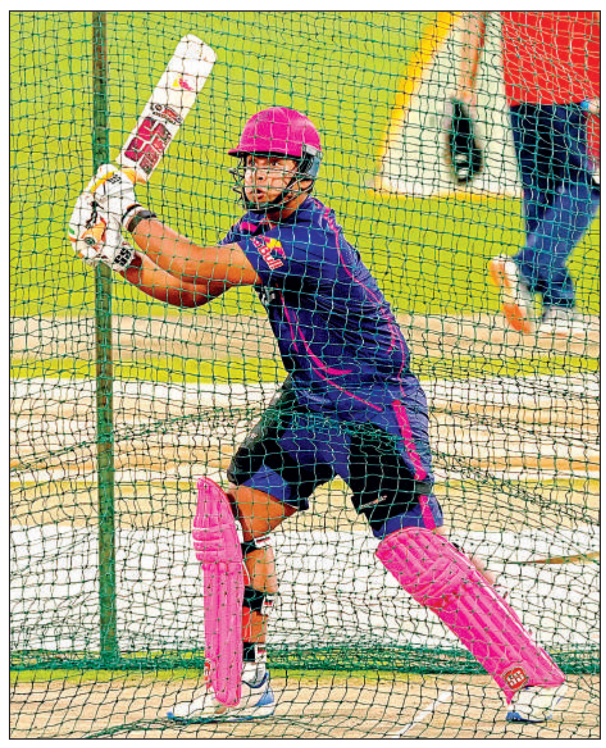

अभ्यास सत्र के दौरान राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी। एजेंसी

टीम

राजस्थान रॉयल्स : रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, अमन पेराला, शिमरोन हेटमायर, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जयसवाल, रवींद्र जड़ेजा, एडम मिल्ने, ब्रिजेश शर्मा, जोफ्रा आर्चर, कुलदीप सेन, क्वेना मफाका, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई और संदीप शर्मा।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : रजत पाटीदार (कप्तान), अभिनंदन सिंह, भुवनेश्वर कुमार, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, रसिख डार, सुयश शर्मा, स्वप्निल सिंह, विराट कोहली, वेंकटेश अय्यर, मंगेश यादव, कनिष्क चौहान, विहान मल्होत्रा, विक्की ओस्तवाल, सात्विक देसवाल।

सूर्यवंशी असली सुपरस्टार बन सकते हैं : स्मिथ

नई दिल्ली : बेहद प्रतिभावान वैभव सूर्यवंशी के प्रशंसकों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है और अब दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज ग्रीम स्मिथ ने आईपीएल 2026 में उनके प्रदर्शन के बाद 15 साल के इस भारतीय खिलाड़ी को 'असली सुपरस्टार' बताया है। सूर्यवंशी ने मंगलवार को बारिश से बाधित मैच में राजस्थान रॉयल्स की मुंबई इंडियंस पर 27 रन की जीत के दौरान दुनिया के सबसे अच्छे टी20 गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की पहली ही गेंद पर छक्का लगाया। इस युवा खिलाड़ी ने 14 गेंद में 39 रन की पारी के दौरान बुमराह के ओवर में दो छक्के जड़े। स्मिथ ने अपने ब्लॉग में लिखा आईपीएल ठीक वैसे ही शुरू हुआ है जैसा मैंने सोचा था, सपाट पिचों और बड़े स्कोर वाले मुकाबलों के साथ। हमेशा की तरह यह देखना दिलचस्प होगा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे पुराने सुपरस्टार कैसा प्रदर्शन करते हैं लेकिन मुझे लगता है कि राजस्थान रॉयल्स के युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी पर शुरुआती कुछ हफ्तों में नजर रखनी होगी।

लिया पक्ष

गुजरात टाइटंस के खिलाफ एक रन न लेने की हो रही आलोचना, मुकाबले में दिल्ली ने गंवा दिया था मैच

डेविड मिलर की मंशा में खोट नहीं निकाल सकते : गावस्कर

नयी दिल्ली, एजेंसी

भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ आईपीएल के रोमांचक मैच में एक रन लेने से इनकार करने वाले दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज डेविड मिलर का बचाव करते हुए कहा कि उनकी मंशा में कमी नहीं निकाल सकते।

जीत के लिए 211 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली को दो गेंद में दो रन की जरूरत थी लेकिन आखिरी ओवर की पांचवीं गेंद पर मिलर ने एक रन लेने से इनकार कर दिया। वह आखिरी गेंद पर चूके लेकिन एक रन के लिये भागे लेकिन जोस बटलर के थ्रो पर कुलदीप यादव रन आउट हो गए। गावस्कर ने ''जियो हाटस्टार'' से कहा डेविड मिलर बहुत अच्छा खेल रहा था और उसे खुद पर भरोसा था कि वह मैच फिनिश करेगा। उसकी मंशा में कमी नहीं निकाल सकते।

प्रसिद्ध कृष्णा ने एक शानदार धीमा बाउंसर डाला जिसे वह खेल नहीं सका। दबाव के हालात में ऐसा हो जाता है। क्रिकेटर से कमेंटेटर बने गावस्कर ने कहा कि दबाव के हालात में मैच की स्थिति को लेकर चौकस रहना काफी अहम है जो भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ 1986 में टाई रहे मैच में दिखाई थी। चेन्नई में उस मैच में भारत 348 रन के लक्ष्य का पीछा कर रहा था। शास्त्री ने नाबाद 48 रन बनाये और सही समय पर एक रन लेकर भारत को 347 रन तक पहुंचाया जबकि आखिरी गेंद पर मनिंदर सिंह आउट हो गए। वह मैच ड्रॉ रहा। गावस्कर ने कहा इसी समय पर मैच के हालात को लेकर जागरूक रहना जरूरी है। मुझे इससे रवि शास्त्री का वह एक रन याद आता है जो 1986 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ उसने सही समय पर लेकर स्कोर बराबर कर दिया था।

इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान की तारीफ की जिन्होंने गुजरात के लिये चार ओवर में 17 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने कहा राशिद खान ने जबर्दस्त गेंदबाजी की। लेकिन एक ईकाई के रूप में गुजरात की गेंदबाजी उतनी अच्छी नहीं थी लेकिन खेल में ऐसा होता है।

अक्षर ने शांति बनाए रखने का किया आग्रह

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने गुजरात टाइटंस के हाथों एक रन की दिल तोड़ने वाली हार के बाद अपनी टीम से शांत रहने और अपना हौसला बनाए रखने की अपील की। अरुण जेटली स्टेडियम में बुधवार को मैच के बाद फ्रेंचाइजी द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में, अक्षर ने ड्रेसिंग रूम में अपने साथियों को संबोधित करते हुए, इस करीबी हार के बावजूद सकारात्मक बने रहने का आग्रह किया। अक्षर ने साथियों से कहा सीजन की शुरुआत में, मैंने कहा था, आप जानते हैं, अपनी भावनाओं पर काबू रखें और किसी भी स्थिति में शांत रहें। सभी, आप जानते हैं, दुखी हैं, बुरा महसूस कर रहे हैं। हम फिर भी मुस्कुरा सकते हैं, यह ठीक है। यह एक लंबा टूर्नामेंट है। मुझे लगता है कि अगर उसने वे छक्के नहीं मारे होते, तो मुझे नहीं लगता कि हम, आप जानते हैं, खेल में बने रहते। हम चेन्नई जाएंगे और फिर से शुरुआत करेंगे।

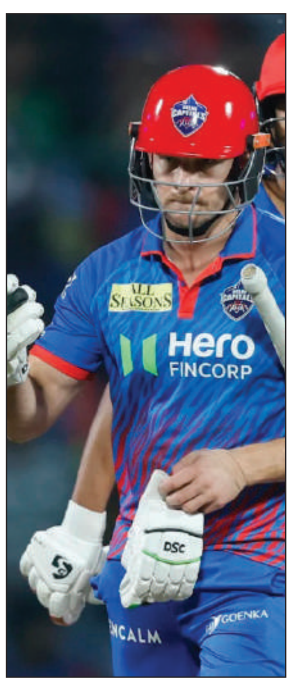

प्रीति, मीनाक्षी, प्रिया और अरुंधति ने जीते स्वर्ण पदक

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप

उलानबटोर (मंगोलिया), एजेंसी

मौजूदा विश्व चैंपियन मीनाक्षी हुड्डा और प्रीति पवार की अगुवाई में भारत की चार महिला मुक्केबाजों ने बृहस्पतिवार को यहां एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में जीत के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

मीनाक्षी (48 किलोग्राम) और एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति (54 किलोग्राम) के साथ प्रिया घंघास (60 किलोग्राम) और विश्व मुक्केबाजी कप की स्वर्ण पदक विजेता अरुंधति चौधरी (70 किलोग्राम) ने शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत को हालांकि सबसे बड़ा झटका 57 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में लगा, जहां मौजूदा विश्व चैंपियन जैस्मीन लंबोरिया को थाईलैंड की दो बार की विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता पुनरावी रुएनरोस से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। भारत की अल्फिया पठान (80 किलोग्राम से अधिक) ने भी रजत पदक हासिल किया। चैंपियनशिप में अपने एकमात्र मुकाबले में उन्हें कजाकिस्तान की दीना इस्लम्बेकोवा से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदकों के साथ कुल 10 पदक जीते।

पदकों के साथ भारतीय मुक्केबाज। एजेंसी